शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पुलिस विभाग में आयु सीमा में छूट के संबंध में भर्ती नियमों में एक सप्ताह ...@ नम्मा बेंगलूरू

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 01 अक्टूबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-270

देश की अदालतों में लंबित पड़े हैं पांच करोड़ से अधिक मामले

जस्टिस डिलेड इज़ जस्टिस डिनाएड..!

छोटे-मोटे बेमानी मुद्दों पर भी न्यायिक सक्रियता दिखाने वाले सुप्रीम कोर्ट में करीब एक लाख मुकदमे लंबित हैं। लंबित मुकदमों की संख्या हर महीने तकरीबन एक हजार केस की गति से बढ़ती जा रही है। जब सुप्रीम कोर्ट की यह हालत है तो पूरे देश की अदालतों में लंबित मामलों की संख्या के बारे में कल्पना की जा सकती है। कल्पना छोड़िए, बिल्कुल तथ्यों में बात करते हैं। देश की अदालतों में पांच करोड़ मामले लंबित हैं। देश के उच्च न्यायालयों में ही करीब एक करोड़ मामले लंबित पड़े हैं। सुप्रीम कोर्ट भी कई बार इस पर चिंता जता चुका है।

नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड (एनजेडीजी) ने निचली अदालतों में लंबित पांच करोड़ मामलों में से 1.78 करोड़ मुकदमों के कारण भी बताए हैं। इनमें से ज्यादातर आपराधिक मामले हैं। इनमें 81 प्रतिशत आपराधिक मामले हैं। बाकी 19 प्रतिशत सिविल मामले हैं। इससे पता चलता है कि आपराधिक मामलों में देरी ज्यादा हो रही है। लगभग 3 करोड़ मामलों के लंबित होने का तो कोई कारण भी नहीं है। बस यूं

सुप्रीम कोर्ट में एक लाख, इलाहाबाद हाईकोर्ट में 10 लाख मुकदमे लंबित

ही लंबित पड़ा है। इन पर न्यायिक प्रक्रिया का कोई ध्यान नहीं है। एनजेडीजी कहता है कि सबसे बड़ा कारण वकीलों का उपलब्ध न होना है। 62 लाख से ज्यादा मामलों में वकील मौजूद नहीं होते। इससे सुनवाई आगे नहीं बढ़ पाती। दूसरा बड़ा कारण आरोपी का फरार होना है। 35 लाख से ज्यादा मामलों में आरोपी फरार हैं। जब आरोपी ही नहीं होता, तो केस कैसे चले। लगभग 27 लाख मामलों में गवाह गायब हैं। गवाहों के

शुभ-लाभ सरोकार

बिना सबूत पेश करना मुश्किल बताया जाता है। 23 लाख से ज्यादा मामलों पर अलग-अलग अदालतों ने रोक लगा रखी है। यह रोक भी मामलों को आगे बढ़ने से रोकती है। 14 लाख से ज्यादा मामलों में दस्तावेजों का इंतजार है। लगभग 8 लाख मामलों में पार्टियों का दिलचस्पी न लेना बताया गया है। भारत के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित उच्च न्यायालयों में से एक, इलाहाबाद उच्च न्यायालय, जिसने कभी भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और भविष्य के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों जैसी हस्तियों को सम्मानित किया था, उसकी तो और भी बुरी

बच्चे भी न्याय से वंचित एक साल में एक लाख मामले, हजारों लंबित

दशा है। 10 लाख से ज्यादा लंबित मामलों के साथ, इलाहाबाद हाईकोर्ट देश की सबसे ज्यादा बोझ से दबी अदालतों में से एक है। आपराधिक मुकदमों से लेकर सम्पत्ति और पारिवारिक विवादों तक के मामले दशकों से यहां लंबित हैं, जिससे भारत के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य, उत्तर प्रदेश के हजारों लोग कानूनी पचड़ों में फंसे हुए हैं। सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी 73 वर्षीय बाबू राम राजपूत तीन दशकों से भी ज्यादा समय से सम्पत्ति विवाद से जूझ रहे हैं। उन्होंने 1992 में एक नीलामी में जमीन खरीदी थी, लेकिन पिछले मालिक ने बिक्री को चुनौती दे दी थी। और यह मामला आज तक अनसुलझा है। राजपूत कहते हैं, मुझे बस यही उम्मीद है कि मेरे मामले का फैसला मेरे जीते जी हो जाए।

उच्च न्यायालय का संघर्ष भारतीय न्यायपालिका के एक व्यापक संकट को दर्शाता है। न्यायाधीशों की कमी और मुकदमों के लगातार बढ़ते बोझ के कारण मुकदमों में भारी विलंब हो रही है। 160 स्वीकृत पद हैं जो कभी भी पूरी तरह भरे नहीं जाते। न्यायालय में कर्मचारियों की भारी कमी है। पुलिस जांच में देरी, बार-बार स्थगन और खराब बुनियादी ढांचे के कारण लंबित मामलों की संख्या बढ़ती ही चली जा रही है।

▶10 पर

चुनाव आयोग ने जारी की बिहार की मतदाता सूची

संशोधन के बाद निकले 7.3 करोड़ वोटर

नई दिल्ली/पटना, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने बिहार के मतदाताओं की पुनरीक्षित सूची आज जारी कर दी। करीब सात करोड़ 30 लाख से अधिक मतदाताओं की फाइनल सूची जारी की गई है। खास बात यह है कि इस बार वोटर लिस्ट में करीब 14 लाख से अधिक नए मतदाता भी शामिल हुए। इनमें अधिकतर ऐसे हैं जिनकी उम्र 18 साल से अधिक है। संशोधित लिस्ट से 47 लाख वोटरों के नाम हटा दिए गए हैं। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची को सार्वजनिक करने के साथ-साथ हर जिले के निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय में भौतिक प्रति भी उपलब्ध करवा दी है। सभी राजनीतिक दलों को भी मतदाता सूची प्रारूप की अंतिम सूची उपलब्ध करवा दी गई है।

फाइनल वोटर लिस्ट जारी होने के बाद अब चुनाव आयोग बिहार में तैयारियों का जायजा लेने के लिए 4 और 5 अक्टूबर को पटना का दौरा करेगा। इसके बाद चुनाव की तारीखों का ऐलान किया जाएगा। अगले सप्ताह बिहार विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित होने की संभावना है। संभावना है कि पहले चरण का मतदान दिवाली और छठ महापर्व के बाद अक्टूबर महीने के अंत में या फिर नवंबर के पहले सप्ताह में होगा। 243 सीटों वाली बिहार विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को खत्म हो रहा है। इससे पहले चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। पिछली बार की तरह इस बार भी 3 चरणों में मतदान होने की संभावना जताई जा रही है। निर्वाचन आयोग ने मतदाता पुनरीक्षण कार्य की शुरुआत जून माह में की थी। इस कार्य से पहले 7 करोड़ 89 लाख मतदाता थे। इसके पुनरीक्षण कार्य के बाद कुल 65 लाख मतदाताओं के नाम कटे थे। इनमें 22 लाख से अधिक मृत मतदाता, करीब 35 लाख विस्थापित मतदाता थे। वहीं करीब सात लाख लोग ऐसे मतदाता थे, जिनका नाम दो जगह दर्ज था। हालांकि, चुनाव आयोग ने इन्हें दावा आपत्ति के लिए 30 दिन का वक्त दिया था। प्रकाशित मतदाता सूची में बिहार के 7.30 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। इतने मतदाताओं की ओर से अपना गणना फॉर्म भरकर जमा किया गया था। वहीं, दावा-आपत्ति के दौरान 16 लाख 58 हजार 886 पात्र नागरिकों ने फॉर्म-6 भरकर जमा कराया। चुनाव आयोग के अनुसार 36,475 मतदाताओं ने नाम जोड़ने के लिए दावा पेश किया जबकि 2,17,049 मतदाताओं ने नाम हटाने के लिए आवेदन किए। हालांकि, फाइनल वोटर लिस्ट में मतदाताओं की कुल संख्या की जानकारी अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। राज्य के करीब तीन लाख मतदाताओं को आवश्यक दस्तावेज जमा नहीं किए जाने को लेकर नोटिस भेजकर जवाब मांगा गया। अंतिम रूप से प्रकाशित मतदाता सूची में एसआईआर के दौरान मृतक, स्थानांतरित एवं दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं के नाम शामिल नहीं किए गए हैं।

मतदाता पुनरीक्षण कार्य के बाद जो वोटर लिस्ट प्रकाशित किए गए हैं, उनमें सभी जिलों के हजारों लोगों के नाम कट गए हैं। इनमें पश्चिम चम्पारण से 191376, पूर्वी चम्पारण से 316793, शिवहर से 28166, सीतामढ़ी से 244962, मधुबनी से 352545, सुपौल से 128207, अररिया से 158072, किशनगंज से 145668, पूर्णिया से 273920, कटिहार से 184254, मधेपुरा से 98076, सहरसा से 131596, दरभंगा से 203315, ▶10 पर

लद्दाख मसले पर वार्ता के लिए केंद्र सरकार तैयार

वांगचुक की रिहाई हो तभी होगी वार्ता : एलएबी

नई दिल्ली/लद्दाख, 30 सितंबर (एजेंसियां/ब्यूरो)।

लद्दाख मामले में केंद्र सरकार ने वार्ता के लिए अपने दरवाजे खुले रखे हैं। गृह मंत्रालय ने कहा है कि लद्दाख एपेक्स बाडी यानि एलएबी और करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस यानि केडीए के साथ कभी भी बातचीत हो सकती है। वार्ता के लिए 6 अक्टूबर की तारीख पहले से तय है, लेकिन एलएबी और अन्य संगठनों ने भी वांगचुक समेत अन्य गिरफ्तार लोगों की रिहाई के पहले बातचीत से दूर रहने की घोषणा की है। संगठनों का कहना है कि गिरफ्तार नेताओं की रिहाई हो, उसके बाद ही वार्ता होगी। प्रशासन ने लेह में कर्फ्यू में चार घंटे की ढील देने की घोषणा की है। आवश्यक सेवाएं सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक जारी रहेंगी। प्रशासन ने किराना दुकानों, सब्जी विक्रेताओं, हार्डवेयर की दुकानों और अन्य आवश्यक सेवा प्रदाताओं को चार घंटे के लिए अपनी दुकानें खोलने की अनुमति दी है।

गृह मंत्रालय का कहना है कि लद्दाख पर बनी समिति (एचपीसी) या ऐसे किसी भी मंच के माध्यम से एबीएल और केडीए के साथ चर्चा का स्वागत करते रहेंगे। लद्दाख पर एचपीसी के माध्यम से सर्वोच्च निकाय लेह (एबीएल) और करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के साथ बातचीत पहले भी हुई है, जिसके अच्छे परिणाम सामने आए हैं। वार्ता के बाद ही लद्दाख की अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण में वृद्धि, एलएएचडीसी में महिलाओं के लिए आरक्षण और स्थानीय भाषाओं को संरक्षण दिया गया

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में 1800 सरकारी पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। लेह एपेक्स बाडी (एलएबी) का कहना है कि लद्दाख में जब तक सामान्य स्थिति बहाल नहीं होती है, वह वार्ता से दूर रहेगा। अगर स्थिति सामान्य करने के लिए सही कदम उठाए जाते हैं, तभी वह 6 अक्टूबर को हो-नेवाली अगले दौर की बातचीत में शामिल हो सकता है।

इस तरह, लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल करने जैसी मांगों के साथ केंद्र के साथ बातचीत कर रही लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) ने गृह मंत्रालय की उच्चाधिकार प्राप्त समिति के साथ बातचीत से इन्कार कर दिया है। एलएबी के अध्यक्ष थुपस्तान छेवांग और सह-अध्यक्ष चेरिंग दोरजे ने कहा कि बातचीत फिर से शुरू करने से पहले लद्दाख में अनुकूल माहौल की बहाली आवश्यक है। एलएबी ने 4 प्रदर्शनकारियों की मौत के बाद अपना रुख कड़ा कर लिया है। एलएबी नेताओं ने कहा, हम सर्वसम्मति से इस बात पर सहमत हुए हैं कि मौजूदा स्थिति के मद्देनजर जब तक लद्दाख में शांति बहाल नहीं हो जाती, हम किसी भी वार्ता में भाग नहीं लेंगे। छेवांग ने गृह मंत्रालय और प्रशासन से शांति बहाली के कदम उठाने की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि बीते 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा में 4 लोगों की मौत हुई थी और 50 से अधिक लोग घायल हुए थे। इसके बाद पुलिस ने एक्टविस्ट सोनम वांगचुक समेत कई लोगों को गिरफ्तार कर लिया। एलएबी ने मांग की है कि हिंसा की जांच हो, प्रदर्शनकारियों पर दर्ज सभी मामले वापस लिए जाएं और हिरासत में लिए गए सभी लोगों को बिना शर्त रिहा किया जाए। एलएबी ने लद्दाखी प्रदर्शनकारियों को देश विरोधी कहने के लिए केंद्र से माफी मांगने के लिए भी कहा है।

▶10 पर

देश के प्रमुख जुआ घरों (कैसीनो) पर ईडी का छापा

भारी तादाद में देसी-विदेशी मुद्रा बरामद

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत गोवा, दिल्ली, एनसीआर, मुंबई और राजकोट में बड़े जुआ घरों (कैसीनो) पर छापा मार कर बड़ी तादाद में भारतीय और विदेशी मुद्राएं बरामद कीं और जुआ के बहाने मनी-लॉन्ड्रिंग के कारोबार का पर्दाफाश किया। मेसर्स गोल्डन ग्लोब होटल्स प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स वर्ल्डवाइड रिसॉर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड और बिग डैडी कैसीनो से जुड़े 15 विभिन्न परिसरों में ईडी ने तलाशी अभियान चलाया। तलाशी अभियान के दौरान, ईडी ने भारतीय मुद्रा में लगभग 2.25 करोड़ रुपए, 14000 अमेरिकी डॉलर और लगभग 8.50 लाख रुपए के बराबर अन्य विदेशी मुद्रा बरामद की।

ईडी की जांच से पता चला है कि ग्राहकों को विदेशी मुद्रा के बदले पोकर चिप्स दिए जा रहे थे। जीतने वाले ग्राहकों को उनकी जरूरतों के आधार पर जीत की राशि, विदेशी मुद्रा में वितरित की जा रही थी। इसके अलावा, यह भी पाया गया कि कई ऑनलाइन कैसीनो प्लेटफार्म, जैसे रोलेक्स777.सीए, आईकैसीने247.कॉम, प्ले247एस.कॉम, विन डैडी, पोकर डैडी आदि को मेसर्स गोल्डन ग्लोब होटल्स प्राइवेट लिमिटेड के कैसीनो द्वारा सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जा रहा था। यह भी सामने आया कि पोकर खिलाड़ियों के क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट का इस्तेमाल मनी-लॉन्ड्रिंग के ▶10 पर

सेना के तीनों अंगों को फेंटने की कोशिश, बढ़ रहा विरोध

थिएटर कमांड पर तीनों सेनाओं में आम सहमति नहीं

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

सेना के तीनों अंगों को फेंटने की भारत सरकार की कवायद का सेना में विरोध हो रहा है। सैन्य विशेषज्ञों का कहना है कि सेना के तीनों अंगों का बेहतर समन्वय के साथ स्वतंत्र अस्तित्व बेहद जरूरी है। एक राष्ट्र एक सेना का सरकारी हठ व्यवहारिक नहीं है। थिएटर कमांड की स्थापन पर तीनों सेनाओं में आम सहमति नहीं है।

भारत सरकार ने तीनों सेनाओं का एक संयुक्त सैन्य स्टेशन (थिएटर कमांड) बनाने का फैसला सेना की अंदरूनी असहमतियों के कारण आगे नहीं बढ़ पा रहा है। केंद्र सरकार कहती है कि यह देशभर में अपनी तरह का पहला ऐसा स्टेशन होगा। थिएटर कमांड के निर्माण से पहले सेना, नौसेना और वायुसेना के बीच एकजुटता बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। इसके तहत उपकरणों का स्टैंडेराइजेशन, लॉजिस्टिक के लिए कॉमन सप्लाई चेन, सभी स्तरों पर संयुक्त प्रशिक्षण, अधिक क्रॉस-पोस्टिंग,

एक राष्ट्र एक सेना का सरकारी हठ व्यवहारिक नहीं

अन्य सेवाओं का अनुभव और कर्मियों के बीच बेहतर सामाजिक संपर्क होगा। हालांकि, थिएटर कमांड पर तीनों सेनाओं में फिलहाल आम सहमति नहीं है।

इस महीने की शुरुआत में कोलकाता में हुए संयुक्त कमांडर सम्मेलन में इनमें से कुछ उपायों पर चर्चा हुई थी, जिसमें प्रधानमंत्री ने भी भाग लिया था। सशस्त्र बल एक-दूसरे की क्षमताओं और चुनौतियों के बारे में अपनी समझ को बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं ताकि तीनों सेनाओं की जरूरतों को शुरू से ही समझा जा सके। थिएटर कमांड किसी भी बड़े सुधार के लागू होने से पहले तीनों सेनाओं के बीच एकीकरण बढ़ाने के व्यापक उपायों का एक हिस्सा है। तीनों सेनाओं के बीच थिएटर कमांड के निर्माण पर अभी आम सहमति नहीं बन पाई है। यह कदम पिछले हफ्ते कोलकाता में हुए संयुक्त कमांडर सम्मेलन में घोषित निर्णयों के बाद उठाया गया है, जिसमें पहले चरण में एक त्रि-सेवा शिक्षा कोर का गठन और तिरुवनंतपुरम, विशाखापत्तनम और गांधीनगर में तीन संयुक्त सैन्य स्टेशनों की स्थापना शामिल है।

अब सभी स्तरों पर इंटर-सर्विस ट्रेनिंग पर ज्यादा जोर दिया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी कर्मचारी एक-दूसरे के उपकरणों और क्षमताओं से परिचित हों और उनका बेहतर इस्तेमाल कर सकें। यह ज्ञान ऑपरेशनल प्लानिंग में अहम भूमिका निभाएगा जिसमें शुरुआत से ही ▶10 पर

पाकिस्तान से स्वतंत्र होने के करीब बलूचिस्तान

95% क्षेत्र नियंत्रण में पाक सेना पीछे हटी

क्वेटा, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

बलूचिस्तान के लड़ाके पाकिस्तानी सैनिकों और घुसपैठियों से अपनी धरती को आजाद कराने के लिए जोरदार प्रयास कर रहे हैं। करीब 95 प्रतिशत इलाका बलूच लड़ाकों के कब्जे में आ गया है। बलूचिस्तान के कई इलाकों से पाकिस्तानी सेना भी पीछे हट गई है। बलूचिस्तान को हाथ से निकलता देख पाकिस्तानी सेना ने खुजदार जिले के जेहरी, गजान, तरासानी, शाहमुज और सोहांडा में हवाई हमले भी किए हैं। लेकिन बलूच लड़ाके इसका मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं। उधर, बलूचिस्तान के क्वेटा में आज हुए जबरदस्त धमाके में 10 लोगों के मरने की खबर है।

बलूचिस्तान ने हाल ही में अपने को स्वतंत्र घोषित किया था। इसके बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री अमेरिका दौरे पर गए थे और उन्होंने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी को आतंकवादी संगठन घोषित करवाया था। बलूचों ने तेल एवं खनिज समृद्ध और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों को पहले ही अपने नियंत्रण में ले लिया है और वे पाकिस्तानी सेना का कड़ा मुकाबला कर रहे हैं। इस कारण कई क्षेत्रों में पाकिस्तानी सेना पीछे हटने के लिए मजबूर हो रही है। लगभग 95 प्रतिशत क्षेत्र अब बलूच स्वतंत्रता सेनानियों के नियंत्रण में है। बलूच लड़ाके अपनी मातृभूमि से हर एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को बाहर निकालने के लिए कटिबद्ध हैं और इसके लिए एक व्यापक तलाशी ▶10 पर

श्री नवपद आयम्बिल ओली आयंबिल एक प्रकार का जैन बाह्य तप: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने शाश्वती नवपद ओली का महत्व समझाते हुए कहा कि श्री

नवपद आयम्बिल ओली आयंबिल एक प्रकार का जैन बाह्य तप है, जिसे वैज्ञानिक रूप से मन, शरीर और आत्मा को लाभ पहुँचाने के लिए डिजाइन किया गया है। आयंबिल स्वाद को नियंत्रित करने की तपस्या है। आयंबिल का व्रत स्वाद पर विजय प्राप्त करके आध्यात्मिक उत्थान प्राप्त करने और कर्म बंधन से मुक्ति पाने के लिए किया जाता है। श्री नवपद आयम्बिल ओली नौ दिनों का एक उत्सव है, जो वर्ष में दो बार आता है और नवपद (नवपद का उल्लेख नवकार मंत्र में भी मिलता है) के प्रति सम्मान और श्रद्धा प्रकट करने के

लिए मनाया जाता है। यह चैत्र (मार्च/अप्रैल) और अश्विन (अक्टूबर/नवंबर) माह की पूर्णिमा से लेकर चंद्र मास की सप्तमी तिथि के बीच पड़ता है। संस्कृत और प्राकृत भाषा में नव का अर्थ है नौ और पद का अर्थ है पद। अतः नवपद शब्द का अर्थ है ब्रह्माण्ड के नौ सर्वोच्च पद। ये नौ हैं अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय, साधु, सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक चरित्र और सम्यक तप। नवपद को सिद्ध चक्र भी कहा जाता है। यह एक गोलाकार यंत्र है जिसमें सिद्ध को सबसे ऊपर रखा जाता है। अरिहंत मध्य में और आचार्य अरिहंत के दाहिनी ओर स्थित होते हैं। उपाध्याय अरिहंत के निचले भाग में और साधु अरिहंत के बाईं ओर स्थित होते हैं। सम्यग् दर्शन, सम्यग् ज्ञान, सम्यग् चरित्र और सम्यग् तप को ऊपरी दाहिने कोने से शुरू करके दक्षिणावर्त दिशा में चार कोनों में रखा जाता है। इस उत्सव के दौरान नवपद और सिद्ध चक्र की पूजा की जाती है। आयंबिल तप करने वाले लोग दिन में एक बार भोजन करते हैं, उबला हुआ पानी पीते हैं, और बिना दूध, दही, घी, तेल, चीनी/गुड़ के पकाए गए 'स्वादिष्ट' माने जाने वाले खाद्य पदार्थों और तले हुए खाद्य पदार्थों से परहेज करते हैं। आयंबिल आहार एक तरह से विषहरण है। आयंबिल आहार हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है और हमारे कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में भी मदद करता है। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि

श्री नवपद और श्री नवकार मंत्र का दूसरा पद श्री सिद्ध पद है। सिद्ध का अर्थ है वे जो सभी कर्मों से मुक्त हो गए हैं और जिन्हें कभी जन्म-मृत्यु के चक्र से नहीं गुजरना पड़ेगा। जो सिद्ध पद प्राप्त कर चुके हैं और बिना शरीर के हैं, वे शुद्ध, प्रबुद्ध और मुक्त हैं। सिद्ध को सिद्धचक्र यंत्र के शीर्ष पर रखा गया है। सिद्ध को देव तत्व में से एक भी माना जाता है। सिद्ध प्रकृति की सर्वोच्च शक्ति है। वह बिना किसी भौतिक शरीर के ब्रह्मांड में सबसे शुद्ध आत्मा है।

साधना और आराधना आत्मा को परमात्मा बनाने का मार्ग: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी निर्मला जी के सानिध्य में साध्वी उपमा ने मंगल प्रवचन में कहा कि मानव जीवन को सार्थक बनाने के लिए आवश्यक है कि हम संसार में रहकर भी प्रभु से जुड़े रहें। साधना और आराधना के द्वारा आत्मा को परमात्मा बनाने का मार्ग खुलता है। जीवन केवल सांसारिक सुखों के लिए नहीं, बल्कि आत्मिक उन्नति और परोपकार के लिए है। जो व्यक्ति दूसरों के हित में जीता है, वही वास्तव में सफल जीवन जीता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा जैसे नौका पानी में रहकर भी पानी को अपने भीतर नहीं आने देती और कमल कीचड़ में खिलकर भी कीचड़ से ऊपर रहता है, उसी प्रकार हमें संसार में रहते हुए भी संसार से ऊपर उठना चाहिए। कर्मों का बंधन न हो, बल्कि कर्मों की निर्जरा हो। जीवन छोटा हो तो भी कमाल का होना चाहिए। साध्वी उपमा ने आगे कहा कि जीवन में दो बातें कभी नहीं भूलनी चाहिए मृत्यु और परमात्मा। मृत्यु को याद करने वाला व्यक्ति सदैव सत्कर्मों की ओर प्रवृत्त रहता है और परमात्मा को याद करने वाला कभी पापकर्म की ओर नहीं जाता। जो आत्मा विभाव से स्वभाव की ओर लौटती है, वही वैराग्य की सच्ची पहचान है। इस अवसर पर साध्वी उपासना ने राजकुमार गोविंद सिंह कथा का वाचन करते हुए कर्म की महत्ता को विस्तार से प्रस्तुत किया। महिला मंडल मंत्री रेखा पोखरना ने बताया कि बुधवार से उत्तराध्ययन सूत्र आराधना का 21 दिवसीय आयोजन प्रतिदिन प्रातः 8:30 बजे से प्रारंभ होगा। 2 से 4 अक्टूबर तक धार्मिक प्रीमियर लीग प्रतियोगिता आयोजित होगी, जिसमे संघ सहित सहयोगी संस्थाएं- राजाजीनगर युवा, त्रिशला महिला मंडल, त्रिशला बहु मंडल, जिनेश्वर युवा और ब्राह्मी कन्या मंडल और सभी धर्मप्रेमियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी अपेक्षित है। समारोह के अंत में संघ अध्यक्ष प्रकाश चानोदिया ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया तथा कार्यक्रम का संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह कार्यक्रम के बैनर का अनावरण

राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने किया अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के बैनर का अनावरण: मुनि पुलकित कुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने राजभवन में अणुव्रत समिति बेंगलूरु के तत्वावधान में होने वाले अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह कार्यक्रम के बैनर का अनावरण युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के विद्वान सुशिष्य डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी के मंगल सानिध्य में किया।

ज्ञातव्य है कि अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के अंतर्गत अणुव्रत प्रेरणा दिवस, अहिंसा दिवस, सांप्रदायिक सौहार्द दिवस, पर्यावरण शुद्धि दिवस, नशा मुक्ति दिवस, अनुशासन दिवस, जीवन विज्ञान दिवस जैसे अलग अलग विषयों को लेकर शहर के विभिन्न जगहों पर जन जन को जागृत करने हेतु अणुव्रत समिति बेंगलूरु के तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी ने इस अवसर पर कहा अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के अंतर्गत संप्रदाय मुक्त मानव जाति के उत्थान के लिए यह कार्यक्रम पूरे भारत भर में 450 से ज्यादा अणुव्रत समितियां आयोजित करती हैं। इसी क्रम में बेंगलूरु अणुव्रत समिति द्वारा यह कार्यक्रम 1 से 7 अक्टूबर तक आयोजित किए जाएंगे। जिसमें महारानी कॉलेज में अणुव्रत गीत महासंगान का कार्यक्रम प्रथम दिन आयोजित होगा। अणुव्रत समिति के मंत्री लाभेश कांसवा ने बताया की कर्नाटक विधानसभा के अंतर्गत भी नशा मुक्ति दिवस के उपलक्ष में अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह की गूंज रहेगी। इस अवसर पर अणुव्रत समिति अध्यक्ष ललित बाबेल ने अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य तुलसी के अणुव्रत आंदोलन के मानव कल्याणकारी विभिन्न आयामों के बारे में जानकारी प्रदान करवाई। अणुव्रत कार्यकर्ताओं ने अणुव्रत पट्ट के द्वारा राज्यपाल का सम्मान किया। इस अवसर पर अणुव्रत समिति के परामर्शक माणिकचंद बालदोटा, सहमंत्री सुरेश चावत और प्रसार प्रचार मंत्री कविता पोरवाल की उपस्थिति रही।

स्वास्तिक सेवा संघ ने किया महाष्टमी पर कन्या पूजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
स्वास्तिक सेवा संघ द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी क्लासिपाल्यम स्थित संघ कार्यलय पर महाष्टमी के पावन अवसर पर प्रातः 11 बजे माँ दुर्गा का विधिवत पूजन किया गया। इस अवसर पर संघ के चेयरमैन सतीश मित्तल, महेश मित्तल के साथ सभी सदस्यों ने पूजन कर हवन में आहुति देकर माँ दुर्गा से सुखमय जीवन की मनोकामना की। तत्पश्चात कन्या पूजन किया। सभी कन्याओं का चरण धोकर पूजन कर चुनड़ी व पोशाक भेंट कर प्रसाद खिला कर महाष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर उप चेयरमैन श्याम बंसल, विनोद अग्रवाल, नरेश जैन, जयस गुप्ता, पवन बंसल, गजेन्द्र अग्रवाल, अजय खेमका, शैलेंद्र मित्तल, गौरव जिंदल, संदीप जोशी, बिमल सरावगी सहित बड़ी संख्या में सदस्यों ने उपस्थित होकर करीब 4 से 5 हजार लोगों को प्रसाद वितरण कर लाभ लिया।

शिक्षाविद महेन्द्र सिंघी को कांठा प्रांत गौरव सम्मान से नवाजा गया

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
समाज सेवा एवं शिक्षा के क्षेत्र सहित काँठा प्रान्त हुब्बल्ली में अनुकरणीय योगदान हेतु प्रख्यात शिक्षाविद महेन्द्र सिंघी को कांठा प्रांत गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित अलंकरण उन्हें हैदराबाद में आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय कांठा प्रांत सम्मेलन 2025 के अवसर पर प्रदान किया गया।

यह भव्य आयोजन हैदराबाद में सम्पन्न हुआ, जिसमें देशभर से प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

विशेष रूप से उत्तर कर्नाटक से कांठा प्रांत ओसवाल साजनान संघ, हुब्बली के अध्यक्ष शांतिलाल बोहरा, पूर्व अध्यक्ष

अशोक कोठारी, हनुमानचंद खीवेंसरा, कांतिलाल बोहरा, प्रकाश चंद भलगट, प्रकाश कटारिया, राजेश कटारिया, नरेश गांधी, ललित सेहलोत, सुभाष चंद्र डंक, धारवाड़ से सोहन डागा, महावीर मुणोत, प्रमोद खीवेंसरा, लक्ष्मेश्वर से धर्मीचंद मुथा, सज्जन राज कोठारी तथा रनेबेन्नूर से राजेश कोठारी, विवेक पितलिया सहित अनेक समाज बंधु सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे और इस समारोह की शोभा बढ़ाई। सम्मान समारोह के दौरान सिंघी के समाज के प्रति समर्पण, शिक्षा क्षेत्र में दीर्घकालिक सेवाएं तथा सांस्कृतिक चेतना के प्रसार में उनके योगदान को विशेष रूप से सराहा गया। उन्हें यह सम्मान समाज में उनकी विशिष्ट सेवाओं की औपचारिक मान्यता के रूप में प्रदान किया गया। अपने उद्बोधन में सिंघी ने कहा अपने घर में सम्मान प्राप्त करना किसी भी सम्मान से कहीं अधिक होता है। यह सम्मान में कांठा प्रांत हुब्बल्ली के समस्त समाज बंधुओं को समर्पित करता हूं। उन्होंने आयोजन समिति के प्रमुख सदस्यों कांतिलाल नाहर (चेयरमैन), मोतीलाल भलगट (अध्यक्ष), गौतमचंद गुगलिया (उपाध्यक्ष), विमल मुथा (महामंत्री), सज्जन राज गांधी, सुरेशचंद कोठारी (कोषाध्यक्ष), नवरतनमल गुंदेचा, अशोक चंद कटारिया, दिनेश सहलोत, सुभाष चंद्र पिरोदिया, धर्मेंद्र नाहर (प्रधान संयोजक) सहित सभी पदाधिकारियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

एस पी रोड हब्बा की उत्साह से भरपूर शुरुआत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन के तत्वावधान में दक्षिण भारत के सबसे बड़े बाजारों में से एक इलेक्ट्रॉनिक बाजार एसपी रोड में एसपी रोड हब्बा 2025 की बहुत ही सुंदर उत्सव पूर्वक शुरुआत हुई।

एसपी रोड हब्बा के संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि उद्घाटन सत्र के विशेष अतिथि अंतराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन और आर्य वैश्य महासभा के अध्यक्ष आर पी रवि शंकर, मुख्य अतिथि हलसूर गेट पुलिस स्टेशन के एसीपी शिवानंद चलवाड़ी और हलसूर गेट पुलिस स्टेशन और एस जे पार्क स्टेशन के इंस्पेक्टर, ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी आयेशा, बीबीएमपी के पदाधिकारी प्रदीप, कृष्ण कुमार के साथ संगठन के अध्यक्ष विशाल वरंदानी, उपाध्यक्ष ललित डाकलिया, महामंत्री अरुण लुणावत ने दीप प्रज्वलन करके हब्बा की बहुत ही उल्लासमय वातावरण में शुरुआत की। दीप प्रज्वलन के पश्चात कर्नाटक की समृद्ध संस्कृति को दर्शाती हुई गणेश वंदना के साथ अनेक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किए गए। इस हब्बा के अंतर्गत एसपी रोड में उपस्थित एक हजार से अधिक प्रतिष्ठानों में दशहरा से दीपावली तक चलने वाले इस हब्बा में खरीदारी करने पर एक लकी ड्रा कूपन प्रदान किया जाएगा जिसका लकी ड्रा प्रति शनिवार को खोली जाएगी।

जिसमें एक टू व्हीलर स्कूटर के साथ अनेकों अन्य गिफ्ट भी प्रदान किए जाएंगे तथा पूरे लकी कूपन मिलाकर दीपावली के पश्चात ड्रॉ निकाला जाएगा। जिसमें एक सुंदर चमचमाती कार के साथ अनेकों गिफ्ट भी प्रदान किए जाएंगे। हब्बा के सह संयोजक उदेश राजपुरोहित, विशाल बोहरा, अमित बोराना, नरेश जैन ने कहा कि इस हब्बा का मुख्य उद्देश्य एसपी रोड में खरीदारी को बढ़ावा देना है।

इस हब्बा में सक्रिय भूमिका निभाते हुए उपाध्यक्ष मदनलाल धोका, किशोर राजपुरोहित, कोषाध्यक्ष महावीर मुणोत, सहमंत्री अमराराम, दिनेश चारण के साथ सह कोषाध्यक्ष कैलाश बोहरा, रविंद्र राजपुरोहित और संगठन मंत्री आलोक गंग के साथ पूरी कार्यकारिणी का पूरी व्यवस्थाओं में सक्रिय सहयोग मिल रहा है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री पल्लेकम्मा देवी देवस्थान राजाजीनगर शिवनहल्ली में आयोजित दशहरा उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा देवी मां की कृपा केवल उन्हीं पर बरसती है जिन्हें अपने माता-पिता का आशीर्वाद प्राप्त है। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

सुख, दुख अपने ही कर्मों का फल: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि हम कभी भी दूसरों को दोष नही देवें। अपने सुख दुख के कारण हमारे स्वयं के ही कर्म होते हैं। जिनके सभी कर्म नष्ट हो जाते हैं वे सिद्ध कहलाते हैं क्योंकि अब उनके भव भ्रमण का कोई कारण बचा नहीं होता है। कर्म सत्ता के उदय के कारण राजकुमार श्रीपाल को रातों रात भागना पड़ा और कर्मों ने उन्हें कोढ़ीयों के साथ कर दिया। श्रीपाल के साथ राजकुमारी मैनासुंदरी के भी कर्म उदय आए और दोनों का परिणय संबंध हो गया। दोनों ने इसे कर्मों से लड़ने का अवसर मान कर धैर्य रखा और नवकार मंत्र की शरण ली। उनका विश्वास था कि साथ में हो नवकार तो क्या बिगाड़ेगा संसार। इस से पूर्व प्रवचन प्रारंभ करते हुए साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि मुक्ति कभी भी उपहार में नही मिलती है। खूब पुरुषार्थ करना पड़ता है। स्वयं को स्वयं में स्थापित करने वाला ही मोक्ष का पथिक बन सकता है। हम अरिहंत की शरण का महत्त्व समझें क्योंकि वे हमे अशरण का बोध देते हैं। मोह के कारण हम जगह जगह शरण के लिए भटकते हैं। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए आह्वान किया कि संघ में प्रतिदिन आयंबिल होना चाहिए। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

पुलिस विभाग में आयु सीमा में छूट के संबंध में भर्ती नियमों में एक सप्ताह के भीतर संशोधन: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री डॉ. परमेश्वर ने स्पष्ट किया है कि पुलिस विभाग में उप-निरीक्षकों और कांस्टेबलों की भर्ती के लिए आयु सीमा में स्थायी छूट के लिए एक सप्ताह के भीतर भर्ती नियमों और विनियमों में संशोधन किया जाएगा। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि आंतरिक आरक्षण के कारण कई लोग अवसरों से वंचित हो रहे थे, क्योंकि भर्तियाँ नहीं हो रही थीं। उनके लिए 2027 तक सभी विभागीय भर्तियों में आयु सीमा में छूट दी गई है, जो एक निश्चित अवधि तक सीमित है। पुलिस विभाग में आयु सीमा में स्थायी रूप से छूट देने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। विभिन्न राज्यों में आयु सीमा की जानकारी प्राप्त कर ली गई है। कई राज्यों में 27,30,33 वर्ष तक की आयु सीमा में छूट है। उन्होंने कहा कि हम कांस्टेबलों और पुलिस उप-निरीक्षकों के पदों के लिए आयु सीमा में स्थायी रूप से छूट देने के लिए भी कदम उठाएंगे। धर्मस्थल मामले में जाँच में देरी होना ठीक नहीं है। षड्यंत्रकारियों की गिरफ्तारी में कानूनी पेचीदगियाँ हैं। कई

मामलों में एफएसएल रिपोर्ट लंबित हैं। एसआईटी अधिकारी अपना काम कर रहे हैं। अब तक मिले कुछ तत्वों को प्रयो-गशाला भेज दिया गया है। पहले मिले तत्वों को संहिताबद्ध कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जाँच जल्द पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। इस बीच, जो भी लोग मिले हैं, वे आवेदन कर रहे हैं। वे कह रहे हैं कि यहाँ हड्डियाँ हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी बातों पर रोक लगनी चाहिए। महेश शेट्टी निर्वासन मामले को अदालत में चुनौती दी गई है। हम वहाँ फैसले का इंतजार कर रहे हैं। गिरफ्तारी समेत सभी प्रक्रियाएँ कानून के मुताबिक चल रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार एसआईटी को कोई निर्देश नहीं देगी। जांच के चरण में इतनी समय-सीमा तय करना संभव नहीं है। स्पष्ट निर्णय पर पहुँचने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी की आवश्यकता होती है। एफएसएल रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जाना चाहिए। परमेश्वर ने कहा कि एसआईटी अधिकारी सर्वोच्च न्यायालय में जनहित याचिका खारिज होने के मामले पर विचार कर सकते हैं और अपनी रिपोर्ट में इसका उल्लेख कर सकते हैं। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और सांसद तेजस्वी सूर्या का यह बयान कि लोगों को सामाजिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण के दौरान जानकारी नहीं देनी चाहिए और उसका बहिष्कार करना चाहिए, सही नहीं है। केंद्र सरकार 2026 में जनसंख्या और जाति जनगणना कराएगी। उस समय क्या यह उचित होगा कि उन्हें केंद्र सरकार की जनगणना में भाग न लेने के लिए कहा जाए? शैक्षिक और सामाजिक सर्वेक्षण में ऐसा क्या है जिसका दुरुपयोग किया जा सकता है? सर्वेक्षण लोगों की स्थिति जानने के लिए किया जा रहा है। उसमें भी बाधा डाली जा रही है।

उन्होंने सवाल किया कि अगर तथ्यात्मक जानकारी ही उपलब्ध नहीं होगी, तो जन कल्याणकारी कार्यक्रम कैसे बनाए जा सकते हैं। सर्वेक्षण निर्धारित समय के भीतर पूरा किया जाएगा। उदाहरण के लिए, तुमकुरु जिले में 7 लाख परिवार हैं। 2 लाख परिवारों का सर्वेक्षण पहले ही पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि शेष अवधि में लंबित घरों का सर्वेक्षण पूरा कर लिया जाएगा। निगम-मंडलों की नियुक्ति में कोई भ्रम नहीं है और मुख्यमंत्री का नियंत्रण ढीला नहीं पड़ रहा है। पार्टी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के बीच विचार-विमर्श और आलाकमान के ध्यान में लाने के बाद यह नियुक्ति की जा रही है। जब मैं पहले अध्यक्ष था, तब भी यही स्थिति थी। आलाकमान को सूची सौंपकर अनुमोदन प्राप्त करने और फिर नियुक्ति प्राप्त करने की कोई प्रथा नहीं है। निगम मंडलों के निदेशकों की नियुक्ति के लिए उनकी अध्यक्षता में 11 सदस्यीय समिति बनाई गई थी। हमने सूची दे दी है। उन्होंने कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया को जोड़कर और हटाकर किया जा रहा है। उन्हें मंत्री जमीर अहमद खान के उस बयान की जानकारी नहीं है जिसमें उन्होंने कहा था कि 50 प्रतिशत मंत्री बदले जा रहे हैं। मंत्रिमंडल का मुद्दा मुख्यमंत्री और आलाकमान के विवेक पर छोड़ दिया गया है। उन्हें पिछले ढाई वर्षों में हुए बदलाव की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि आलाकमान सहित किसी ने भी उनके साथ इस मुद्दे पर चर्चा नहीं की है। हमने तुमकुरु का विस्तार करने और ग्रेटर तुमकुरु बनाने पर चर्चा की है। उन्होंने कहा कि उन्हें बेंगलूरु दक्षिण जिले में कुनिगल तालुका को शामिल करने की जानकारी नहीं है।

अगर सरकार में थोड़ी भी गरिमा बची है तो तुरंत इस्तीफा दें: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को चुनौती दी है कि अगर उनमें जरा भी गरिमा बची है तो वे तुरंत इस्तीफा दे दें। कर्नाटक कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन ने कांग्रेस के भ्रष्टाचार का पर्दाफाश किया है। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए कहा कि जब वे विपक्ष में थे, तब मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने 40 प्रतिशत कमीशनखोरी का आरोप लगाया था। अब ठेकेदारों ने खुलासा किया है कि उनकी सरकार ने अपना कमीशन दोगुना कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि कर्नाटक में 80 प्रतिशत कमीशनखोरी की सरकार है। कर्नाटक कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन ने सवाल किया है कि पत्र में नामित मंत्री आरोपों का खंडन करने के लिए आगे क्यों नहीं आए? जब राज्य की प्रतिष्ठा पर कीचड़ उछाला जा रहा है, तो मुख्यमंत्री चुप क्यों हैं? बिदादी टाउनशिप जैसी परियोजनाओं का इस्तेमाल अवैध रियल एस्टेट सौदों और किसानों की उपजाऊ जमीन के अधिग्रहण के लिए क्यों किया जा रहा है? यह विश्वासघात की पराकाष्ठा है। पारदर्शिता के बजाय, कांग्रेस ने उत्पीड़न, लूट और पिछले दरवाजे से भ्रष्टाचार दिया है। अशोक ने सरकार को चेतावनी दी है कि कर्नाटक अब इस भ्रष्ट कांग्रेसी शासन को बर्दाश्त नहीं कर सकता।

कल्याण कर्नाटक बाढ़: सीएम सिद्धरामैया ने हवाई सर्वेक्षण किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

महाराष्ट्र में भारी बारिश के कारण उत्तरी कर्नाटक के 6-7 जिलों में बाढ़ आ गई है, जिससे भारी नुकसान हुआ है। राहत कार्य में मुश्किलें आ रही हैं। बेलगावी, बीदर, कलबुर्गी, यादगीर, विजयपुरा, बागलकोट जैसे सीमावर्ती जिलों में जलभराव के कारण जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। सड़क संपर्क टूट गया है, गाँवों में पानी भर गया है। कस्बे झीलों जैसे हो गए हैं और 50,000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया है। घरों में रोजमर्रा का अनाज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पानी से खराब हो गए हैं।

पिछले चार-पाँच दिनों से बाढ़ जारी है। भीमा नदी घाटी में लोग संघर्ष कर रहे हैं। इसके अलावा, लगातार बारिश ने राहत कार्य को मुश्किल बना दिया है। बाढ़ में फसलें बह गई हैं। कुछ जगहों पर पानी रुक गया है और सड़ने लगा है। सड़क पुल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जिला प्रशासन पुनर्वास केंद्र खोल रहा है और लोगों को पानी, भोजन और चिकित्सा सहायता प्रदान कर रहा है। स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टियां कर दी गई हैं। महाराष्ट्र के जलाशयों से लाखों क्यूसेक पानी छोड़े जाने के कारण बाढ़ की स्थिति और गंभीर हो गई है।

लोगों और पशुओं की जान बचाने के लिए एक चुनौतीपूर्ण स्थिति पैदा हो गई है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मंगलवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया और दोपहर में कलबुर्गी में यादगीर, विजयपुरा, कलबुर्गी और बीदर जिलों के जिला प्रशासन के साथ प्रगति समीक्षा बैठक करेंगे। राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा, ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे, बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एम.बी. पाटिल और कई अन्य मंत्री हवाई सर्वेक्षण में मौजूद थे। राज्य सरकार ने स्वयं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित प्रतिक्रिया दी है और लोग और अधिक मदद की गुहार लगा रहे हैं। नेताओं में इस बात पर असंतोष सुनने को मिल रहा है कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा अचानक अतिरिक्त पानी छोड़े जाने के कारण कर्नाटक में समस्याएँ पैदा हो रही हैं।

बाढ़ राहत उपायों को युद्ध स्तर पर करे सरकार: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने राज्य सरकार से उत्तरी कर्नाटक में बाढ़ की स्थिति को हल्के में न लेने, बल्कि युद्धस्तर पर राहत उपाय करने और उचित राहत की घोषणा करने का आग्रह किया। एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि कर्नाटक में अच्छी बारिश हुई है और कई जलाशय उम्मीद से ज्यादा भर गए हैं। किसान भी खुश हैं। हालाँकि, राज्य के कई हिस्सों में बाढ़ आ गई है। उन्होंने कहा कि कल्याण, कर्नाटक और बेलगावी में बाढ़ आई है। उन्होंने बाढ़ प्रभावित 6 जिलों के जिला कलेक्टरों से बात की और जानकारी प्राप्त की कि प्रत्येक जिले में एक लाख हेक्टेयर फसलें बर्बाद हो गई हैं। पानी से घर भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं। उन्होंने कहा कि 12 गौशालाओं के जलमग्न होने की जानकारी है। उन्होंने राज्य सरकार पर महाराष्ट्र से बहकर आए 4.50 लाख क्यूसेक पानी से हुई व्यापक आपदा और संकट के बावजूद प्रभावित लोगों से मिलने न जाने का आर-ोप लगाया। कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के कई जिले पिछले दस सालों से बाढ़ की मार

झेल रहे हैं, कोई राहत उपाय नहीं किए गए हैं, किसानों को उचित ऋण नहीं मिल रहा है। दो दिन पहले मैं बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने की योजना बना रहा था। अधिकारियों ने खराब मौसम के कारण मना कर दिया। मैंने उनसे कहा कि वे पीड़ित किसानों को तुरंत राहत पहुँचाएँ। बाढ़ प्रभावित इलाकों में मंत्रियों को एसी कमरों से भेजें। क्या वे महाराष्ट्र में चेकडैम बना रहे हैं, पानी रोक रहे हैं और अब अचानक छोड़ रहे हैं? उन्होंने मंत्री एम.बी. पाटिल पर यह जानते हुए भी चुप बैठने का आर-ोप लगाया। कांग्रेस के नेता अब कहाँ गए? क्या वे पदयात्रा पर नहीं गए? उन्होंने सवाल उठाया और कहा कि वे राज्य के विकास के मामले में केंद्र सरकार के साथ संतुलन नहीं बना पा रहे हैं। डेढ़ साल में मुझसे कोई नहीं मिला। वे बस आए और चले गए। इसके बजाय केंद्र सरकार से बात करें। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार कम बारिश और फसल सुरक्षा के अभाव के कारण चिक्कमगलूरु सहित मलनाड क्षेत्र में फसल क्षति और बारिश से हुए नुकसान का मुआवजा नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि अगर मुझे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ न होतीं, तो मैं बाढ़ प्रभावित इलाके में एक हफ्ते तक डेरा डाले रहता। केंद्र सरकार से बार-बार टकराव न करें। अगर आप सही तरीके से और विश्वास के साथ मदद माँगेंगे, तो आपको मदद जरूर मिलेगी। अभी तक केंद्रीय मंत्री से किसी ने मुलाकात नहीं की है।

उन्होंने आलोचना की कि राज्य में अनावश्यक मुद्दों पर बहुत ज्यादा चर्चा हो रही है। मुख्यमंत्री ने शहर का दौरा किया है क्योंकि बेंगलूरु के प्रभारी मंत्री बहुत व्यस्त हैं। कुमारस्वामी ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि अगर मुख्यमंत्री बंद किए गए गड्ढ`को देखकर आगे बढ़ रहे होते, तो वे पीछे बिछाए गए तारकोल को उखाड़ रहे होते। दशहरा उत्सव के नाम पर बस किराए में वृद्धि की गई है। उन्होंने निजी बसों के किराए से प्रतिस्पर्धा में बस किराए में वृद्धि करने का आरोप लगाया। यह सच है कि 5 टाउनशिप बनाने का निर्णय 2006 में लिया गया था। उन्होंने उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को जवाब देते हुए कहा बिदादी टाउनशिप के बारे में कांग्रेस नेताओं द्वारा बनाई गई तथ्य-खोज समिति की रिपोर्ट देखिए। बिदादी के पास जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया मैंने नहीं की। 2-3 हजार एकड़ जमीन का क्या हाल है? इस व्यवस्था में आपने जो कर्म किए हैं, उन्हें धोया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की संपत्ति की लूट रोकने के लिए लोगों को 5 साल के लिए सत्ता दी जानी चाहिए। उपमुख्यमंत्री पूरे मन से कहें कि शांतिनगर हाउसिंग सोसाइटी और एनटीआई मामलों से जुड़े सभी दस्तावेज मेरे पास हैं। हालाँकि मेरे कार्यकाल में बेंगलूरु में 59 सड़कों का निर्माण हुआ, लेकिन उन्हें प्रचार नहीं मिला। सिद्धरामैया, उन लोगों का कर्ज चुकाएँ जिन्होंने आपको जिताया। जाति जनगणना सभी को नहीं बचा पाएगी। आप राजनीति के लिए ऐसा कर रहे हैं। गरीबों की मदद के लिए आइए।

सर्वेक्षण के जरिए गारंटी रोकने की सरकारी साजिश: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने सरकार पर एक बार फिर गंभीर आरोप लगाया है कि गारंटी में कटौती का एकमात्र उद्देश्य राज्य भर में पिछड़ा वर्ग के लिए स्थायी आयोग द्वारा किए जा रहे सामाजिक और शैक्षिक कार्यों को रोकना है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा मैं अपने पिछले बयान पर कायम हूँ। उन्होंने शैक्षिक और सामाजिक सर्वेक्षणों के जरिए गारंटी रोकने की साजिश रची है। आने वाले दिनों में लोगों को इसके बारे में पता चल जाएगा। अदालत ने कहा कि वे लोगों को जानकारी लेने के लिए मजबूर नहीं कर सकते। लेकिन वे लोगों की निजी जानकारी इकट्ठा कर रहे हैं। जैसा कि अदालत ने कहा, सर्वेक्षण नहीं किया जा रहा है। यह सिद्धरामैया का सर्वेक्षण है। उन्होंने

उन पर गारंटी कम करने के लिए सर्वेक्षण करने का आरोप लगाया। आपने किस उद्देश्य से पखवाड़ा तय किया है? उन्होंने बिना प्रशिक्षण दिए ही सर्वेक्षण के लिए गणनाकर्ताओं को भेज दिया है। क्या पंद्रह दिनों में कोई तबाही मच जाएगी? वे पहले से ही केंद्रीय जनगणना को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। वे जातियों और जातियों के बीच भ्रम पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह दुर्भावनापूर्ण इरादे, स्वार्थ और द्वेष से प्रेरित सर्वेक्षण है। कई जाति समुदायों ने इस सर्वेक्षण को अवैज्ञानिक बताया है। यह लोगों पर निर्भर है कि वे सर्वेक्षण में भाग लें या नहीं। अदालत ने भी कहा है कि यह अनिवार्य नहीं है। केंद्र सरकार संविधान के अनुसार जाति जनगणना कर रही है। लेकिन राज्य सरकार संविधान के अनुसार ऐसा नहीं कर रही है। तेजस्वी सूर्या ने अपना निजी बयान दिया है। अदालत के अनुसार, आप चाहें तो जानकारी दे सकते हैं या नहीं। व्यक्तिगत जानकारी देना लोगों का फैसला है। अगर आप सारी जानकारी दे देंगे, तो सरकारी सुविधाओं से समझौता हो सकता है। सिद्धरामैया का ब्रांड जाति-विभाजन का है। 15 दिनों में सर्वेक्षण करने की इतनी जल्दी क्यों है? क्या मुख्यमंत्री 15 दिनों में चले जाएँगे? वह बिना प्रशिक्षण के सर्वेक्षण करने जा रहे हैं। यह अच्छी बात है कि मुख्यमंत्री बाढ़ प्रभावित इलाकों में जा रहे हैं। लेकिन हवाई सर्वेक्षण क्यों? मुख्यमंत्री सड़क पर क्यों नहीं जा रहे हैं? क्या मुख्यमंत्री दिल्ली से आ रहे हैं या मुंबई से? सड़कों पर गड्ढे हैं, इसीलिए मुख्यमंत्री हवाई मार्ग से बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा नहीं कर रहे हैं। वे हवाई सर्वेक्षण कर रहे हैं, इस डर से कि अगर वे सड़क मार्ग से गए, तो लोग पत्थर फेंकेंगे। सरकार को सैन्य स्तर पर बाढ़ राहत कार्य करना चाहिए था। मंत्रियों और अधिकारियों की एक टीम बनाकर भेजनी चाहिए थी। लेकिन अभी तक एक भी मंत्री ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा नहीं किया है। लोग सवाल कर रहे हैं कि यह कौन सी सरकार है। उन्होंने शिकायत की कि सरकार बाढ़ की स्थिति को संभालने में विफल रही है। मंत्रिमंडल फेरबदल पर मंत्री जमीर अहमद के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए अशोक ने कहा कि यह एक अनिर्णायक सरकार है जो बिना किसी रणनीति के चल रही है। जमीर का बयान अक्टूबर क्रांति का संकेत है। एक-एक करके वे बयान दे रहे हैं। अक्टूबर क्रांति निश्चित है। वे क्रांति की बात करने वाले हैं। राजन्ना को बर्खास्त कर दिया गया। कुल मिलाकर, अक्टूबर क्रांति निश्चित है।

बेंगलूरु मंडल द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत, दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल के चिकित्सा विभाग द्वारा अनुग्रह सामुदायिक केंद्र में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन आशुतोष कुमार सिंह, मंडल रेल प्रबंधक ने किया, जिन्होंने उप-स्थित लोगों को संबोधित किया और स्वैच्छिक रक्तदान की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि एक रक्तदाता का एक यूनिट रक्त तीन लोगों की जान बचा सकता है। डॉ. प्रभावती गजलक्ष्मी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, मंडल रेलवे अस्पताल ने अपने संबोधन में स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व, इसकी अनुशंसित आवधिकता, दानकर्ताओं के लिए पात्रता मानदंड और इससे दानकर्ता और समाज दोनों को होने वाले लाभों पर प्रकाश डाला। लुईस अमुइथन, डीआईजी, रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पश्चिम रेलवे, श्रेयांस चिंचवाड़े, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त (आरपीएफ), डॉ. सिद्दप्पा दिन्दावर और डॉ. विश्वनाथ, दोनों अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, केशवुलु, सहायक कार्मिक अधिकारी सहित बेंगलूरु मंडल के अन्य चिकित्सा अधिकारी और कर्मचारी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

आरपीएफ, चिकित्सा, कार्मिक और अन्य विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों सहित 50 से अधिक स्वयंसेवकों ने शिविर के दौरान रक्तदान किया।

सड़क हादसे में युवक की मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के उचिला में राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर मंगलवार को एक अज्ञात वाहन ने एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक, जिसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है, पुत्तूर में पंजीकृत बाइक पर सवार था और उडुपी से मेंगलूरु की ओर जा रहा था, तभी यह टक्कर हुई। भीषण

टक्कर के कारण, सवार सड़क पर गिर गया और उसे गंभीर चोटें आईं। सामाजिक कार्यकर्ता जमालुद्दीन उचिला, मुलूर के हामिद, रईस, रजाक, अनवर कोटेश्वर और सादिक पदुबिद्री ने शव को शवगृह ले जाने में मदद की। पदुबिद्री पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और मामले की जाँच कर रही है।

भाजपा प्रवक्ता द्वारा राहुल गांधी के सीने में गोली मारने का बयान एक बड़ी साजिश: हरिप्रसाद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वरिष्ठ कांग्रेसी और विधान परिषद सदस्य बी.के. हरिप्रसाद ने मंगलवार को कहा कि भाजपा प्रवक्ता द्वारा राहुल गांधी के सीने में गोली मारने का बयान कोई गलती नहीं बल्कि एक बड़ी साजिश का संकेत है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस पर अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि सत्य, शांति, सद्भाव, न्याय और नैतिकता के प्रतीक महात्मा गांधी की गोली मारकर हत्या करने वालों के वंशजों ने आज घोषणा की है कि वे विपक्षी दल के नेता राहुल गांधी के सीने में गोली मारकर हत्या कर देंगे। उन्होंने कहा कि यह भाजपा की हत्यारी संस्कृति के मुखौटे का आईना है। देश के करोड़ों लोगों के न्याय के

लिए लड़ रहे राहुल गांधी को भाजपा नेता पहले ही धमकी दे रहे हैं।

हरिप्रसाद ने चिंता व्यक्त की कि पार्टी प्रवक्ता द्वारा अब एक निजी समाचार चैनल पर यह बयान देना कि अगर राहुल गांधी भाजपा के खिलाफ खुलकर बोलेंगे तो वे उन्हें गोली मार देंगे, राहुल गांधी के खिलाफ एक गंभीर साजिश का संकेत है। संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए अडिग रहने वाले राहुल गांधी की हत्या के लिए भाजपा नेताओं द्वारा उकसाया जाना उनके शब्दों की गलती नहीं है, बल्कि भाजपा की मंशा उजागर हुई है। उन्होंने कहा कि देश के हर नेता को ऐसी धमकी की निंदा करनी चाहिए। देश में विपक्षी दलों के नेताओं की खुलेआम गोली मारकर हत्या करने का भाजपा का फैसला घृणित राजनीति की पराकाष्ठा है। उन्होंने मांग की कि भाजपा पार्टी हत्या वाला बयान देने वाले प्रवक्ता को तुरंत पार्टी से निष्कासित करे और देश की जनता से माफी मांगे।

कर्मों की निर्जरा करने वाले ही होते हैं सिद्ध पुरुष: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि नव पद की आराधना का पवन पर्व चल रहा हैं। देव पद, गुरु पद और धर्म पद होता है। सभी सिद्ध भगवती का नमन और जप कर रहे हैं। जिन्होने कर्मों को सिद्ध कर लिया वही सिद्ध हैं। जिनका हर काम हो गया और कोई शेष काम नहीं बचा है वहीं सिद्ध होते है। जिनमें मोह, माया, लोभ नहीं वही सिद्ध होते हैं। सिद्ध होने वाले जीवन को तार लेते हैं। ऐसे सिद्ध लोगों ने अपने कर्मों को खपाया है। उनके सभी कार्य सिद्ध हुए हैं। ऐसे सिद्ध भगवान को नमन कर जीवन को सुधार लेना चाहिए। जिनके कर्म खत्म होते हैं। संसार सम्बन्धी कोई विडंबना नहीं होती है, वही

सिद्ध भगवान कहलाते हैं। धर्म सम्बन्धी विचार और जिज्ञासा अगर मन में आए तो उसका समाधान भी मिल जाता है। जब लोगों के मन में धर्म की बात ही नहीं आएगी तो समाधान कहां से मिलेगा। कुछ बातों में थोड़ा धैर्य भी रखना चाहिए। धर्म के काम में धैर्य रखना बहुत जरूरी है। अगर हड़बड़ी करोगे तो कुछ हासिल नहीं होगा। धैर्य रखने वाला जीवन को बदल लेता है। स्नान सही से करोगे तो आधा बाल्टी भी पानी बहुत है। अगर सही से नहीं किया तो बीस बाल्टी भी कम है। वैसे ही गुरु के सामने बैठे हैं तो धैर्य रखें। भगवान का भजन करना है तो शांति रखें। जो वीर और महापुरुष हैं उन्होंने कभी भी किसी चीज को लेकर जल्दबाजी नहीं दिखाई। गुरु चरणों में भी गए तो शांति से सुना और आत्मसात किया। गुरुदेव ने फरमाया कि जब मन दुखी हो और चारों तरफ अंधेरा हो तो मनुष्य को सिद्धा शरणम् गच्छामि बोलना चाहिए। सुख में मानव भगवान को याद नहीं करता है। दुख आता है तो भगवान को याद करता है।

लेकिन याद रखो भगवान का नाम हर वक्त लेना चाहिए। जो भी करना दिल से करना। सिर्फ होठ से नहीं दिल से याद करो। ऐसा करोगे तो सब अपने आप सही हो जाएगा। जीभ का स्वाद जितना बहुत ही कठिन होता है। जो जीभ और मन पर नियंत्रण कर लेता है वहीं सिद्ध होता है। सिद्ध भगवान में न कर्म है ना मान है न मोह है न माया है।

सिद्ध भगवान की जाप करो। भगवान को भूल कर सुख पाना भी किसी काम की नहीं होती है। इसी बीच महा तपस्वी सुमति प्रकाश जी की जन्म जयंती मनाई है। गुरुदेव ने फरमाया कि उनका जीवन बहुत अलग था। वे बहुत ही स्पष्ट वक्ता थे। उनके नजर में सब एक समान दे। उन्होंने 45 साल तक आयम्बिल का वर्षीतप किया था। इतने साल तक आयंबिल करना आसान नहीं होता है। वे त्यागी और तपस्वी थे और उन्होंने त्याग कर जीवन को बदला। उनके जीवन से त्याग तपस्या की भावना को अपने जीवन में उतार कर कल्याण करना चाहिए। सभा में चेन्नई से आनंदराज मरलेचा सपरिवार उप-स्थित थे। कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़ ने आभार व्यक्त किया। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन करते हुए बताया कि 2 अक्टूबर को आचार्य सम्राट 1008 भूधर जी महाराज साहब की जन्म जयंती एवं स्मृति दिवस मनाई जाएगी। उसी दिन विजयादशमी महापर्व भी मनाई जाएगी।

जरूरतमंद बच्चों में राशन और दैनिक उपयोग में आने वाली चीजों का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ कर्नाटक बेंगलूरु की युवा शाखा श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल युवा संगठन द्वारा 64वें मासिक मानव सेवा कार्यक्रम का आयोजन सुमंगली सेवा आश्रम आर.टी. नगर में किया गया। कार्यक्रम की मंगलाचरण से शुरुआत करते हुए युवा अध्यक्ष प्रकाश बाबेल ने कार्यक्रम में पधारे हुए सभी साथियों का स्वागत किया। इस मानव सेवा के सहयोगी शांतिलाल, प्रकाश, प्रदीप, लोकेश बाबेल परिवार विजयनगर मेवाड़ में कुंदवा निवासी रहे। संगठन द्वारा जरूरतमंद बच्चों को प्रातः कालीन नाश्ता, पाठ्य सामग्री, दैनिक उपयोग में आने वाली चीजें और राशन का वितरण किया गया। संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रमुख मार्गदर्शक शांतिलाल बाबेल ने युवा संगठन द्वारा निरंतर किए जा

रहे मानव सेवा एवं गौ सेवा की सराहना की। युवा उपाध्यक्ष अरिहंत कावड़िया ने प्रायोजक परिवार का सम्मान किया। युवा मंत्री मनीष टुकलिया ने कार्यक्रम का सुंदर संचालन किया। मानव सेवा प्रभारी दिलीप हिरण का कार्यक्रम को सफल बनाने में अमूल्य सहयोग रहा। संगठन मंत्री संदीप चौधरी ने प्रायोजक परिवार एवं सभी साथियों का आभार ज्ञापित किया। इस मौके पर निवर्तमान युवा अध्यक्ष राकेश संचेती, युवा कोषाध्यक्ष राजेश बाफना, सांस्कृतिक प्रभारी मनोज टुकलिया, किशोर मंडल प्रभारी प्रवीण कक्कड़ एवं युवा साथी उप-स्थित थे। आश्रम की संचालिका सुशीला मां ने युवा संगठन के इस सहयोग और सेवा कार्य की सराहना करते हुए भविष्य में भी मदद की अपेक्षा की। यह जानकारी प्रचार प्रसार मंत्री नरेश कोठारी ने दी।

सरकारी डिग्री कॉलेजों में पाठ्यक्रम पूरा किए बिना परीक्षा आयोजित करने के खिलाफ प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय लोकतांत्रिक छात्र संगठन (एआईडीएसओ) के बैनर तले छात्रों ने सोमवार को मैसूरु के पुराने उपायुक्त कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया और मांग की कि सरकारी डिग्री कॉलेजों में सेमेस्टर परीक्षाएँ तब तक स्थगित की जाएँ जब तक अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति और पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए कक्षाएं संचालित नहीं हो जातीं। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए, कार्यकर्ता उग्रा नरसिम्हे गौड़ा ने कर्नाटक सरकार से छात्रों के शैक्षिक हितों के समर्थन में स्पष्ट रुख अपनाने का आग्रह किया। छात्रों ने कक्षाओं के अभाव के बावजूद परीक्षा समय-सारिणी और परीक्षा शुल्क परिपत्र जारी करने के लिए विश्वविद्यालयों की निंदा की। एक छात्र ने कहा इससे

यह सवाल उठता है कि क्या सरकारी विश्वविद्यालय केवल निजी डिग्री कॉलेजों के लिए ही हैं। इसलिए, हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

एआईडीएसओ की जिला अध्यक्ष चंद्रकला ने बताया कि कर्नाटक भर के सरकारी डिग्री कॉलेज अतिथि व्याख्याताओं पर बहुत अधिक निर्भर हैं। हालाँकि, अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति में देरी हो रही है, जिससे छात्र चिंतित हैं। उन्होंने कहा पहली आंतरिक परीक्षाएँ अक्टूबर में निर्धारित हैं, लेकिन कक्षाएं अभी तक शुरू भी नहीं हुई हैं। इससे छात्रों का शैक्षणिक भविष्य खतरे में पड़ गया है। प्रदर्शनकारियों ने धरना स्थल पर आए विश्वविद्यालय के अधिकारियों की भी 'उदासीन' प्रतिक्रिया की आलोचना की। एक छात्र ने कहा, 'हजारों छात्र अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं, लेकिन यूँ ही 'हम चर्चा करेंगे' कहना अस्वीकार्य है। एआईडीएसओ के जिला सचिव नितिन और छात्र नेता प्रदर्शन के दौरान मौजूद थे।

दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज की वार्षिक आम सभा आयोजित

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण भारत की प्रसिद्ध समाजसेवी संस्था दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज (प) की वार्षिक आम सभा चेन्नई में तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध और तेलांगना आदि राज्यों के सदस्यों की उपस्थिति में संपन्न हुई। सभा का प्रारंभ दीप प्रज्वलन, अध्यक्ष डाक्टर मित्तल, चेन्नई सभा और समाज अध्यक्ष विजय गोयल तथा मुरारीलाल संथालिया, संरक्षक सजन कुमार रूंगटा द्वारा गणेश वंदना और अध्यक्ष द्वारा स्वागत से हुआ।

गत वार्षिक आम सभा की रिपोर्ट पारित की गई। कोषाध्यक्ष अरुण सुल्तानिया ने 2024-25 का लेखा जोखा पेश किया। जिसे करतल ध्वनि से पारित किया गया।

सचिव श्याम चौधरी ने 24-25 की गतिविधियों की रिपोर्ट

पढ़ी जिसे भी करतल ध्वनि से पारित किया गया। दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज की आगामी गतिविधियों के विषय में अध्यक्ष डॉ. मित्तल ने विस्तृत जानकारी देते हुए अन्नपूर्णा अन्नदान योजना प्रारंभ करने की घोषणा की। साथ ही सुदर्शन गुप्ता तथा कमलेश गुप्ता को संयोजक नियुक्त किया। विवाह संबंध के विषय में प्रति पखवाड़े में सूची वेबसाइट द्वारा प्रकाशित कर सभी समाजों को जोड़ते हुए गहन कार्य करने की घोषणा की। महेश अग्रवाल हैदराबाद को समाज सह सचिव घोषित करते हुए समिति में जोड़ने की घोषणा की। शिक्षा क्षेत्र में मनीष गोयनका द्वारा कौशल विकास तथा रोजगार योजना की घोषणा की गई। विद्यालयों में डिजिटल क्लास रूम की आवश्यकता बताते हुए सभी समाजों द्वारा अपने क्षेत्रों में विद्यालय चयन और उनमें स्मार्ट टेलीविजन देने का आग्रह करते हुए इंफोसिस द्वारा सभी सॉफ्टवेयर तथा तकनीकी जानकारी देने की घोषणा की गई। आने वाले वर्ष में मेधावी छात्रों का सम्मान तथा प्रति वर्ष पांच विशिष्ट अग्र बंधुओं हेतु दक्षिण भारतीय अग्र रत्न सम्मान की घोषणा की गई। पंजीकृत कार्यालय को इरोड से परिवर्तित कर चेन्नई करने का निर्णय सर्व सम्मति से पारित हुआ।

संस्थापक सज्जन रूंगटा, चेन्नई अग्रवाल सभा अध्यक्ष विजय गोयल, चेन्नई अग्रवाल समाज अध्यक्ष मुरारीलाल संथालिया, होसपेट अग्रवाल समाज अध्यक्ष श्याम चौधरी, मैसूरु समाज अध्यक्ष डॉ. श्रीकृष्ण मित्तल, अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा तेलांगना अध्यक्ष महेश अग्रवाल, चेन्नई सभा चयनित अध्यक्ष सीताराम गोयल तथा विशिष्ट कार्य हेतु अरुण सुल्तानिया का सम्मान किया गया।

सैफुद्दीन हत्याकांड मामले में तीन और गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी और मेंगलूरु जिलों में परिवहन सेवाएँ प्रदान करने वाले एकेएमएस निजी बस मालिक सैफुद्दीन उर्फ सैफ (52) की हत्या की जाँच आगे बढ़ रही है। जिला पुलिस अधीक्षक हरिराम शंकर ने बताया कि इससे पहले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था और अब तीन अन्य को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। जांच के दौरान, यह पता चला कि गिरफ्तार किए गए लोगों में, मेंगलूरु निवासी मोहम्मद शरीफ (37) और अब्दुल शुकुर (43) भी हाल ही में मारे गए सैफुद्दीन के साथ, हिरियाडका थाना क्षेत्र में 2020 में हुई वशिष्ठ

की हत्या के मुख्य आरोपी थे। तीसरा आरोपी, मोहम्मद फैजल खान (27), सैफुद्दीन से घनिष्ठ रूप से जुड़ा था, उसके सभी बस संचालन का प्रबंधन करता था और उसका विश्वसनीय सहयोगी के रूप में काम करता था। एसपी शंकर ने बताया कि हत्या से पहले, फैजल खान सैफुद्दीन को मणिपाल स्थित उसके घर से कोडवूर स्थित उसके दूसरे घर तक कार से ले गया था। उनके साथ दो अन्य आरोपी भी थे। प्रारंभिक जाँच से पता चला है कि जैसे ही सैफुद्दीन सलमार नागबाना के पास एक घर में दाखिल हुआ, तीनों ने उस पर रॉड और तलवारों से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सैफुद्दीन, जो बसों का मालिक था, उडुपी और हिरियाडका पुलिस थानों में एक गुंडागर्दी करने वाले अपराधी के रूप में भी सूचीबद्ध था, और उसके खिलाफ दो हत्याओं सहित 18 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस इस बात की जाँच कर रही है कि क्या तीनों ने निजी दुश्मनी के कारण उसकी हत्या की या किसी और के उकसावे पर। एसपी ने आगे बताया कि सैफुद्दीन को एक घर से दूसरे घर ले जाया गया और आरोपी पहले से ही उसके मणिपाल स्थित आवास पर उसका इंतजार कर रहे थे। इससे संकेत मिलता है कि हत्या अचानक गुस्से में आकर की गई कार्रवाई नहीं थी, बल्कि एक पूर्व-नियोजित अपराध था। यह पता लगाने के लिए भी जाँच चल रही है कि क्या आरोपियों को वित्तीय सहायता मिली थी या उन्हें हमले के लिए दूसरों ने भाड़े पर लिया था। एसपी ने आगाह किया कि निहित स्वार्थी तत्व सोशल मीडिया पर हत्या के बारे में असत्यापित जानकारी फैला रहे हैं, जिससे सांप्रदायिक सद्भाव बिगड़ सकता है। उन्होंने जनता से अफवाहों पर विश्वास न करने या न फैलाने का आग्रह किया तथा आश्वासन दिया कि पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

कर्नाटक सरकार ने नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को आयु सीमा में 3 वर्ष की छूट दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को बड़ी राहत देते हुए, राज्य सरकार ने सोमवार को सिविल सेवा पदों पर सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा में तीन साल की छूट की घोषणा की और इसे दशहरा का बंपर तोहफा बताया। सरकार द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि यह छूट विभिन्न राज्य विभागों के माध्यम से आयोजित सीधी भर्ती के लिए सभी श्रेणियों के उम्मीदवारों पर एक बार लागू होगी।

हाल ही में, प्रतियोगी परीक्षा के उम्मीदवारों और छात्र संगठनों ने धारवाड़ में विरोध प्रदर्शन किया

था और सरकार पर दबाव बनाते हुए पीएसआई और कांस्टेबल पदों के लिए आयु सीमा में पाँच साल की छूट और भर्ती आदेश की मांग की थी। इस महीने की शुरुआत में, 6 सितंबर को, राज्य ने सिविल पदों पर सीधी भर्ती के लिए दो साल की छूट की घोषणा की थी। नवीनतम आदेश के साथ, अब यह छूट तीन साल तक बढ़ा दी गई है। सरकार द्वारा जारी सीधी भर्ती अधिसूचनाओं के लिए आयु सीमा में यह छूट 31 दिसंबर, 2027 तक सभी श्रेणियों के उम्मीदवारों पर लागू होगी।

कटगनहल्ली में सजा माता का दरबार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु उत्तर में यलहंका के कट्टगनहल्ली में चल रहे नवरात्रि महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग ले रहे हैं। सोमवार को नवरात्रि के सप्तमी पर माता रानी की आंखों की पट्टी खोली गई और पूरे विधि विधान से पंडित डॉ. प्रशांत झा और डॉ. विवेक झा. ने माता रानी की मूर्ति स्थापित की। विधायक और कर्नाटक के राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने दुर्गा पंडाल में पहुंचकर माता रानी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर नवदुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष कमलेश सिंह, उपाध्यक्ष श्रीपाल सिंह राणा, मंत्री अनिलकुमार, संयोजक बीके सिंह, यजमान गणपति ठाकुर आदि ने मंत्री का स्वागत कर उनका सम्मान किया। 1 अक्टूबर को महाभोग, हवन होगा। 2 अक्टूबर को दोपहर में विजय दशमी मनाते हुए विसर्जन यात्रा निकाली जाएगी।

सोने की चेन छीनने के आरोप में महिला गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। पुलिस ने एक त्वरित कार्रवाई में एक महिला को गिरफ्तार किया, जिसने 26 सितंबर की रात श्री मूकाम्बिका मंदिर में एक श्रद्धालु से 2.5 लाख रुपये मूल्य की सोने की चेन चुरा ली थी। आरोपी की पहचान तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले की यादवा दुर्गम्मा के रूप में हुई है। घटना के 24 घंटे के भीतर, पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और अपनी त्वरित कार्रवाई के लिए जनता की सराहना अर्जित की। तीर्थयात्री देवीप्रिया ने कोल्लूर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी कि मंदिर में दर्शन के दौरान उनका बैग चोरी हो गया, जिसमें 3 सोने के सिक्के (लगभग 24 ग्राम) थे, जिसकी कीमत 2.5 लाख रुपये थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी सहायता से आरोपी का पता लगाया। चोरी हुए आभूषण बरामद कर असली मालिक को लौटा दिए गए, जबकि आरोपी को अदालत में पेश किया गया। यह अभियान पीएसआई एच डी कुलकर्णी और सर्कल इंस्पेक्टर नीलेश चौहान के मार्गदर्शन में, पीएसआई विनय एम कुर्लाहल्ली के नेतृत्व में, पीएसआई सुधारानी और पुलिस टीम के सहयोग से चलाया गया।

मालाप्रभा चीनी मिल चुनाव में मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के पैनल ने जीत हासिल की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर द्वारा समर्थित 'पुनरुद्धार पैनल' ने कर्नाटक के बेलगावी जिले में स्थित मालाप्रभा शुगर्स को-ऑपरेटिव सोसायटी (जिसे आधिकारिक तौर पर श्री मालाप्रभा सहकारी सक्कर कारखाना (उत्तर) के नाम से जाना जाता है) के निदेशक मंडल के चुनाव में जीत हासिल की है।

मंत्री के भाई, विधान परिषद सदस्य चन्नराज हट्टीहोली, इस पैनल के सदस्य हैं। हट्टीहोली सहित सभी 15 सदस्यों ने चुनाव जीता। मतदान 28 सितंबर को हुआ था। परिणाम सोमवार को घोषित किए गए। पैनल का समर्थन करने वाले अन्य महत्व-पूर्ण नेताओं में विधायक बाबासाहेब पाटिल और भाजपा नेता एवं विधायक

विट्ठल हलगेकर शामिल थे।

मंत्री ने बेलगावी में संवाददाताओं को बताया कि पैनल का उद्देश्य कारखाने का पुनरुद्धार करना है। एक समय में, मालाप्रभा चीनी कारखाना एशिया का नंबर एक कारखाना था। नया प्रबंधन बोर्ड कारखाने को फिर से शीर्ष पर ले जाएगा। उन्होंने कहा जिले की ज्यादातर चीनी मिलें कर्ज में डूबी हैं। मालाप्रभा शुगर्स पर 220 करोड़ रुपये का कर्ज है। हम न सिर्फ इसे चुकाएँगे, बल्कि सुधार और पुनरुद्धार भी करेंगे।

हम एक ऐसी व्यवस्था लागू करेंगे जिससे सभी किसानों का बकाया 15 दिनों में चुकाया जा सके। हम कर्मचारियों के हितों की भी रक्षा करेंगे। उन्होंने संकेत दिया कि हट्टीहोली को बोर्ड का अध्यक्ष चुना जा सकता है। हट्टीहोली ने कहा कि किसानों का कल्याण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। मुझे मिलों के प्रबंधन का अनुभव है और मैं पिछले 6-7 सालों से इस मिल का प्रबंधन कर रहा हूँ। हम इसे पुनर्जीवित करने और सभी बकाया चुकाने की पूरी कोशिश करेंगे।

पर्यटकों के लिए 40 पर्यटन स्थल खोलने की मांग

जम्मू, 30 सितंबर (ब्यूरो)।

पांच महीनों से पर्यटकों की राह ताक रहे जम्मू कश्मीर को ऑपरेशन सिंदूर और फिर बाढ़ ने जो जख्म दिए वे पहलगाम नरसंहार के जख्मों पर नमक की तरह थे। प्रदेश के वे लोग अभी तब इस त्रासदी से उबर नहीं पााए हैं जो पूरी तरह से पर्यटन पर निर्भर हैं।

कई महीनों से कश्मीर के कुछ सबसे पसंदीदा स्थल, जैसे अरु घाटी, पादशाही पार्क, दारा शिकोह गार्डन और कमान पोस्ट, खाली पड़े हैं। होटलों और हाउसबोटों में पर्यटकों की रिकार्ड कमी का सामना करना पड़ रहा है। शिकारा मालिक डल झील के घाटों पर बेकार बैठे हैं। इसका असर दूर-दूर तक महसूस किया जा रहा है। यह असर कारीगरों से लेकर टट्टू वालों तक पर है। पहलगाम नरसंहार के उपरांत लगभग 40 पर्यटन स्थलों के बंद होने से आर्थिक संकट और गहरा गया। चुनौतियां अभी भी गंभीर हैं। होटलों में बुकिंग 20 प्रतिशत से भी कम हो गई है, और पर्यटकों का आगमन बहुत कम हो गया है। ट्रैवल एजेंट मानते हैं कि जब ये पसंदीदा पर्यटन स्थल अभी भी बंद हैं, तो वे पर्यटकों को मना नहीं सकते। वे चेतावनी देते हैं कि बिना पहुंच के प्रचार काम नहीं करेगा। इसलिए सरकार को तेजी से कदम उठाने चाहिए, और अधिक सर्किट खोलने चाहिए, सुरक्षा और बुनियादी ढांचे में निवेश करना चाहिए, और ऐसे लक्षित अभियान शुरू करने चाहिए जो पर्यटकों को याद दिलाएं कि कश्मीर अभी भी भारतीय पर्यटन का मुकुट रत्न क्यों है।

ऐसे में विश्व पर्यटन दिवस पर, जम्मू कश्मीर प्रशासन ने केंद्र शासित प्रदेश के 12 प्रमुख पर्यटन स्थलों को फिर से खोलने की घोषणा करने के लिए एक उपयुक्त समय चुना था। यह एक ऐसा निर्णय था जो 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद से स्तब्ध पड़े उस क्षेत्र के लिए आशा की किरण जगाता है, जिसने न केवल लोगों की जान ली, बल्कि घाटी के पर्यटन जगत की धड़कन भी बंद कर दी थी।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा विस्तृत सुरक्षा समीक्षा के बाद पर्यटन स्थलों को फिर से खोलने की घोषणा, पुनरुद्धार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कश्मीर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री से लेकर होटल और ट्रैवल एसोसिएशन तक, सभी हितधारकों ने इस फैसले का स्वागत किया है, लेकिन जोर देकर कहा है कि यह तो बस शुरुआत है।

उनका तर्क सही है कि जब तक सभी पर्यटन स्थलों को फिर से नहीं खोला जाता और उनका सक्रिय रूप से प्रचार नहीं किया जाता, पर्यटक आने से कतराएंगे। नतीजतन, घाटी को 2022, 2023 और 2024 की रौनक वापस पाने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा, जब पर्यटकों की संख्या ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गई थी।

अगर 22 अप्रैल के नरसंहार के बाद की परिस्थितियों को देखें तो जो दांव पर लगा है वह राजस्व से कहीं ज्यादा है। कश्मीर में पर्यटन, होटल व्यवसायियों से लेकर फेरीवालों तक, और गाइडों से लेकर कारीगरों तक, आबादी के एक बड़े हिस्से का भरण-पोषण करता है। यह धारणा का भी मामला है। हर पर्यटक जो बर्फीली चोटियों, बगीचों और गर्मजोशी भरे आतिथ्य की यादें लेकर घर लौटता है, वह शांति और सामान्य स्थिति का दूत बन जाता है, और खुद को और दूसरों को फिर से लौटने के लिए प्रेरित करता है। इसलिए, इन स्थलों को फिर से खोलना एक नौकरशाही निर्णय से कहीं बढ़कर है। यह एक दावा है कि भय को घाटी के भविष्य को तय करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। ऐसे में अब कश्मीरियों को उम्मीद यही है कि पर्यटकों का आना-जाना फिर से शुरू होगा, जिससे आत्मविश्वास और आजीविका दोनों बहाल होंगे।

राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी ने विजय कुमार मल्होत्रा के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को यहां भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दिवंगत विजय कुमार मल्होत्रा के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति ने श्री मल्होत्रा के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की। श्री मल्होत्रा का मंगलवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 93 वर्ष के थे।

राष्ट्रपति सचिवालय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने वरिष्ठ नेता विजय कुमार मल्होत्रा के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने श्री मल्होत्रा के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी दिवंगत नेता के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को यहां भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दिवंगत विजय कुमार मल्होत्रा के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना भी व्यक्त की।

श्री मल्होत्रा का मंगलवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 93 वर्ष के थे।

प्रधानमंत्री ने श्री मल्होत्रा के योगदान को याद करते हुए कहा कि दिल्ली के विकास के लिए उनके प्रयासों को सदैव याद रखा जाएगा।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, स्वर्गीय श्री वी.के. मल्होत्रा जी के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके परिवार के प्रति भी संवेदना व्यक्त की। दिल्ली के विकास और हमारी पार्टी के सुशासन के एजेंडे को आगे बढ़ाने में उनके योगदान को सदैव याद रखा जाएगा।

इससे पहले प्रधानमंत्री ने राजनीति एवं संसद में श्री मल्होत्रा से जुड़ी यादों का स्मरण करते हुए एक अन्य पोस्ट में कहा था, उनका निधन हम सभी के लिए दुख का विषय है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

मोदी ने ट्रम्प की गाजा शांति योजना का किया स्वागत

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गाज़ा पट्टी में इजरायल और हमास के बीच का संघर्ष रुकवाने की अमेरिकी राष्ट्रपति की योजना का स्वागत किया है और विश्वास जताया है संबंधित पक्ष इसको स्वीकार करेंगे।

श्री मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक बयान में कहा, हम राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रम्प द्वारा गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक व्यापक योजना की घो-षणा का स्वागत करते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह योजना फिलिस्तीनी और इजरायली लोगों के साथ-साथ व्यापक पश्चिम एशियाई क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक और स्थायी शांति, सुरक्षा और विकास का एक व्यवहार्य मार्ग प्रदान करती है। श्री मोदी ने कहा, हमें उम्मीद है कि सभी संबंधित पक्ष राष्ट्रपति ट्रम्प की पहल के पीछे एकजुट होंगे और संघर्ष को समाप्त करने एवं शांति सुनिश्चित करने के इस प्रयास का समर्थन करेंगे।

श्री ट्रम्प ने वाशिंगटन की यात्रा पर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ सोमवार को व्हाइट हाउस में बातचीत के बाद गाजा में संघर्ष समाप्त करने की एक व्यापक योजना की घोषणा की। उसके तहत गाजा से संचालित आतंकवादी गतिविधियां बंद होंगी और गाजा पट्टी का व्यापक पुनर्निर्माण किया जाएगा।

योजना में हमास के कब्जे में पड़े बंधकों की वापसी और इजरायल द्वारा हिरासत में लिए गए कुछ फिलिस्तीनियों की रिहाई का भी प्रस्ताव है।

हिंसा और भय की राजनीति बंद होनी चाहिए : कांग्रेस

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस ने कहा है कि लद्दाख में हिंसा के दौरान चार लोगों की मौत का मामला गंभीर है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को संवाद का रास्ता अपनाकर शांति बहाल की दिशा में प्रयास करना चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग कर रहे लद्दाख में हिंसा के दौरान गोली लगने से चार लोगों की जान जाने का मुद्दा बहुत गंभीर है। इसमें यह और भी दुखद है कि घटना में एक पूर्व सैनिक की जान चली गई जिसने कारगिल युद्ध में हिस्सा लिया था और देश के विभिन्न भागों में

भारतीय सेना के जाबांज सैनिक के रूप में अपनी सेवाएं दी। उनके पिता भी सैनिक ही थे और पुत्र के मारे जाने की खबर से यह पूर्व सैनिक पिता बहुत आहत है।

श्री खरगे ने हिंसा में पूर्व सैनिक के मारे जाने की खबर पर कहा लद्दाख का दुःख पूरे देश का दुःख है। शहीद त्सेवांग थरचिन ने कारगिल युद्ध में भारत माता के प्रति अपना कर्तव्य निभाया, बदले में मिला क्या, लद्दाख़ में मोदी सरकार की गोली । पिता भी फ़ौज में थे, बेटा भी फ़ौज में था। गलवान में जब हमारे 20 वीर जवानों ने एलएसी पर देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी, तब स्वयं श्री मोदी जी ने चीन को क्लीन चिट थमाई थी । तब उन्हें हमारे जाँबाजों की वीरता की याद न आयी, तो अब क्या ख़ाक आयेगी। जो चीन को क्लीन चिट दे सकते हैं, वो हमारे त्सेवांग थरचिन जैसे वीर जवानों की शहादत का मान क्या रखेंगे। यही है भाजपा का खोखला राष्ट्रवाद।

श्री गांधी ने लद्दाख में प्रदर्शन के दौरान हिंसा की घटनाओं की न्यायिक जांच कराने और दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की है। उन्होंने श्री मोदी पर लद्दाख के लोगों को धोखा देने का आरोप लगाया और कहा कि जो लोग हक की मांग कर रहे हैं, उनको हिंसा से डराने की बजाय उनसे संवाद करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने लद्दाख के एक पूर्व फौजी की पीड़ा का वीडियो भी जारी किया, जिसने देश के विभिन्न हिस्सों में सेवाएं दी और उसका बेटा लद्दाख में हुई गोलीबारी में मारा गया।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा पिता फौजी, बेटा भी फौजी – जिनके खून में देशभक्ति बसी है। फिर भी भाजपा सरकार ने देश के वीर बेटे की गोली मारकर जान ले ली, सिर्फ इसलिए क्योंकि वो लद्दाख और अपने अधिकार के लिए खड़ा था। पिता की दर्द भरी आंखें बस एक सवाल कर रही हैं – क्या आज देशसेवा का यही सिला है।

श्री गांधी ने कहा हमारी मांग है कि लद्दाख में हुई इन हत्याओं की निष्पक्ष न्यायिक जांच होनी ही चाहिए और दोषियों को कड़ी से कड़ी सज़ा मिलनी चाहिए। मोदी जी, आपने लद्दाख के लोगों को धोखा दिया है। वो अपना हक़ मांग रहे हैं, संवाद कीजिए – हिंसा और डर की राजनीति बंद कीजिए।

खोए या चोरी हुए छह लाख से अधिक मोबाइल बरामद किये संचार-साथी ने

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

दूरसंचार विभाग की नागरिक-केंद्रित प्रमुख डिजिटल सुरक्षा पहल 'संचार-साथी' के माध्यम से छह लाख से अधिक खोए और चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट बरामद किये गये हैं। यह सुविधा हर एक मिनट में एक फोन का पता लगाने में सहायता कर रही है।

संचार मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि ये मोबाइल 'संचार साथी' पर 'अपने खोए/चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट को ब्लॉक करें' सुविधा के जरिये बरामद किये गये हैं और इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से डिजिटल शासन में नागरिकों का विश्वास मजबूत होता है।

मंत्रालय ने कहा है कि यह उपलब्धि नागरिकों की डिजिटल संपत्तियों की सुरक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है और साइबर अपराध से निपटने में सहयोगी प्रौद्योगिकी की क्षमता को प्रदर्शित करती है। संचार साथी पर 'अपने खोए/चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट को ब्लॉक करें' सुविधा बिना समय गंवाए दूरसंचार विभाग, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं और पुलिस को जानकारी देती है।

यह सुविधा नागरिकों को सभी भारतीय दूरसंचार नेटवर्क पर खोए/चोरी हुए मोबाइल की रिपोर्ट करने, ब्लॉक करने, ट्रेस करने या अनब्लॉक करने की सुविधा प्रदान करती है। किसी भी तरह के दुरुपयोग को रोकने के लिए, रिपोर्ट किए गए खोए/चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट को पूरे भारत में दूरसंचार नेटवर्क पर ब्लॉक कर दिया जाता है। जैसे ही ऐसे खोए/चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट के साथ किसी सिम का उपयोग किया जाता है, स्वचालित ट्रेसेबिलिटी सक्रिय हो जाती है और नागरिकों के साथ-साथ उस संबंधित पुलिस स्टेशन को भी अलर्ट भेज दिया जाता है जहां खोए/चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट की शिकायत दर्ज की गई थी। नागरिकों को एसएमएस के माध्यम से संपर्क करने के लिए सक्रिय ट्रेसेबिलिटी में पुलिस स्टेशन का विवरण प्रदान किया जाता है।

दूरसंचार विभाग की क्षेत्रीय इकाइयां क्षमता निर्माण पहलों के माध्यम से कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ निरंतर सहयोग करती हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि पता लगाए गये उपकरणों को कुशलतापूर्वक कैसे हासिल किया जाए और उनके मालिकों को लौटाया जाए। इन प्रयासों से रिकवरी दर में लगातार माह-दर-माह सुधार हुआ है, मासिक रिकवरी इस वर्ष जनवरी में 28,115 से बढ़कर अगस्त में 45,243 हो गई है- जो आठ महीनों में 61 प्रतिशत की वृद्धि है। इससे लोगों में इस सुविधा के बारे में जागरूकता का भी पता चलता है।

संचार साथी देश का सबसे व्यापक डिजिटल सुरक्षा प्लेटफ़ॉर्म बन गया है जिसकी वेबसाइट पर 19 करोड़ से ज़्यादा विज़िट और 90 लाख से ज़्यादा मोबाइल ऐप डाउनलोड हो चुके हैं। डिजिटल सुरक्षा के प्रति संचार साथी के व्यापक दृष्टिकोण में कई अन्य नागरिक-केंद्रित मॉड्यूल शामिल हैं। इनमें संदिग्ध धोखाधड़ी संचार की रिपोर्ट के लिए 'चक्षु', सभी सक्रिय कनेक्शनों को सत्यापित करने के लिए 'अपने मोबाइल कनेक्शन को जानें',

पोर्टल, ऐप या 14422 पर एसएमएस के माध्यम से आईएमईआई की प्रामाणिकता जांचने के लिए 'डिवाइस प्रामाणिकता सत्यापन', भारतीय कॉलर आईडी वाले संदिग्ध अंतर्राष्ट्रीय कॉल की रिपोर्ट के लिए 'अंतर्राष्ट्रीय कॉल रिपोर्टिंग', बैंकों और वित्तीय संस्थानों की सत्यापित संपर्क जानकारी तक पहुंच के लिए 'विश्वसनीय संपर्क विवरण' आदि शामिल हैं।

संचार साथी सुरक्षित डिजिटल इको-सिस्टम के निर्माण की दिशा में एक पहल है जहां नागरिक आसानी से और सुरक्षित रूप से सरकारी सेवाओं तक पहुंच प्राप्त कर सकते हैं। भारत की भाषाई विविधता को ध्यान में रखते हुए, संचार साथी मोबाइल एप्लिकेशन हिंदी, अंग्रेजी और 21 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है, जो सभी जनसांख्यिकी और भौगोलिक स्थलों के नागरिकों के लिए पहुंच सुनिश्चित करता है।

संचार मंत्रालय ने कहा है कि सभी को इस सुविधा का लाभ उठाना चाहिए और खोए या चोरी हुए उपकरणों की तुरंत रिपोर्ट करनी चाहिए।

यूपी के बैंकों में लावारिस पड़े हैं 7211 करोड़ रुपए

एक लाख लॉकरों को वारिस मिलने की राह खुली

लखनऊ, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के बैंकों में 7211 करोड़ रुपए लावारिस पड़े हैं। दावों के निपटान के लिए आरबीआई ने नई गाइडलाइन जारी की है। इससे एक लाख लॉकरों को वारिस मिलेगा। अगले साल 31 मार्च तक सभी बैंकों में इसे लागू करना अनिवार्य है।

आंकड़ों के मुताबिक, यूपी में करीब 2.81 करोड़ बैंक खाते ऐसे हैं, जिनमें पिछले दस साल से कोई लेन-देन नहीं हुआ। इन्हें निष्क्रिय घोषित कर दिया गया है। इन खातों में जमा राशि 7211 करोड़ रुपए को बैंकों ने आरबीआई के पास जमा करा दिया है। इसके अलावा, राज्य के बैंकों में लगभग एक लाख से ज्यादा लावारिस लाकर और सेफ कस्टडी आर्टिकल्स पड़े हैं, जिनका कोई दावेदार नहीं है। अब तक इन खातों और लॉकरों पर दावा करने के लिए उत्तराधिकार प्रमाणपत्र, वसीयत या अदालत के आदेश की जरूरत होती थी। ऐसे में परिजनों को लंबे समय तक अदालतों व बैंकों के चक्कर लगाने पड़ते थे।

आरबीआई की नई गाइडलाइन के तहत नामांकन या सर्वाइवर वाले खाते केवल मृत्यु प्रमाणपत्र और पहचान पत्र के आधार पर दावे निपटाए जाएंगे। इसके लिए उत्तराधिकार प्रमाणपत्र या वसीयत की जरूरत नहीं होगी।

कोऑपरेटिव बैंक में 5 लाख रुपए तक और अन्य बैंकों में 15 लाख रुपए तक के दावे सिर्फ आवश्यक दस्तावेजों जैसे क्लेम फॉर्म, मृत्यु प्रमाणपत्र, शपथपत्र या एनओसी के आधार पर निपटाए जाएंगे। लॉकर और सेफ कस्टडी का नामांकन होने पर सीधे दावेदार को चाबी मिल जाएगी। बिना नामांकन वाले मामलों में बैंक दो गवाहों और अधिकारी की मौजूदगी में लॉकर में रखे सामान की सूची तैयार करेगा।

सभी दस्तावेज पूरे होने के 15 दिन के भीतर दावे का निपटारा करना अनिवार्य होगा। लॉकर/सेफ कस्टडी के मामलों में 15 दिन में इन्वेंटरी की प्रक्रिया शुरू करनी होगी। इसमें देरी होने पर बैंक जमा खातों पर 4% ब्याज देंगे। लॉकर/सेफ कस्टडी पर 5,000 रुपए रोजाना देय होंगे। नई गाइडलाइन लागू होने के बाद बैंकों ने ऐसे खातों और लॉकरों के मालिकों से जुड़े परिजनों की खोज शुरू कर दी है। इसके लिए विशेष टीम बनाई जा रही है।

यूपी में फिर छाई भेड़ियों की दहशत : बहराइच में दंपति को जिंदा चबाया

बहराइच, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

बहराइच में मंझारा तौकली ग्राम पंचायत में सोमवार रात भेड़ियों ने फिर कहर बरपाया। गांव प्यारे पुरवा में अहाते में सो रहे बुजुर्ग दंपती पर भेड़ियों ने हमला कर उन्हें जिंदा चबा लिया। घटना में पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, देवनाथ पुरवा और भृगु पुरवा में भेड़ियों के हमले से महिला समेत दो लोग घायल हुए हैं। लगातार हो रहे हमलों से गांवों में दहशत का माहौल है।

पुरवा निवासी खेदन (70) पुत्र जनार्दन और उनकी पत्नी मनकी (65) रोज की तरह सोमवार रात घर से करीब 200 मीटर दूर बने अहाते में सो रहे थे। आधी रात लगभग 1 से 2 बजे के बीच भेड़ियों का झुंड वहां आ पहुंचा। सोते समय ही दंपती पर हमला कर दिया। दोनों के हाथ-पांव और शरीर के कई हिस्सों को भेड़िये चबा गए। गले और चेहरे पर गहरे जख्म मिले।

सुबह देर तक दंपति घर नहीं पहुंचे तो उनका बेटा झब्बर खोजते हुए अहाते पहुंचा। वहां मां-बाप के क्षत-विक्षत शव देखकर उसकी चीख निकल गई। गांव के लोग इकट्ठा हुए तो सभी सन्न रह गए। ग्रामीणों का कहना है कि गन्ने के खेतों में भेड़ियों का झुंड घूमता देखा गया है।

इसी रात भेड़ियों ने देवनाथ पुरवा की सेबरी (30) और भृगु पुरवा के रामू पर भी हमला कर उन्हें घायल कर दिया। दोनों का इलाज जारी है।

गांव में फैली दहशत को देखते हुए लोग रात में जागकर पहरा दे रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद अभी तक वन विभाग का कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा है। डीएफओ राम सिंह यादव दो दिन से न मीडिया से बात कर रहे हैं और न ही फोन रिसीव कर रहे हैं। कुछ ग्रामीणों का दावा है कि उन्होंने तेंदुए को देखा है। वन विभाग अभी तक पक्के तौर पर कुछ कह नहीं पा रहा है। 10 मार्च 2024 से अब तक जिले में भेड़ियों के 80 से अधिक हमले हो चुके हैं।

अष्टमी के दिन हुआ 5 लाख बेटियों का कन्या पूजन

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना से जुड़ी 1,500 बालिकाएं

लखनऊ, 30 सितंबर (एजेंसियां)। नवरात्रि के पावन अवसर पर पूरे उत्तर प्रदेश में 30 सितंबर एवं 1 अक्टूबर को अष्टमी-नवमी तिथियों पर आयोजित कन्या पूजन कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अष्टमी के दिन पूरे प्रदेश में 5 लाख से अधिक कन्याओं का सम्मानजनक पूजन किया गया। साथ ही इन आयोजनों में 1,500 से अधिक बालिकाओं को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना से जोड़ा भी गया है।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत बालिकाओं का कन्या पूजन धार्मिक परंपरा का निर्वहन भर ही नहीं रह गया है, बल्कि समाज में कन्या जन्म को उत्सव के रूप में स्थापित करने वाली सामाजिक क्रांति का प्रतीक भी बना है। बीते 20 सितंबर को शुरु हुआ मिशन शक्ति अभियान महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता को मजबूत करने का व्यापक अभियान बन गया है। कन्या पूजन के माध्यम से योगी सरकार ने समाज को गहरा संदेश भी दिया, जिसके तहत बेटियों को परिवार और समाज की आधारशिला के रूप में बताया गया है।

विभिन्न जिलों में आयोजित कार्यक्रमों में महिला कल्याण बेबी रानी मोर्या, राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला, प्रभारी मंत्री, जिलाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में ये कार्यक्रम आयोजित हुए।

अष्टमी के दिन विभिन्न विभागों और संस्थाओं के माध्यम से पूरे प्रदेश में 5 लाख से अधिक कन्याओं का सम्मानजनक पूजन किया गया। इन आयोजनों का मूल उद्देश्य कन्या जन्म को बोझ न मानकर आशीर्वाद के रूप में देखने को प्रेरित किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, लोकगीतों और संवाद सत्रों के जरिए बालिकाओं को शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य एवं आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम स्थल पर विशेष काउंटरों पर कन्या सुमंगला योजना के फॉर्म भरवाए गए, जो मुख्यमंत्री योगी के मार्गदर्शन में बालिकाओं को जन्म से उच्च शिक्षा तक 25,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करती है। परिवारों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी देकर अधिकतम लाभ सुनिश्चित किया गया। मिशन शक्ति के तहत बाल विवाह, शिक्षा वंचना और स्वास्थ्य उपेक्षा जैसी कुरीतियों के खिलाफ अभियान चलाया गया, जो नारी सुरक्षा के मूल सिद्धांत को मजबूत करता है।

महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव लीना जौहरी ने कहा कि कन्या पूजन केवल अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज को संदेश है कि बेटियां हमारी शक्ति और भविष्य की धरोहर हैं। मिशन शक्ति हर कन्या को सुरक्षित-सशक्त बनाने का संकल्प है। वहीं महिला कल्याण निदेशक संदीप कौर ने कहा कि यह समारोह कन्याओं के प्रति सकारात्मक सोच का विस्तार करेगा।

आज हमें यह समझने की आवश्यकता है कि हर बेटी अपने साथ परिवार और समाज के लिए उज्ज्वल भविष्य की संभावना लेकर आती है। मिशन शक्ति बेटियों के सशक्तिकरण की यह लौ पूरे प्रदेश में प्रज्वलित कर रहा है।

बालिकाओं ने सरकारी अस्पतालों में सीखी स्वास्थ्य सुरक्षा की बारीकियां

लखनऊ, 30 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा विभाग के महत्वाकांक्षी मिशन शक्ति अभियान के तहत प्रदेशभर के सभी प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, कम्पोजिट विद्यालय और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में बालिकाओं के लिए एक विशेष स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अनूठी पहल के तहत 1,21,103 छात्राओं ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और जिला/सरकारी अस्पतालों का भ्रमण किया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं से प्रत्यक्ष परिचय कराना और स्वास्थ्य प्रक्रियाओं की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था। स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों के विभिन्न विभागों जैसे ओपीडी, फार्मेसी, टीकाकरण कक्ष और पैथोलॉजी लैब का भ्रमण कर छात्राओं ने स्वास्थ्य सेवाओं की कार्यप्रणाली को करीब से देखा।

बालिकाओं को पंजीकरण काउंटर पर जाकर अपना ओपीडी पर्चा बनवाने का अनुभव कराया गया। इस प्रक्रिया के माध्यम से उन्हें सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने का पहला कदम सीखने को मिला।

इसके साथ ही छात्राओं ने बारी-बारी से संबंधित विशेषज्ञ डॉक्टरों से मुलाकात की और अपने सामान्य स्वास्थ्य प्रश्नों पर परामर्श लिया। यह अनुभव उनकी स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने वाला तो रहा ही, संवाद कौशल और आत्मविश्वास को भी मजबूत करने वाला रहा।

कार्यक्रम में बालिकाओं को विभिन्न जांच जैसे रक्तचाप, हीमोग्लोबिन, रक्त शर्करा आदि की प्रक्रिया और महत्व के बारे में जानकारी दी गई। कई स्थानों पर छात्राओं को इन जांचों के डेमो भी दिखाए गए। इसके अतिरिक्त, डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों ने व्यक्तिगत स्वच्छता, पोषण, एनीमिया से बचाव और महामारी के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों पर भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इस कार्यक्रम के माध्यम से बालिकाएं न केवल शिक्षित हुईं, बल्कि स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता की ओर भी अग्रसर हुईं। छात्राओं ने सरकारी स्वास्थ्य प्रणाली में विश्वास बढ़ाया और समझा कि सही जानकारी और प्रत्यक्ष अनुभव से ही स्वास्थ्य सेवाओं का पूर्ण लाभ लिया जा सकता है। इतना ही नहीं, मिशन शक्ति का यह चरण बालिकाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य और सशक्तिकरण समाज और राष्ट्र की मजबूत नींव का आधार बना। स्कूल शिक्षा महानिदेशक मोनिका रानी ने कहा, मिशन शक्ति ने बालिकाओं को सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का प्रत्यक्ष अनुभव कराया और उन्हें स्वस्थ, जागरूक और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी। यह पहल न केवल उनके विश्वास और आत्मसम्मान को बढ़ाती है, बल्कि समाज में सशक्त नारी की नींव भी मजबूत करती है।

हिंदू धर्मगुरुओं की हत्या की साजिश में चार आतंकी गिरफ्तार

लखनऊ, 30 सितंबर (एजेंसियां)। हिंदू धर्मगुरुओं की टारगेट किलिंग का साजिश रचने वाले चार आतंकियों को यूपी एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने गिरफ्तार किया है। चारो आतंकी सुल्तानपुर, सोनभद्र, कानपुर और रामपुर के रहने वाले बताए गए हैं। चारों लोग मुसलमानों पर जुल्म और ज्यादती का प्रोपेगेंडा फैलाकर काफिरों के खिलाफ जंग-ए-जेहाद करने के लिए मुजाहिदीन आर्मी बना रहे थे। साथ ही, देश में शरिया कानून लागू करने के लिए मुस्लिम युवकों को भड़काने का काम कर रहे थे। हिंसक गतिविधियां अंजाम देने के लिए वे सोशल मीडिया पर ग्रुप बनाकर कट्टरपंथी विचारधारा वाले लोगों को जोड़ रहे थे।

एटीएस के आईजी पीके गौतम ने बताया कि यह खुफिया सूचना मिली थी कि प्रदेश के विभिन्न जिलों के रहने वाले कुछ लोग कट्टरपंथी पाकिस्तानी संगठनों से प्रभावित होकर हिंसात्मक जेहाद के माध्यम से चुनी गई लोकतांत्रिक सरकार को गिराना चाहते हैं।

अकमल

सफील

मो तौसीफ

कासिम

वह हथियारों के बल पर शरिया कानून लागू करने की योजना बना रहे हैं। इन मंसूबों को पूरा करने के लिए जगह-जगह मीटिंग कर रहे हैं और विभिन्न सोशल मीडिया ग्रुप बनाकर ऑडियो व वीडियो संदेश भेजकर लोगों को उकसा रहे हैं।

आतंकी गतिविधियां अंजाम देने के लिए हथियार और अन्य संसाधनों के लिए धन जुटा रहे हैं। एटीएस ने जांच के बाद इसमें शामिल सुल्तानपुर निवासी अकमल रजा, सोनभद्र निवासी सफील सलमानी, कानपुर निवासी तौसीफ और रामपुर निवासी कासिम अली को पूछताछ के लिए बुलाया था। शुरुआत में उन्होंने खुद को निर्दोष बताया, लेकिन जब अधिकारियों ने उनके सामने तमाम सबूत रखकर सख्ती से पूछताछ की तो उन्होंने अपना गुनाह कबूल कर लिया। तत्पश्चात, एटीएस ने चारों पर मुकदमा दर्ज करते हुए गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से 5 मोबाइल, आधार कार्ड, पैन कार्ड, डेबिट व क्रेडिट कार्ड, फोन पे-स्कैनर आदि बरामद किया गया है।

एटीएस के मुताबिक चारों हिंदू धर्मगुरुओं की हत्या के लिए मुजाहिदीन आर्मी बना रहे थे। इसके लिए उन्होंने कट्टरपंथी मानसिकता वाले लोगों को जोड़ रहे थे ताकि उनके साथ मिलकर धर्मगुरुओं पर हमले कर सकें। चारों हिंसात्मक जिहादी साहित्यों का संकलन, लेखन और उनके प्रचारित प्रसारित करने का कार्य भी कर रहे थे। एटीएस चारों को अदालत के सामने पेश करने के बाद पुलिस कस्टडी रिमांड पर देने का अनुरोध करेगी ताकि उनके बाकी साथियों, मददगारों और फंडिंग करने वालों का पता लगाया जा सके।

ढाई साल में बिजली की 11 हजार दुर्घटनाएं

3,600 लोग करंट से मरे, 3600 मवेशी भी मरे

लखनऊ, 30 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी में ढाई साल में 11 हजार से अधिक बिजली दुर्घटनाएं हुई हैं। इनमें करंट लगने से 3,606 से अधिक लोगों की जान चली गई। मरने वालों में 257 बिजली कर्मी शामिल हैं। दुर्घटनाओं के आंकड़े चौंकाने वाले हैं।

पूर्वांचल, दक्षिणांचल, पश्चिमांचल, मध्यांचल और केस्को को मिलाकर मार्च 2023 से 15 सितंबर 2025 के बीच विभिन्न स्थानों पर करंट से हुई दुर्घटनाओं को लेकर विद्युत सुरक्षा निदेशालय ने रिपोर्ट तैयार की है। दुर्घटनाओं में मरने वालों में 257 बिजली कर्मी तथा 3,349 आम नागरिक हैं। 3,825 अग्निकांड में करोड़ों की फसल जली है। 3600 मवेशियों की भी मौतें हुई हैं। ज्यादातर मवेशियों की मौत बिजली के पोल में करंट उतरने, जलभराव में करंट प्रवाहित तार टूटकर गिरने से हुई हैं।

विभाग के अधिकारियों के मुताबिक करंट से व्यक्ति की मौत पर पांच लाख मुआवजा दिया जाता है। मवेशी की मौत पर उसकी नस्ल के आधार पर राजस्व विभाग रिपोर्ट तैयार करता है। फिर मुआवजा दिया जाता है। विभागीय रिपोर्ट से स्पष्ट है कि साल दर साल बिजली जनित दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही हैं।

बरेली बवाल में मौलाना तौकीर का करीबी नफीस गिरफ्तार

अब तक 31 आरोपी गिरफ्तार, जांच के लिए एसआईटी गठित

बरेली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। बरेली में हुए बवाल मामले के मुख्य आरोपी मौलाना तौकीर रजा के करीबी डॉ. नफीस को पुलिस ने सोमवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। उसकी मार्केट को दिन में नगर निगम ने सील किया। इसमें 74 दुकानें हैं। वहीं मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित कर दी गई है।

बरेली में इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के करीबी और शहर में हुए बवाल के आरोपी डॉ. नफीस की नावल्टी स्थित मार्केट को नगर निगम ने सोमवार को सील कर दिया। इसमें 74 दुकानें हैं। इसी मार्केट में आईएमसी का दफ्तर भी संचालित किया जा रहा था। उस पर भी नगर निगम ने ताला लगा दिया है। आरोप है कि नाले पर कब्जा कर यह मार्केट बनाई गई है।

देर रात नफीस को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आईएमसी जिलाध्यक्ष सादिक को भी पकड़ लिया है। आईएमसी के पूर्व जिलाध्यक्ष और तौकीर के सिपहसालार नदीम खान को पुलिस ने रविवार रात को ही गिरफ्तार कर लिया था। उपद्रव की तफ्तीश के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। वहीं, रात 12.45 बजे इंटरनेट सेवा बहाल हो गई।

नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने कहा कि पहलवान साहब की मजार के पास की मार्केट की कई दुकानें नाले पर बनी हैं, जो अवैध हैं। शनिवार शाम को ही नगर निगम की टीम ने मार्केट की पैमाइश कर ली थी। सोमवार को टीम मौके पर पहुंची और दुकानदारों को सामान निकालने के लिए कहा। जैसे-जैसे दुकानें खाली होती गईं, एक-एक कर उनको सील किया गया। फिर पूरी मार्केट पर बाहर से भी सील लगा दी।

मार्केट के दूसरे तल पर स्थित आईएमसी कार्यालय में बैठकर नफीस जिले में होने वाले संगठन के सभी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करता था। इस कार्यालय में मौलाना तौकीर का दो-तीन बार ही आना-जाना हुआ है। डॉ.

नफीस ही संगठन की पूरी रणनीति को अंजाम देता था। नफीस का करीबी पार्षद अनीस सकलैनी मार्केट में पंचायत लगाकर बैठता था। पिछले दिनों नफीस ने आई लव मोहम्मद लिखे पोस्टर उतारने पर किला इंस्पेक्टर को हाथ काटने और वर्दी उतारने की धमकी दी थी।

सीओ प्रथम आशुतोष शिवम ने बताया कि कोतवाली पुलिस ने नदीम के साथ ही मुस्तकीम, जफरुद्दीन, मोहम्मद इमरोज, मुसरोफ शेख, शमशेर रजा, मोहम्मद उवैस, राहिल, मोहम्मद साजिद, समीर, जीशान, फैसल, तौहीद खान व फरमान को भी अलग-अलग जगहों से गिरफ्तार किया। बारादरी इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय ने बताया कि कसाई टोला निवासी उमेद, मुस्तकीम, अरबाज, कलीम, मोबीन, नाजिम रजा, मोहसिन, शाकिब, रफीक, जैनुल, तौहीन, फैसल, मोबीन पुत्र छोटेशाह, अरशद व सुब्हान को गिरफ्तार कर लिया गया। देर रात बारादरी पुलिस ने आईएमसी के जिलाध्यक्ष फरीदपुर निवासी सादिक खान को भी गिरफ्तार कर लिया।

आईएमसी का पूर्व जिलाध्यक्ष और मौलाना तौकीर का खास गुर्गा नदीम खां उपद्रव के दौरान पलिस का वायरलेस हैंडसेट भी छीनकर ले गया था। कोतवाली पुलिस ने नदीम की गिरफ्तारी के बाद उसकी निशानदेही पर हैंडसेट बरामद कर लिया। माना जा रहा है कि नदीम व अन्य आरोपियों ने पुलिस की गोपनीय बातें सुनने के लिए इस हैंडसेट का इस्तेमाल किया होगा। साथ ही, वह सेट जिस टीम का रहा होगा, उसका दूसरी टीमों से संपर्क भी टूट गया होगा।

एसएसपी अनुराग आर्य ने सोमवार को प्रेसवार्ता में बताया कि नदीम खां मौलाना तौकीर का बेहद भरोसेमंद है। शुक्रवार को बवाल के दौरान भीड़ को उकसाकर प्रदर्शन की अगुवाई करने वालों में वह सबसे आगे था। कोतवाली प्रभारी अमित पांडेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रविवार रात कोतवाली क्षेत्र से ही नदीम की गिरफ्तारी की। बवाल की जांच के लिए डीआईजी रेंज अजय कुमार साहनी के निर्देश पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनुराग आर्य ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि एसआईटी में एसपी सिटी मानुष पारीक के नेतृत्व में तीन सीओ और 14 इंस्पेक्टर शामिल हैं। सीओ प्रथम, द्वितीय और तृतीय को एसपी सिटी के सहयोग के लिए लगाया गया है।

एसएसपी ने बताया कि बवाल को लेकर दर्ज किए गए 10 मुकदमों के विवेचक, एसओजी प्रभारी, सर्विलांस प्रभारी, साइबर सेल प्रभारी और मीडिया सेल प्रभारी को एसआईटी में शामिल किया गया है। एसआईटी घटना की जांच कर एक माह में विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगी। आवश्यकता महसूस होने पर जांच की समय अवधि बढ़ाई जा सकती है। एसएसपी ने कहा कि जिले की शांति और कानून-व्यवस्था को बरकरार रखने के लिए पुलिस कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। जो भी इसमें बाधक बनने का प्रयास करेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई में देरी नहीं होगी।

संपादकीय

क्रिकेट में 'ऑपरेशन सिंदूर'

'एशिया कप' में टीम इंडिया ने 9वीं बार ट्रॉफी जीती है। अपराजेय चैंपियन..! 'प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट' अभिषेक शर्मा बने, जिन्होंने अप्रतिम, अभूतपूर्व 314 रन बनाए और कुछ शानदार कैच भी लपके। पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मुकाबले में तिलक वर्मा ने नाबाद 69 रन ठोंक कर 'प्लेयर ऑफ दि मैच' का सम्मान अर्जित किया। कुलदीप यादव कुल 18 विकेट लेकर 'सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज' आंके गए। मैच में वरुण चक्रवर्ती, बुमराह, अक्षर पटेल की गेंदबाजी ने भी मैच पलटे। ये सभी भारतीय युवा और हुनरमंद क्रिकेटर हैं। आज टीम इंडिया टी-20 की विश्व चैंपियन, नंबर वन और एशिया चैंपियन टीम है। 'एशिया कप' का अंतिम मुकाबला वाकई रोमांचक, धडक़नें बढ़ा देने वाला रहा। टीम इंडिया ने इसी टूर्नामेंट में पाकिस्तान की टीम को लगातार तीन बार रौंदा, नतीजतन पाकिस्तान की अवाम ही मजाक उड़ाने लगी है-'इतना क्यों मारते हो डैडी?....जब पता है कि इंडिया बाप है, तो उसके खिलाफ खेलते क्यों हो?...हार गई, हार गई, फिर टीम हार गई।' टीम इंडिया ने उसे 7 विकेट, 6 विकेट और 5 विकेट से पराजित किया। बेशक फाइनल में एक वक्त टीम पाकिस्तान एक विकेट खोकर 113 रनों की 'पहाड़ी चुनौती' पेश कर चुकी थी। विशेषज्ञ आंक रहे थे कि पाकिस्तान 200 रन तक भी पहुंच सकता है, लेकिन हमारे गेंदबाजों ने अत्यंत सटीक, धारदार और रहस्यमयी गेंदबाजी कर शेष 9 विकेट मात्र 33 रनों पर ही बिखेर दीं। यह धोना, रौंदना नहीं हुआ, तो क्या है? बेशक भारत ने भी पहली तीन महत्वपूर्ण विकेट बहुत जल्द गंवा दीं। पूरे मैच के दौरान आंखें मूंदनी, फिर खोलनी पड़ीं, सांसें रुकती सी रहीं, निराश भी हुए, लेकिन चौका-छक्का लगता, तो उम्मीद बंधने लगती। रन गति 5-6 के बीच ही रही। अनिवार्य रनों का औसत बढ़ता रहा, लेकिन तिलक वर्मा ने, संजू और शिवम दुबे के साथ, कुछ खूबसूरत पारियां खेलीं। रिंकू सिंह के हिस्से एक ही गेंद आई, जिस पर उन्होंने जीत का चौका जड़ कर टीम इंडिया को 'एशिया का चैंपियन' बना दिया। खेल के मैदान पर इससे भी रोमांचक पल तब सामने आए, जब भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एसीसी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के हाथों 'चैंपियनशिप की ट्रॉफी' लेने से इंकार कर दिया। मोहसिन पाकिस्तान के गृहमंत्री और क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं। टीम इंडिया ने स्पष्ट कर दिया कि वह हत्यारों और जंग छेडऩे वालों के हाथों 'चैंपियनशिप का सम्मान' कबूल नहीं करेगी। काफी देर तक मैदान पर 'हाईवोल्टेज ड्रामा' जारी रहा, टीम इंडिया को मनाने की कोशिशें की गईं, लेकिन जो राष्ट्रवादी फैसला हमारे क्रिकेटरों ने आपसी विमर्श में लिया था, उस पर वे अडिग रहे। कप्तान सूर्य ने अपनी कुल फीस 'पहलगाम नरसंहार' के पीड़ितों और सेना को समर्पित करने की घोषणा की। अन्य खिलाडियों के फैसले अभी सामने नहीं आए हैं, लेकिन ऐसा परिदृश्य सामने घूमने लगा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' की भावना और शहीदों के प्रति सम्मान क्रिकेट में भी जिंदा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी अपने अकाउंट पर टिप्पणी की-'खेल के मैदान पर भी ऑपरेशन सिंदूर...भारत इसमें भी जीत गया।' बहरहाल एसीसी प्रमुख मोहसिन ने यह शर्मनाक हरकत की कि वह ट्रॉफी और खिलाडियों के पदक लेकर होटल चले गए। उस पर बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने भी कहा कि जंग छेडऩे वालों के हाथों हम ट्रॉफी नहीं ले सकते, लेकिन एसीसी अध्यक्ष ट्रॉफी और पदक लेकर भाग भी नहीं सकते। नवंबर में आईसीसी की बैठक है, जिसमें हम एसीसी अध्यक्ष की इस शर्मनाक हरकत का विरोध करेंगे। उम्मीद है कि ट्रॉफी और पदक हमें जल्दी ही मिल जाएंगे। बहरहाल टीम के खिलाडियों ने ट्रॉफी के बिना ही खूब जश्न मनाया। देश में शहर-दर-शहर रात भर जश्न की आतिशबाजियों की रोशनी और पटाखों की आवाज महसूस कराती रही कि हमने कोई बड़ी उपलब्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री के अलावा, राष्ट्रपति मुर्मू, गृहमंत्री अमित शाह और विपक्ष के कई नेताओं ने भी टीम इंडिया को 'चैंपियन' बनने पर बधाई दी है। सचमुच यह खेल के मैदान में भी एक और शानदार सर्जिकल स्ट्राइक है। विजेता भारतीय टीम को बधाइयों का तांता लग गया है, जबकि पाकिस्तानी टीम को उसके प्रशंसकों ने खूब लताड़ लगाई है।

'एशिया कप' का अंतिम मुकाबला वाकई रोमांचक, धडक़नें बढ़ा देने वाला रहा। टीम इंडिया ने इसी टूर्नामेंट में पाकिस्तान की टीम को लगातार तीन बार रौंदा, नतीजतन पाकिस्तान की अवाम ही मजाक उड़ाने लगी है-'इतना क्यों मारते हो डैडी?... .जब पता है कि इंडिया बाप है, तो उसके खिलाफ खेलते क्यों हो?...हार गई, हार गई, फिर टीम हार गई।' टीम इंडिया ने उसे 7 विकेट, 6 विकेट और 5 विकेट से पराजित किया। बेशक फाइनल में एक वक्त टीम पाकिस्तान एक विकेट खोकर 113 रनों की 'पहाड़ी चुनौती' पेश कर चुकी थी। विशेषज्ञ आंक रहे थे कि पाकिस्तान 200 रन तक भी पहुंच सकता है, लेकिन हमारे गेंदबाजों ने अत्यंत सटीक, धारदार और रहस्यमयी गेंदबाजी कर शेष 9 विकेट मात्र 33 रनों पर ही बिखेर दीं। यह धोना, रौंदना नहीं हुआ, तो क्या है? बेशक भारत ने भी पहली तीन महत्वपूर्ण विकेट बहुत जल्द गंवा दीं। पूरे मैच के दौरान आंखें मूंदनी, फिर खोलनी पड़ीं, सांसें रुकती सी रहीं, निराश भी हुए, लेकिन चौका-छक्का लगता, तो उम्मीद बंधने लगती। रन गति 5-6 के बीच ही रही। अनिवार्य रनों का औसत बढ़ता रहा, लेकिन तिलक वर्मा ने, संजू और शिवम दुबे के साथ, कुछ खूबसूरत पारियां खेलीं।

भारत अब किसी एक गुट का हिस्सा नहीं बनता, बल्कि सभी देशों से कूटनीतिक संबंध मजबूत करता है

वैश्विक कूटनीति का चातुर्य काल, मोदी डॉक्ट्रिन से मजबूत हुआ भारत

कमलेश पांडेय

21वीं सदी में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल के अधिष्ठाता समझे जाते हैं। उन्होंने समकालीन विश्व को जो कूटनीतिक संदेश दिया है, वह मोदी डॉक्ट्रिन यानी मोदी सिद्धांत के नाम से मशहूर है। कहना न होगा कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का यह काल वैश्विक सत्ता संघर्ष, क्षेत्रीय विवाद, आर्थिक साझेदारी, तकनीकी और आर्थिक सहयोग तथा बहुपक्षीय कूटनीतिक पहलों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय माहौल को स्थिर और सकारात्मक बनाए रखने के लिए दक्षता और चतुराई की आवश्यकता पर जोर देता है। उदाहरण के रूप में, भारत की हाल की विदेश नीति में अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, मध्य पूर्व संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे वैश्विक तनावों के बीच तटस्थता और संतुलन बनाए रखने की रणनीति, और क्षेत्रीय सहयोग जैसे क्वाड पहल शामिल हैं जो वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल की एक झलक हैं। नि:सन्देह, इस काल में कूटनीतिक क्रियाकलाप बिना बल प्रयोग के अपने राष्ट्रों के योगदान और सुरक्षा सुनिश्चित करने पर केंद्रीत होते हैं।

वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल का तात्पर्य उस दौर से है जब विश्व के देशों के बीच कूटनीति (राजनय) और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में निपुणता, समझदारी और रणनीतिक कुशलता अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। इस काल में देशों को सीमाओं के पार जटिल राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक संदर्भों में अपने हितों की रक्षा और विस्तार के लिए सूझ-बूझ, संतुलन, संवाद, और मध्यस्थता करनी पड़ती है। 21वीं सदी में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल के अधिष्ठाता समझे जाते हैं। उन्होंने समकालीन विश्व को जो कूटनीतिक संदेश दिया है, वह मोदी डॉक्ट्रिन यानी मोदी सिद्धांत के नाम से मशहूर है। कहना न होगा कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का यह काल वैश्विक सत्ता संघर्ष, क्षेत्रीय विवाद, आर्थिक साझेदारी, तकनीकी और आर्थिक सहयोग तथा बहुपक्षीय कूटनीतिक पहलों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय माहौल को स्थिर और सकारात्मक बनाए रखने के लिए दक्षता और चतुराई की आवश्यकता पर जोर देता है। उदाहरण के रूप में, भारत की हाल की विदेश नीति में अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, मध्य पूर्व संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे वैश्विक तनावों के बीच तटस्थता और संतुलन बनाए रखने की रणनीति, और क्षेत्रीय सहयोग जैसे क्वाड पहल शामिल हैं जो वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल की एक झलक हैं। नि:सन्देह, इस काल में कूटनीतिक क्रियाकलाप बिना बल प्रयोग के अपने राष्ट्रों के योगदान और सुरक्षा सुनिश्चित करने पर केंद्रीत होते हैं। इसलिए, वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल का मतलब समग्र वैश्विक वातावरण में सूझ-बूझ और सामंजस्यपूर्ण कूटनीतिक प्रयासों के माध्यम से अपने और वैश्विक हितों को संतुलित और सुरक्षित रूप से आगे बढ़ाने की क्षमता को कह सकते हैं। यह मोदी डॉक्ट्रिन यानी मोदी सिद्धांत से प्रभावित है। दरअसल, मोदी डॉक्ट्रिन का मतलब है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वह नीति-संहिता, जिसमें भारत अपनी विदेश नीति, सुरक्षा नीति और आतंकवाद के खिलाफ रणनीति में पहले से काफी ज्यादा आक्रामक, आत्मनिर्भर और सक्रिय हो गया है। इस सिद्धांत के तहत भारत हर अंतरराष्ट्रीय मसले में 'भारत के हित' को सर्वोपरि रखता है। भारत अब किसी एक गुट का हिस्सा नहीं बनता, बल्कि सभी देशों से कूटनीतिक संबंध मजबूत करता है। भारत 'मल्टी-अलाइनमेंट' को प्रोत्साहित करता है ताकि उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता बनी रहे। लिहाजा, 'मेक इन इंडिया' और आर्थिक-तकनीकी आत्मनिर्भरता का भी इसमें खास महत्व है। मोदी डॉक्ट्रिन के अनुसार, भारत अब आतंकवाद के खिलाफ सिर्फ डिफेंसिव नहीं, बल्कि आक्रामक रणनीति अपनाता है। सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाइयों ने यह दिखाया है कि भारत अब अपनी सुरक्षा के लिए सीमा-पार कार्रवाई करने से नहीं डरता। अब भारत आतंकवादियों के खिलाफ डोजियर भेजने की नीति को छोड़कर, सीधे सैन्य दबाव बनाता है। भारत की संप्रभुता के

खिलाफ किसी भी कार्रवाई पर तत्काल और कठोर जवाब दिया जाता है। किसी भी तरह के परमाणु युद्ध या जमीनी युद्ध के डर से भारत पीछे नहीं हटता; बल्कि भारत अपनी शर्तों पर कार्रवाई करता है। भारत की मजबूत स्थिति का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान के ऊपर परोक्ष रूप से चीनी/अमेरिकी हाथ होने के बावजूद भारत ने उसके छक्के छुड़ा दिया और युद्धोंमत पाकिस्तान को भारत के समक्ष घुटने टेकने व गिड़गिड़ाने को मज़बूर कर दिया। भारतीय संस्कृति, सभ्यता और योग जैसे वैश्विक अभियान भी इसी नीति का हिस्सा हैं। मोदी डॉक्ट्रिन का मतलब है – निर्णायक, निर्भीक, आक्रामक, बहुपक्षीय, आत्मनिर्भर और भारत-हित केंद्रित नीति, जिससे भारत वैश्विक मंच पर ज्यादा शक्तिशाली स्थिति में पहुंचा है। मसलन, आधुनिक संकटों में चातुर्य काल की अवधारणा को लागू करने का मतलब है जीवन में अनुशासन, संयम, और सूझ-बूझ के साथ संकटों का सामना करना। चातुर्य काल में आत्मसंयम, भक्ति, सामाजिक नियमों का पालन, और मानसिक संतुलन बनाए रखना महत्वपूर्ण होता है। इसी प्रकार, आधुनिक संकटों में- जैसे आर्थिक संकट, पर्यावरणीय समस्याएं, सामाजिक अस्थिरता या वैश्विक तनाव- इन गुणों का पालन करके स्थिरता और समाधान की दिशा में काम किया जा सकता है। चातुर्य काल की तरह, जब हम सीमित संसाधनों में संयमित और विवेकपूर्ण निर्णय लेते हैं, अपने जीवन में नियम और संतुलन बनाए रखते हैं, तो कठिनाइयों का सामना करना आसान हो जाता है। जैसे पारंपरिक चातुर्मास में व्रत और तपस्या से मन की शांति और अनुशासन मिलता है, वैसे ही आधुनिक संकटों में धैर्य, समझदारी, और संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। इसका अर्थ है कि जब बाहरी परिस्थितियाँ अनिश्चित या कठिन हों, तब भी आंतरिक स्थिरता, नैतिकता, और सामाजिक जिम्मेदारी बनाए रखते हुए समाधान खोजने का प्रयास करना। आधुनिक दुनिया में यह वैश्विक कूटनीति, पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक नीति, और सामाजिक सौहार्द जैसे क्षेत्रों में लागू किया जा सकता है, जहां सरल जीवन और विवेकपूर्ण कूटनीति से संकट प्रबंधन संभव होता है। वाकई वैश्विक कूटनीति के 'चातुर्य काल' के बाबत भारत के प्रधानमंत्री मोदी सिद्धांत को इस अद्भुत 'चातुर्य काल' का श्रेय देना ज्यादा उपयुक्त होगा, क्योंकि समकालीन विश्व में चाहे अमेरिका हो, चीन हो, रूस हो, यूरोपीय संघ हो, या अरब देश हों, सभी भारत के युगांतरकारी गुटनिरपेक्ष कूटनीति की मुखापेक्षी बने हुए हैं। चाहे ऑस्ट्रेलिया हो, अफ्रीकी देश हों या दक्षिण अमेरिकी देश, लगभग सभी भारत की तरह संतुलित राह पर अग्रसर रहना चाह रहे हैं। भारत की बढ़ती प्रगति और मजबूत होते आर्थिक व सैन्य सामर्थ्य से उनकी परिवर्तित निष्ठा भी स्वाभाविक है। चूंकि दुनिया के अधिकांश देश रूढ़िवादी/अनुदार देश हैं, इसलिए वो देश भारत की जनापेक्षी मौलिक नीतियों की नकल भी सही तरीके से नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए इसको नख से सिख तक समझना हरेक भारतीय के लिए बहुत जरूरी है। सच कहूं तो शांतिपूर्ण विकास व सहअस्तित्व का सिद्धांत ही मोदी प्रशासन का एकमात्र ध्येय है लेकिन इससे हथियार व गोली-बारूद निर्माता षड्यंत्रकारी पश्चिमी-पूर्वी देशों की अर्थव्यवस्था चरमराने लगी है। कहना न होगा कि पश्चिमी देश भले ही लोकतंत्र व शांति की माला जपते हैं लेकिन पर्दे के पीछे से अशांति पैदा करने के लिए आतंकवाद, नक्सलवाद और अंडरवर्ल्ड के गुप्त संरक्षक भी यही हैं ताकि इनके हथियार व गोली बारूद का कारोबार चमकता रहे। इनके नशे और आपराधिक गोरखधंधे का तस्करी नेटवर्क खूब फले-फूले । इससे चिकित्सा व सुरक्षा उपकरणों की बिक्री भी खूब बढ़ती है। क्रिप्टो करेंसी व हवाला की आड़ में ये पूरी दुनिया को अस्थिर व असुरक्षित बनाये हुए हैं। हालांकि, जब दुनिया के विभिन्न देशों की समझदारी बढ़ी व पूंजीवादी कब्जे तथा लाभ के एकसमान बंटवारे की बात उठी तो उनमें परस्पर होड़ मच गई। फिर इन्होंने क्षेत्र व धर्म के नाम पर इनकी पारस्परिक गोलबंदी बढ़ी। जहां एक ओर ईसाई व यहूदी देश एक हुए, वहीं दूसरी ओर मुस्लिम देश भी परस्पर एक हुए। इससे तीसरी ओर भी जागरूकता बढ़ी और विश्व के हिन्दू-बौद्ध-सिख-जैन धर्म आदि धर्मों से प्रभावित देश भी एकजूट होने के लिए सोचने लगे और भारत-चीन जैसे सामर्थ्यवान देशों ने अपने अंतर्विरोधों को पाटने को सतर्क हो गए। यदि पुरानी प्रतिद्वंद्विता की बात छोड़ भी दें तो मौजूदा दौर में जी-7, जी-20 बनाम ब्रिक्स व ग्लोबल साउथ के देशों में जो स्वहित साधन की होड़ मची हुई है, उसका ध्येय भी लगभग यही है। इसलिए कोई अमेरिकी छतरी तले जा रहा है तो कोई उसे उतारकर फेंक रहा है। कोई चीनी छतरी में जाने को बेताब है तो कोई इससे परहेज कर रहा है। इससे रूस व भारत की वैश्विक साख पुनः चमक उठी है। दुनियावी देश इनकी वस्तुनिष्ठ नीतियों पर फिदा हुए हैं।इससे परेशान अमेरिका-यूरोप के द्वारा जहां रूस के विरोधी यूक्रेन को भड़काकर रूस पर निरंतर हमलावर बना दिया गया है, वहीं भारत के खिलाफ पाकिस्तान/बंगलादेश को अक्सर सहयोग देकर खड़ा कर दिया जाता है।

देश दुनिया से

भारत ने की तथ्यों और तर्कों से धुलाई

अमेरिका में आयोजित हो रही संयुक्त राष्ट्र महासभा- 2025 की वार्षिक आम महासभा में हो रहे कुछ वैश्विक नेताओं के संबोधन स्थायी शांति व विकास की दृष्टि से पूरे विश्व को को निराश करने वाले हैं। अमेरिका, पाकिस्तान, बांग्लादेश के शासनाध्यक्षों के भाषण इंगित करते हैं कि भारत को अपनी सामरिक सीमा सुरक्षा के प्रति और अधिक सचेत रहना होगा । यदि भारतीय सुरक्षा दृष्टिकोण से देखा जाए तो अमेरिका, पाकिस्तान और बांग्लादेश ने पहलगाम हमले की निंदा नहीं की अपितु पाकिस्तान ने खुद को ही आतंकवाद से पीड़ति बताने का असफल प्रयास किया। इस दौरान उसने एक बार फिर ऑपरेशन सिंदूर के अतंर्गत अपनी करारी पराजय को अपनी विजय बताने का प्रयास करते हुए झूठा राग अलापा कि उसने भारत के सात लड़ाकू फाइटर जेट विमान मार गिराए। अमेरिकी राष्ट्रपति नोबेल पुरस्कार पाने के लिए इतने अधिक उतावले हो रहे हैं कि वह सामाजिक, राजनैतिक और वैश्विक मर्यादा ही भूल गये हैं।अंतरर्राष्ट्रीय मंच से उन्होंने यह सिद्ध करने का प्रयास किया कि दादागिरी करने का अधिकार केवल उन्हीं के पास है। उन्होने सात युद्ध समाप्त करवाने का दावा किया, भारत और चीन द्वारा रूस से तेल खरीद पर झूठ का पुलिंदा प्रस्तुत किया। ट्रम्प भारत के साथ साथ रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन से भी बहुत निराश हैं क्योंकि भारत, रूस और चीन सहित कुछ अन्य देश भी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को नोबेल पुरस्कार के लिए नामित नहीं कर रहे हैं।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प आत्ममुग्धता के शिकार हो चुके हैं, संभवतः वह ऐसे पहले व्यक्ति हैं जो अपने लिए नोबेल मांग रहे हैं। उन्होंने अपने कोट पर एफ -35 फाइटर जेंट का लोगो लगाकर एक बड़ा खतरनाक संदेश देने का काम किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को यह डर भी सता रहा है कि अगर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस -यूक्रेन युद्ध समाप्त करवाने में सफलता प्राप्त कर ली तो कहीं मोदी जी को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित न कर दिया जाए। ट्रम्प बार -बार भारत -पाकिस्तान के मध्य युद्ध रुकवाने का दावा कर रहे हैं जबकि वास्तविकता यह है कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने केवल पाकिस्तान स्थित आतंकवादी ठिकानों पर हमले किये थे और उन्हें नेस्तनाबूद किया था। जिसके बाद पाकिस्तान की सेना ने भारत पर हमला किया

था और भारत ने पाकिस्तान को धूल चटाई थी जिससे पाकिस्तान घुटनों पर आ गया था। भारत तीव्र गति से विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अब भारत में अब चिप से लेकर शिप तक का निर्माण हो रहा है। कई अन्य नए क्षेत्रों में भी अब भारत का दबदबा बढ रहा है जिसके कारण जिसके कारण भारत विरोधी शक्तियां बुरी तरह से घबरा गई हैं और भारत को रोकने के लिए तरह -तरह के षड्यंत्र कर रही हैं किंतु अब भारत अत्यंत सतर्क है। पाकिस्तान और बांग्लादेश ने उगला जहर – अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने तीन माह में दूसरी बार पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेनाध्यक्ष मुनीर को एक घंटे तक इंतजार करवाकर उनकी सरेआम बेइज्जती करी किंतु दोनों ने मुलाकात के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की जमकर चापलूसी को और उन्हें शांतिदूत कहकर संबोधित किया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने भारत को स्पष्ट रूप से अपना दुश्मन बताया और कहा कि हाल ही में भारत के साथ हुए संघर्ष में पाक की जीत हुई थी और पाकिस्तान ने भारत के सात विमान मार गिराए थे। उन्होंने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच से यह झूठ बोला कि भारत का कट्टरपंथी हिंदुत्व पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर खतरा है। महासभा में शाहबाज शरीफ का भाषण उनकी मूल विचारधारा का ही प्रतिबिम्ब है। शरीफ ने सिन्धु समझौते रद्द रहने पर भयावह युद्ध की धमकी भी दी। पाक प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ का संबोधन केवल भारत और हिन्दुओं के प्रति नफरत का प्रदर्शन था । शाहबाज ने एक बार फिर कश्मीर का मुद्दा उठाया और कहा कि वह कश्मीरियों के साथ खड़े हैं। ये कहते हुए शायद शाहबाज भूल गए थे कि इसी मंच से भारत की पूर्व विदेश मंत्री स्वर्गीय सुषमा स्वराज पूरे विश्व को बता गई हैं कि "जम्मू -कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था है और कायनात की अंतिम रात तक रहेगा। जम्मू कश्मीर की स्थापना भारत के महर्षि कश्यप ने की थी। कश्मीर का मूल अस्तित्व भारत ही है और उसकी चाहत में एक दिन पाकिस्तान का अस्तित्व ही पूरी दुनिया से समाप्त हो जाएगा । पाक प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से ही अमेरिकी राष्ट्रपति को खुश करने के लिए उनके लिए नोबेल पुरस्कार मांग लिया। उसे लग रहा है कि ऐसा करने से वह कश्मीर को लेकर भारत पर दबाव बना सकता है और अमेरिका से अपने हक के लिए ईनाम मांग सकता है। बांग्लादेश के मोहम्मद यूनुस ने भी एक सुनियोजित साजिश के तहत जमकर भारत के विरुद्ध जहर उगला और कहा कि उन्हें भारत से बहुत समस्याएं हैं । यूनुस के अनुसार इस समय भारत और बांग्लादेश के मध्य रिश्ते बहुत बिगड़ चुके हैं और अब तक के सबसे निचले पायदान पर हैं। भारत सरकार इन देशों के संयुक्त राष्ट्र महासभा में ऐसे प्रलापों के लिए पहले से चौकन्नी और तैयार थी।

कुछ अलग

पेचकस हमारा, माल तुम्हारा

झुन्नू जी की वर्कशॉप के बाहर लगे नए होर्डिंग ने मेरा ध्यान खींचा-'पेचकस हमारा, माल तुम्हारा।' बाईं ओर उनकी टिकट जितनी तस्वीर और दाईं ओर आदमकद 'अवतारी जी' मुस्कराते नजऱ आ रहे थे। मुझे यह नारा पहले-पहल समझ नहीं आया, इसलिए मैं अंदर वर्कशॉप में गया, जहां वे एक कारीगर को डांट रहे थे, 'प्रधानमंत्री स्वदेशी का नारा दे रहे हैं और तुम्हें अभी तक पेचकस पकडऩा नहीं आया। सारा माल चाइनीज़ है तो क्या हुआ, कम से कम उसे जोड़ तो यहीं रहे हैं।' मैंने पूछा, आखिर 'पेचकस हमारा, माल तुम्हारा' का मतलब क्या?' वे हंसकर बोले, 'अरे भोले! गलवान के बाद बायकॉट चाइना का नारा याद नहीं? अब पूरा सामान नहीं मंगाते, पाट्र्स मंगवाते हैं और जोड़ते यहीं हैं। इससे स्वदेशी का भ्रम भी बना रहता है और संतोष भी कि भारत में कुछ तो बन रहा है। जैसे आईफोन यहीं असेंबल होता है और ठप्पा 'मेक इन इंडिया' का। प्यूमा-नाइकी जैसे ब्रांड वियतनाम में बनते हैं, पर हम उन्हें यहीं बेचते हैं, यही स्वदेशी है।' मैंने तीखे स्वर में कहा, 'क्यों न सारा माल यहीं बने और विदेशों में बिके? अपने स्टार्टअप शुरू करें।' अब झुन्नू गंभीर हुए, 'स्टार्टअप की हवा तो नोटबंदी ने निकाल दी। आज भी लाखों कारीगर बेरोजग़ार हैं। असंगठित क्षेत्र जीडीपी में नहीं गिना जाता, जबकि वही रोजग़ार देता था। चीन के साथ व्यापार आठ गुना असंतुलित है। ऐसे में स्वदेशी कैसे फलेगा? कल छननी खरीदी तो 'मेड इन चाइना' निकली। भारतीय छननी की क्वालिटी घटिया थी। हमारे बाज़ारों में आधे से ज़्यादा सामान विदेशी हैं।'

आप का नजरिया

डंपिंग से नई जमीन तक

मलबे को लेकर हिमाचल में राज्य स्तरीय चिंता सामने आई है और जहां प्लानिंग से प्रगति तक यह सुनिश्चित करने की जरूरत बढ़ गई है ताकि आइंदा डंपिंग की एक रूपरेखा बने। पहले ही माननीय हाईकोर्ट ने चंबा के एक मामले में अवैध रूप से फैंके गए मलबे का कड़ा संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को डंपिंग स्थलों की पहचान के निर्देश दिए हैं। यही निर्देश अब आदेश बन कर मुख्य सचिव के मार्फत आ रहे हैं। यानी सरकार डंपिंग को लेकर सतर्क निगाहों से मलबे को देख रही है। फिलहाल यह मलबा विकास और विनाश के बीच एक अवांछित अपराध सरीखा है। मलबा कई सडक़ परियोजनाओं, नव निर्माण की पृष्ठभूमि, बदलती जीवनशैली और आपदाओं की नई फेहरिस्त से निकल रहा है। इसी बरसात की त्रासदी के बाद नुकसान का अगर आकलन पांच-छह हजार करोड़ तक पहुंच रहा है, तो कहीं कचरे और मलबे के पहाड़ भी खड़े हैं। जाहिर है डंपिंग के मैटिरियल में एक तो कूड़ा-कचरा प्रबंधन है जहां गंदगी के कई पहाड़ पैदा होने लगे हैं। दूसरा ऐसा मलबा है जो विकास और विनाश से देखने को मिलता है। प्रदेश की भौगोलिक स्थिति के कारण जहां भी जमीन कटती है, वहां मलबा उग्र हो जाता है। कोई भी शहर, कस्बा या गांव हो, विभागीय परियोजनाओं का लिबास हो या आपदा का परिमाण हो, मलबा हमारे चौखट पर खड़ा है। इसी बरसात से पैदा हुए मलबे का आकलन करें, तो इसके उपयोग से कई मैदान, पार्किंग स्पेस और बिल्डिंग मैटिरियल के ट्रक निकल आएंगे। दुर्भाग्य बस जहां-जहां सडक़ों पर ल्हासे गिरे वहां-वहां जेसीबी मशीनों के जरिए इन्हें ढलान की तरफ या नदी-नालों में धकेल दिया गया। ऐसे में माननीय अदालत के दिशा-निर्देश मलबे की सही डंपिंग से नई जमीन के कई टुकड़े ईजाद कर सकते हैं। पीडब्ल्यूडी, वन विभाग, स्थानीय निकायों के अलावा निजी बंजर व ढलान बन गई जमीन को डंपिंग योजना के तहत समतल किया जा सकता है। बरसात में जल रिसाव या जल निकासी की गलती के कारण जमीन गंवानी पड़ती है, जबकि यही मलबा बन कर नुकसान पहुंचाती है। मलबा दरअसल जमीन के पुनर्जन्म का प्राकृतिक आदेश है। खास तौर पर विकास के हर चिन्हित उपक्रम के साथ अगर डंपिंग से नई जमीन का उभार करें तो सार्वजनिक उपयोग के लिए ये कसरतें फायदेमंद होंगी। आरंभिक तौर पर ग्रामीण तथा शहरी विकास योजनाओं के साथ डंपिंग ग्राउंड के लिए स्थान सुनिश्चित करने होंगे। जंगलों में गिरते पेड़ों की कतार या अवैध रूप से कटते पौधों के कारण भी इस बार मलबा या तो सडक़ पर आया या शहतीर बन कर नदियों की घाल बन कर देखा गया। जो भी हो जंगल से लुढक़ते मलबे को इसी की मिट्टी के साथ जोड़ते हुए ढलानों को वैज्ञानिक ढंग से समतल बनाना होगा। डंपिंग सिर्फ मलबे को एक स्थान पर गिराना नहीं, इसे उपयोग में लाने की विधियां ईजाद करनी होंगी। शिमला, धर्मशाला, नयनादेवी, कसौली, डलहौजी या ऐसे ही पर्वतीय स्थलों में समानांतर दौड़ रही दो सडक़ों के बीच जल रिसाव के कारण जमीन धंसाव के जोन उभर रहे हैं। ऐसे में दो सडक़ों के बीच पहाड़ को कई स्तरों पर डंपिंग के जरिए मजबूत करने के अलावा भीतर से जल निकासी की योजना भी बनाई जा सकती है। शहरी डंपिंग हो या ग्रामीण, हमें भविष्य की नई जमीन की तरह इसे एक निर्माण की तरह देखना होगा। पहाड़ी जमीन को बचाने और बनाने की दृष्टि से मलबा भी एक मैटिरियल है। आखिर हर साल पैदा हो रहा लाखों टन मलबा हटाने के साथ इस्तेमाल या खपाने का प्रश्न भी तो पैदा कर रहा है। दूसरी ओर कूड़े-कचरे की डंपिंग को भी इस्तेमाल और उपयोगिता की दृष्टि से इस्तेमाल करने की योजनाएं ग्रामीण इलाकों तक सुनिश्चित करनी पड़ेंगी।

सरकार डंपिंग को लेकर सतर्क निगाहों से मलबे को देख रही है। फिलहाल यह मलबा विकास और विनाश के बीच एक अवांछित अपराध सरीखा है। मलबा कई सडक़ परियोजनाओं, नव निर्माण की पृष्ठभूमि, बदलती जीवनशैली और आपदाओं की नई फेहरिस्त से निकल रहा है। इसी बरसात की त्रासदी के बाद नुकसान का अगर आकलन पांच-छह हजार करोड़ तक पहुंच रहा है, तो कहीं कचरे और मलबे के पहाड़ भी खड़े हैं। जाहिर है डंपिंग के मैटिरियल में एक तो कूड़ा-कचरा प्रबंधन है जहां गंदगी के कई पहाड़ पैदा होने लगे हैं। दूसरा ऐसा मलबा है जो विकास और विनाश से देखने को मिलता है। प्रदेश की भौगोलिक स्थिति के कारण जहां भी जमीन कटती है, वहां मलबा उग्र हो जाता है। कोई भी शहर, कस्बा या गांव हो, विभागीय परियोजनाओं का लिबास हो या आपदा का परिमाण हो, मलबा हमारे चौखट पर खड़ा है। इसी बरसात से पैदा हुए मलबे का आकलन करें, तो इसके उपयोग से कई मैदान, पार्किंग स्पेस और बिल्डिंग मैटिरियल के ट्रक निकल आएंगे। दुर्भाग्य बस जहां-जहां सडक़ों पर ल्हासे गिरे वहां-वहां जेसीबी मशीनों के जरिए इन्हें ढलान की तरफ या नदी-नालों में धकेल दिया गया। ऐसे में माननीय अदालत के दिशा-निर्देश मलबे की सही डंपिंग से नई जमीन के कई टुकड़े ईजाद कर सकते हैं। पीडब्ल्यूडी, वन विभाग, स्थानीय निकायों के अलावा निजी बंजर व ढलान बन गई जमीन को डंपिंग योजना के तहत समतल किया जा सकता है। बरसात में जल रिसाव या जल निकासी की गलती के कारण जमीन गंवानी पड़ती है, जबकि यही मलबा बन कर नुकसान पहुंचाती है। मलबा दरअसल जमीन के पुनर्जन्म का प्राकृतिक आदेश है।

दृष्टि कोण

जीएसटी में अभूतपूर्व सुधार

2017 में प्रारंभ जीएसटी प्रणाली ने पिछले 8 वर्षों में बड़े उतार-चढ़ाव देखे हैं। लगभग एक दशक की चर्चा और डिबेट के बाद जीएसटी प्रणाली देश में लागू हुई थी। प्रारंभ से ही जीएसटी के बारे में चिंताएं, शंकाएं और अपेक्षाएं व्यक्त की जाती रही हैं। जहां प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस इसकी आलोचना करती दिखाई देती रही और उनके प्रमुख नेता इसे 'गब्बर सिंह टैक्स' कहते रहे, और प्रारंभ में व्यापारी संगठन इससे जुड़ी कार्यान्वयन की समस्याओं को लेकर इसका विरोध करते दिखाई देते थे, बड़ी संख्या में अर्थशास्त्री और विशेषज्ञ इसे एक बड़ा सुधार मान रहे थे। राज्य सरकारें और केंद्र सरकार भी इस नई कर प्रणाली को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त नहीं थी। सरकार ने हालांकि जुलाई 2017 में इस प्रणाली को लागू तो कर दिया था, लेकिन प्रारंभ में इससे पर्याप्त राजस्व प्राप्त करने की प्रमुख चुनौती थी। क्या है जीएसटी : जीएसटी यानी 'गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स' एक एकीकृत अप्रत्यक्ष कर प्रणाली है। जीएसटी से पूर्व देश में केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा विभिन्न प्रकार के अप्रत्यक्ष कर लगाए जाते थे, जिसमें बिक्री कर, राज्य उत्पाद शुल्क, केंद्रीय उत्पाद शुल्क, सेवाकर, सीमा शुल्क और कई अन्य कर शामिल थे। इन सभी करों को एकीकृत कर एक ही टैक्स जीएसटी के रूप में लगाया गया। सभी करों को एकीकृत कर एक ही कर लगाने के प्रयास का हेतु यह था कि विभिन्न प्रकार के कर लगाने से करदाताओं और कर एकत्र करते हुए उसे सरकारी राजस्व में जमा करना कठिन होता था और उसको एकत्र करने की लागत भी अधिक आती थी। इसके अलावा विभिन्न करों को लगाने से अनपेक्षित प्रभाव होता था। उदाहरण के लिए अलग-अलग स्तर पर कर लगाने के कारण एक ही वस्तु पर दो और कई बार दो से ज्यादा बार टैक्स देना पड़ता था। इसके कारण सरकार को राजस्व कम प्राप्त होता है, लेकिन वस्तु की कीमत टैक्स प्राप्ति से कहीं ज्यादा बढ़ जाती थी। इस अनपेक्षित प्रभाव को कैसकेंडिंग प्रभाव भी कहते हैं। राजस्व प्राप्ति के स्रोत के रूप में सामान्य

तौर पर अप्रत्यक्ष करों को इसलिए सही नहीं माना जाता, क्योंकि इसे अमीर और गरीब सभी के द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं पर लगाया जाता है। इसलिए अप्रत्यक्ष करों को प्रगतिशील बनाने के लिए इसे लागू करते हुए विभिन्न वस्तुओं पर अलग-अलग कर लगाना जरूरी माना जाता है। उदाहरण के लिए जीएसटी की 0, 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत की पांच दरें लागू की गई। कृषि उत्पादों समेत कुछ आवश्यक वस्तुओं पर शून्य और अलग-अलग वस्तुओं पर अलग-अलग कर लगाए गए, जिसमें आवश्यक वस्तुओं पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगाया गया। इसके बाद इसी तर्ज पर 12, 18 और 28 प्रतिशत जीएसटी लगाया गया, जिसमें विलासिता की और हानिकारक वस्तुओं पर 28 प्रतिशत कर लगाया जाता रहा। कर दरें ज्यादा हों या कम : सामान्य तौर पर चाहे किसी भी प्रकार का कर हो, अप्रत्यक्ष कर अथवा प्रत्यक्ष कर, सभी में प्रगतिशीलता लाने हेतु अलग-अलग दर पर कर लगाया जाता है। उदाहरण के लिए एक स्तर की आय तक शून्य और उसके बाद आय के परिमाण के आधार पर स्लैब बनाकर उन पर बढ़ती दरों पर आयकर लगाया जाता है। इसी प्रकार अप्रत्यक्ष करों में सामान्य जन अधिकांशतः निम्न आय वर्ग द्वारा उपयोग की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं पर शून्य अथवा बहुत कम कर लगाया जाता है। इसी प्रकार जीएसटी लागू करते समय उसे अधिक प्रगतिशील बनाते हुए उसमें पांच दरें रखी गई थीं। इस समय से इस विषय में अर्थशास्त्रियों के मतभिन्नता देखने को मिलती रही।

समुद्री डकैती के लिए कुख्यात सोमालिया को डकैती से बचने के गुर सिखाएगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद, 30 सितंबर (एजेंसियां)।
समुद्री डकैती के लिए सोमालिया पूरी दुनिया में विख्यात है। करीब 18 साल पहले इन समुद्री डकैतों ने पूरे विश्व के लिए संकट खड़ा कर दिया था। जब हदें पार हुई तो 2017 में कई देशों ने मिलकर सोमालिया के समुद्री लुटेरों पर लगाम लगाने के प्रयास शुरू किए। लेकिन अब पाकिस्तान इसी सोमालिया को समुद्री डकैतों से बचने के लिए ट्रेनिंग दे रहा है।

दुनिया में समुद्री डकैती के लिए कुख्यात सोमालिया को अब समुद्री डकैती से रोकने के गुर सिखाएगा पाकिस्तान। इसके अलावा, एंटी-टेररिज़्म ऑपरेशन्स में भी सोमालिया को दक्ष बनाएगा। अब एक देश का नाम अगर समुद्री डकैती से जुड़ा है, तो दूसरा देश आतंकवाद की फैक्ट्री के नाम से प्रसिद्ध है। ऐसे में यह नया एमओयू कई सवाल भी खड़े कर रहा है। एक और रोचक बात यह है कि पाकिस्तानी नेवी, सोमाली नौसेना को तकनीकी सहायता और ट्रेनिंग भी देगी। इसके अलावा, सोमाली नेवी के जहाज़ों के रखरखाव में भी पाकिस्तान मदद करेगा। नई नौसैनिक यूनिट की स्थापना और समुद्री गश्ती ऑपरेशन्स में भी पाकिस्तानी नेवी शामिल होगी। अब पाकिस्तान की नौसेना को तो चीन ही नई शक्ल दे रहा है। वॉरशिप से लेकर सबमरीन तक सभी मेड इन चाइना हैं। ऐसे में ग्लोबल ट्रेड रूट के पास पाकिस्तान की शक्ल में चीन की एक और मौजूदगी भी सामने आ सकती है।

अब पाकिस्तान की एंट्री के बाद रेड सी से अदन की खाड़ी में प्रवेश करते ही व्यापारिक जहाज़ों पर डकैती का ख़तरा बढ़ जाता है। यह इलाका दुनिया का सबसे बड़ा पायरेसी ज़ोन माना जाता है। जिबूती और सोमालिया से लुटेरे यहीं सबसे ज़्यादा सक्रिय होते हैं। इसका कारण है कि यह व्यापार का सबसे छोटा और व्यस्त रूट है। दुनिया का सारा आम ट्रेड और एनर्जी ट्रेड इसी इलाके से होकर गुजरता है। यूरोप की ओर जाने वाला एनर्जी ट्रेड ओमान की खाड़ी से होता हुआ अदन की खाड़ी और फिर रेड सी के रास्ते स्वेज नहर के जरिए भूमध्य सागर तक पहुंचता है। वहीं, पूर्व की ओर जाने वाले मर्चेंट वेसल्स, रेड सी से होते हुए अदन की खाड़ी, अरब सागर और फिर आगे की ओर निकलते हैं।

सोमालिया की कैबिनेट ने इसी साल अगस्त में पाकिस्तान के साथ रक्षा सहयोग पर एक और समझौता ज्ञापन पर दस्तखत करने की मंजूरी दे दी है। इसके तहत पाकिस्तान, सोमाली आर्म्ड फोर्स को ट्रेनिंग देगा। इसमें बुनियादी सैनिक प्रशिक्षण से लेकर आतंकवाद विरोधी कार्रवाई, स्टाफ ड्यूटी और अंतरराष्ट्रीय शांति अभियानों की ट्रेनिंग शामिल है।

न्यूज ब्रीफ

बलोचिस्तान के गांवों से पाकिस्तान की सेना उठा ले गई 50 से ज्यादा लोग

क्वेटा (बलोचिस्तान)। पाकिस्तान की सेना ने आजादी की मांग कर रहे बलोचिस्तान में बड़ा तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान 50 से ज्यादा लोगों को अपने साथ ले गए। इस अभियान को मस्तुंग जिले के दश्त-ए-असूर के कोलपुर इलाके में अंजाम दिया गया। आरोप है कि सुरक्षाबलों ने कुछ ग्रामीणों के साथ मारपीट भी की। रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को पाकिस्तान की सेना ने कोलपुर में बड़े पैमाने पर अभियान चलाया। इस बीच, सीटीडी, खुफिया एजेंसी के अधिकारियों और पुलिस ने इलाके को घेर लिया और घरों की तलाशी ली। क्षेत्रीय सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा बलों ने जुमा खान गांव, बंगालजई गांव और सरपारा गांव के घरों में घुसकर निवासियों पर अत्याचार किया। सूत्रों का कहना है कि इस दौरान 50 से अधिक पुरुष और युवकों को हिरासत में लेकर अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। दश्त से हिरासत में लिए गए लोगों के रिश्तेदारों के अनुसार, उन्हें सोमवार को सूचना मिली कि उनके प्रियजनों को क्वेटा जेल में बंद कर दिया गया है, हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि क्या सभी गिरफ्तार लोगों को जेल ले जाया गया है। रिश्तेदारों ने आरोप लगाया कि सुरक्षा बलों ने घरों में तोड़फोड़ की। महिलाओं और बच्चों को प्रताड़ित किया। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से खुजदार, कलात और मस्तुंग जिलों में जमीनी और हवाई अभियानों की रिपोर्ट मिल रही हैं। सोमवार को भी खुजदार की तहसील जहरी में जमीनी और हवाई अभियानों की रिपोर्ट मिली। इन अभियानों पर अभी तक कोई आधिकारिक टिप्पणी सामने नहीं आई है। इसके अलावा पाकिस्तानी सेना तहसील बिलिदा के गर्दानक क्षेत्र में एक स्थानीय दुकानदार को हिरासत में लेकर अपने साथ ले गई है। इस दुकानदार की पहचान शेर अली पुत्र वाशी के रूप में हुई है। परिवार ने लापता शेर अली की सुरक्षित बरामदगी की मांग की है। गौरतलब है कि इस महीने पाकिस्तानी सेना द्वारा जबरन गायब किए गए चार लोगों के शव बुलायदा में मिले हैं।

सर्बिया में गिरफ्तार 11 लोग, फ्रांस में मस्जिदों के बाहर सुअर के सिर रखने और यहूदी स्थलों पर हमलों का आरोप

बेलग्रेड। सर्बियाई पुलिस ने 11 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर आरोप है कि उन्होंने इस महीने पेरिस और आसपास मस्जिदों के बाहर सुअर के सिर रखे और यहूदी स्थलों को निशाना बनाया। सर्बिया के गृह मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी। गिरफ्तारियों पर यह भी संदेह है कि उन्होंने पेरिस में होलोकॉस्ट म्यूजियम, कई सिनागॉग और एक यहूदी रेस्तरां पर हरी पेंट फेंकी और बर्लिन के ब्रैंडेनबर्ग गेट के सामने कंक्रीट का कंकाल रखा। सभी आरोपित सर्बियाई नागरिक हैं और उन्हें सर्बिया में प्रशिक्षित किया गया। मंत्रालय के अनुसार, एक फरार संदिग्ध, जिसे केवल रून. के नाम से पहचाना गया है, ने इन लोगों को विदेशी खुफिया एजेंसी के आदेश पर प्रशिक्षण दिया। बयान में कहा गया, इनका उद्देश्य अलग-अलग समूहों के लोगों के आधार पर नफरत, भेदभाव और हिंसा को बढ़ावा देना था। फ्रांस में पुलिस जांच में पता चला कि मस्जिदों के बाहर सुअर के सिर विदेशी नागरिकों ने रखे थे, जो तुरंत देश छोड़कर चले गए। फ्रांस ने अतीत में रूस पर विभाजन फैलाने का आरोप लगाया है। मई में भी तीन सर्बियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया गया था, जब सिनागॉग और होलोकॉस्ट स्मारक पर हरी पेंट फेंकी गई थी।

सऊदी अरब के तबुक शहर में मिली दस हजार साल से ज्यादा पुरानी मानव बस्ती

रियाद। सऊदी अरब के तबुक शहर में दस हजार से ज्यादा पुरानी मानव बस्ती की खोजी गई हैं। तबुक

के उत्तर-पश्चिम में वादी दाम के मासियोन में हुई इस खोज को सबसे पुरानी मानव बस्ती माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह एक असाधारण खोज है, जो अरब प्रायद्वीप और उसकी प्राचीन सभ्यताओं के इतिहास की झलक दिखाती है। इस खोज से सऊदी अरब और आसपास के देशों की प्राचीन संस्कृति की जानकारी हासिल होगी। इससे पता चलेगा कि इस्लाम के आने से पहले इस क्षेत्र में किस तरह की धार्मिक और सामाजिक आस्थाएं थीं। यह खोज अरब प्रायद्वीप और उसकी प्राचीन सभ्यताओं के इतिहास की झलक सऊदी हेरिटेज कमीशन ने इस ऐतिहासिक पुरातात्विक खोज की जानकारी दी है। कमीशन ने इसे हाल के इतिहास की सबसे अहम खोजों में से एक बताया। पुरातत्वविदों ने पुष्टि की है कि यह स्थल नवपाषाण काल यानी 10,300-11,000 साल पहले का है।

हमास ने गाजा पर ट्रंप का नया प्रस्ताव नहीं माना तो इजराइल को खुली छूट देगा अमेरिका

वाशिंगटन, 30 सितंबर (एजेंसियां)।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बैठक के बाद गाजा में शांति समझौते की अपनी योजना सामने रखी। उन्होंने कहा कि अगर यह योजना विफल हो जाती है तो हमास को नष्ट करने के लिए इजराइल को अमेरिका का पूरा समर्थन प्राप्त होगा। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा, मुझे लगता है कि हम बहुत करीब हैं। लेकिन अगर हमास इस योजना पर सहमत नहीं होता है, तो इजराइल अपना अभियान जारी रख सकता है। उसे जो करना होगा, उसके लिए हमारा पूरा समर्थन होगा।

व्हाइट हाउस के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा, युद्ध समाप्त करने की 20 सूत्रीय अमेरिकी योजना तत्काल युद्धविराम के साथ शुरू होगी। इसमें प्रस्ताव है कि हमास 72 घंटों के भीतर सभी बंधकों को रिहा करेगा। बदले में इजराइली सैनिकों की चरणबद्ध वापसी होगी। इससे स्थायी युद्धविराम का मार्ग प्रशस्त होगा। व्हाइट हाउस ने कहा कि जो हमास सदस्य शांति के लिए प्रतिबद्ध होंगे और हथियार डाल देंगे, उन्हें आम माफी दी जाएगी। जो लोग गाजा छोड़ना चाहते होंगे, उन्हें सुरक्षित मार्ग प्रदान किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र और उसके संगठनों रेड क्रिसेंट और अन्य समूह पूर्ण मानवीय सहायता फिर से शुरू करेंगे ।गाजा का पुनर्विकास गाजा के लोगों के लाभ के लिए किया जाएगा। ट्रंप ने कहा, मुझे उम्मीद है कि हम शांति के लिए एक समझौता करेंगे। अगर हमास इस समझौते को अस्वीकार कर देता है तो फिर एकमात्र विकल्प ही बचेगा। ट्रंप ने संवाददाताओं को बताया कि व्हाइट हाउस के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ, उनके दामाद जेरेड कुशनर, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूसी विल्स इस प्रक्रिया में करीब से शामिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर और अन्य प्रमुख सदस्यों के साथ मिलकर गाजा के लिए शांति बोर्ड बनाएंगे। फिलिस्तीनी प्राधिकरण ने सोमवार को एक बयान में कहा कि वह इस योजना का स्वागत करता है और क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ साझेदारी के महत्व पर जोर देता है। उधर, इजराइल को वैश्विक स्तर पर बढ़ते अलगाव और आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि कई पश्चिमी शक्तियां संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके करीबी सहयोगी की अवहेलना करते हुए फिलिस्तीनी राज्य का दर्जा स्वीकार कर रही हैं। और इजराइली सेना अकालग्रस्त गाजा शहर पर घातक हमला कर रही है। ट्रंप ने सोमवार को अपने भाषण में पिछले हफ्ते न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में हुई घटनाओं पर अपनी शिकायतें दोहराईं। व्हाइट हाउस की एक विज्ञप्ति के अनुसार, सोमवार को ट्रंप और कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल थानी के साथ बातचीत में नेतन्याहू ने इस बात पर गहरा खेद व्यक्त किया कि कतर में वार्ता के दौरान हमास नेताओं को निशाना बनाकर किए गए इजराइली हमले में एक कतरी सैनिक की मौत हो गई। नेतन्याहू ने यह भी कहा कि इजराइल कतर पर अपना हमला दोबारा नहीं दोहराएगा। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने पिछले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान एक बैठक में अरब देशों के समक्ष अपनी शांति योजना प्रस्तुत की थी। अमेरिकी प्रस्ताव में इजराइली रक्षा बलों की गाजा से पूरी तरह वापसी की समय-सीमा निर्दिष्ट नहीं की गई है। सूत्रों ने कहा कि यह आसपास के अरब देशों के सैनिकों का एक स्थिरीकरण बल स्थापित करने से जुड़ा होगा जो इस पट्टी की सुरक्षा प्रदान करेगा। इस बीच, गाजा का शासन दो स्तरों पर होगा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय निकाय एक फ़िलिस्तीनी समिति की देखरेख करेगा। प्रस्ताव के अनुसार, हमास की गाजा के शासन में कोई भूमिका नहीं होगी। गाजा से फिलिस्तीनियों को जबरन विस्थापित नहीं किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र मानवीय सहायता का प्रबंधन करेगा।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने सोमवार सुबह कहा कि इस समझौते के तहत दोनों पक्षों को कुछ हद तक त्याग करना पड़ सकता है। ब्रिटेन के थिंक टैंक चैथम हाउस में मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका कार्यक्रम के वरिष्ठ परामर्शदाता योसी मेकेलबर्ग ने एक फोन साक्षात्कार में कहा, मुझे लगता है कि इस बात की पूरी संभावना है कि अमेरिकी प्रशासन सचमुच युद्ध का अंत देखना चाहता है और संभवत: नेतन्याहू पर अपने प्रभाव का कुछ इस्तेमाल करेगा। यह एक बड़ा समझौता है और इसके लिए दोनों पक्षों की उपस्थिति जरूरी है। हमास अब मजबूत स्थिति में नहीं है। ट्रंप का शांति समझौता प्रस्ताव सामने आने पर हमास ने कहा है कि वह गाजा में बंधक बनाए गए शेष लोगों को केवल एक स्थायी युद्धविराम और इजराइल के फिलिस्तीनी क्षेत्र से हटने के बदले में रिहा करेगा।

ऐप्पल इंक ने तैयार किया नया आईफोन ऐप

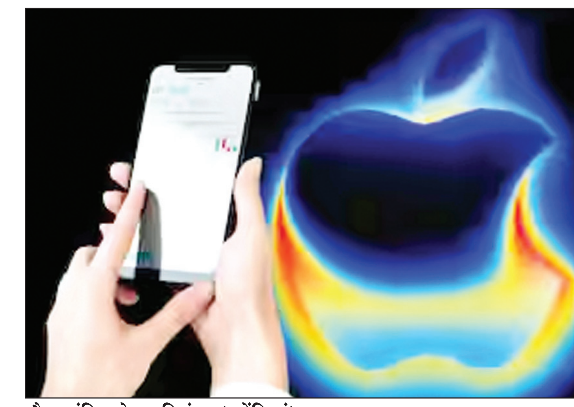

सैन फ्रांसिस्को,29 सितंबर (एजेंसियां)।
महंगे स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी ऐप्पल इंक ने चैटजीपीटी जैसी क्षमता वाला एक नया आईफोन ऐप तैयार कर लिया है। इसको वेरिटास नाम दिया गया है। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इस ऐप का मुख्य उद्देश्य ऐप्पल के वॉयस असिस्टेंट सिरी को और अधिक स्मार्ट और प्रतिक्रियाशील बनाना है। फिलहाल यह ऐप सिर्फ इंटरनल टेस्टिंग के लिए इस्तेमाल हो रहा है, लेकिन इसे अगले साल आम यूजर्स के लिए लॉन्च करने की योजना है। वेरिटास ऐप ऐप्पल कर्मचारियों को सिरी के नए एआई पावर्ड फीचर्स का परीक्षण करने की सुविधा देता है। इसमें ईमेल, म्यूजिक, फोटो एडिटिंग और अन्य पर्सनल डेटा को खोजने जैसे इन-ऐप कामों को संभालने की क्षमता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह ऐप लोकप्रिय चैटबॉट फॉर्मेट की नकल करता है और ऐप्पल के नए इन-बिल्ट सिस्टम, लिनवुड पर आधारित है, जो कंपनी के लार्ज लैंग्वेज मॉडल को थर्ड पार्टी एआई प्रोवाइडर्स की तकनीक से जोड़ता है। मार्च 2025 में अपडेटेड सिरी की लॉन्चिंग की उम्मीद है। इस अपडेट के सफल रोलआउट से ऐप्पल की स्थिति एआई प्रतिस्पर्धा में मजबूत हो सकती है, जबकि गूगल और सैमसंग जैसी कंपनियों को बढ़त मिल सकती है। आने वाले सालों में स्मार्टफोन और डिवाइस खरीद के फैसलों पर एआई क्षमताओं का बड़ा असर दिखने की संभावना है। ऐप्पल ने एआई डेवलपर्स के साथ साझेदारी की संभावनाओं पर भी काम किया है। ओपनएआई और एंथ्रोपिक के साथ प्रारंभिक बातचीत के बाद, गूगल के जेमिनी एआई प्लेटफॉर्म के कस्टमाइज्ड वर्जन को लागू करने पर भी विचार किया जा रहा है। वहीं, एआई चीफ जॉन गियानंद्रिया और कुछ सहायक कर्मचारी कंपनी छोड़ चुके हैं, और सिरी के संचालन देख रही रॉबी वॉकर भी जल्द कंपनी छोड़ेंगी। वॉकर की टीम अब अपग्रेडेड एआई सर्च फंक्शन पर काम कर रही है, जो नए एआई सक्षम असिस्टेंट बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सिरी के अलावा, ऐप्पल अपने होमपॉड स्पीकर, ऐप्पल टीवी और वेब सर्च फंक्शन के लिए भी एआई पावर्ड सुधारों पर काम कर रहा है। सीईओ टिम कुक ने एआई को दशकों में सबसे बड़ा परिवर्तन बताया है और ऐप्पल की अग्रणी भूमिका की आवश्यकता पर जोर दिया है। हालांकि वेरिटास ऐप फिलहाल पब्लिक के लिए उपलब्ध नहीं है, यह ऐप्पल को यह मूल्यांकन करने का अवसर देता है ।

ट्रिपल-न्यूक्लियर स्ट्राइक: अमेरिका का दिमाग हिला देगा चीन का ये हथियार

बीजिंग। चीन नित नए प्रयोग कर रहा है। इसी कड़ी में चीन ने एक ऐसा प्रयोग किया है जिसकी कल्पना अमेरिका ने भी नहीं की होगी। पीएलए के वैज्ञानिक ने पहली बार 'ट्रिपल-न्यूक्लियर स्ट्राइक' करके दिखाया है। यानी अब केवल एक ही वारहेड नहीं, बल्कि मूविंग-क्लस्टर की तरह एक के बाद एक या एक साथ दागे गए छोटे-कम क्षमता वाले वारहेड्स से धमाके होंगे। अभी तक दुनिया में सिर्फ एक-एक वारहेड के साथ रिसर्च की गई है और जो हथियार बनाए गए हैं, वो भी सिर्फ एक वारहेड्स से बने हैं। लेकिन चीन इसे कई गुना आगे ले गया है, जो हथियार को काफी घातक बना देगा। सबसे खास बात मिली सेकेंड में ही इससे तबाही मचाई जा सकती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि एक से दूसरे वारहेड के विस्फोट में सिर्फ 0.8 मिलीसेकंड का फर्क रहा। यानी ऐसे समझ सकते हैं कि एक मिलिसेकेंड से भी कम वक्त में तीन धमाके हो गए। इस तरह तीनों लगभग एक साथ विस्फोट होते हैं और इनका असर काफी खतरनाक होता है। प्रयोग के नतीजे चौंकाने वाले रहे। इतना ही नहीं, सतह पर कई गुना तबाही हुई।

तालिबान शासन ने बंद किया इंटरनेट, अफगानिस्तान में टेलिकॉम सेवाएं हुईं ठप

काबुल, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान शासन ने इंटरनेट और टेलिकॉम सेवाओं पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। निगरानी संस्था नेटब्लॉक्स की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में इस समय संचार व्यवस्था पूरी तरह ठप है और इसे कनेक्टिविटी ब्लैकआउट की स्थिति बताया जा रहा है।

कुछ सप्ताह पहले तालिबान ने अनैतिकता रोकने के नाम पर फाइबर-ऑप्टिक इंटरनेट कनेक्शन काटना शुरू किया था। अब स्थिति यह है कि न सिर्फ़ मोबाइल इंटरनेट, बल्कि मोबाइल फ़ोन नेटवर्क और सैटेलाइट टीवी सेवाएं भी बाधित हो गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मीडिया हाउस काबुल स्थित अपने दफ़्तर से संपर्क भी खो दिया है। फाइबर-ऑप्टिक नेटवर्क दुनिया के इंटरनेट ढांचे की रीढ़ माना जाता है, जो तेज़ डेटा ट्रांसफर की सुविधा देता है। इसकी कटौती से अफ़ग़ानिस्तान बाहरी दुनिया से लगभग पूरी तरह कट चुका है। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर पोस्ट करते हुए बताया जा रहा है, कि पूरा देश अकेलेपन में घिर गया है। अफ़ग़ानिस्तान अब आधिकारिक तौर पर (इंटरनेट कटऑफ़ में) उत्तर कोरिया से भी आगे निकल गया है। इस पर डिजिटल अधिकार समूहों का कहना है कि इंटरनेट बंद करना न सिर्फ़ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला है, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा और व्यापार जैसे बुनियादी क्षेत्रों पर भी गंभीर असर डालेगा। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इससे अफ़ग़ान जनता और अधिक अलग-थलग पड़ जाएगी।

मोसाद की रणनीतियां और ऑपरेशन हमेशा चौंकाने वाले और रहस्यमय

तेलअवीव , 30 सितंबर (एजेंसियां)।
7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इज़राइल पर हमला किया, तब गाजा क्षेत्र में तबाही का ऐसा मंजर देखने को मिला कि वहां की पहचान करना मुश्किल हो गया। इस बीच, इजराइल ने ईरान, सीरिया, लेबनान और कतर तक निशाने साधे। इन हमलों में हिज्बुल्लाह विद्रोहियों को पेजर ब्लास्ट के जरिए निशाने पर लिया गया, जिसमें इज़राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के शामिल होने की बात सामने आई। इस घटना के बाद मोसाद के काम करने के तरीके ने विशेषज्ञों को भी हैरान कर दिया। इस एजेंसी की हत्याओं और ऑपरेशनों पर पत्रकार ने अपनी किताब में विस्तार से प्रकाश डाला है। उन्होंने किताब के लिए नेताओं, पूर्व एजेंट और विशेषज्ञों से हजारों इंटरव्यू किए। पत्रकार रोनेन के अनुसार, दूसरे विश्व युद्ध के बाद से पश्चिमी दुनिया में सबसे अधिक हत्याएं इजराइल ने की हैं।

किताब में नैतिक सवाल भी उठाए गए हैं।

रोनेन ने लिखा कि जब कोई देश अपनी सुरक्षा और अस्तित्व के लिए हत्या का रास्ता अपनाता है, तब इससे कई नैतिक दुविधाएं पैदा होती हैं। एक ऐसा देश, जो शरणार्थियों की सुरक्षा के लिए बना, क्या विरोधियों की हत्या करना उसके लिए न्यायसंगत है

इजराइल के लिए हत्याओं का सिलसिला दशकों पुराना है। किताब में एक पूर्व हत्यारे का जिक्र किया गया है, जिसमें बताया कि 1944 में उसने येरूशलम में एक ब्रिटिश ऑफिसर की हत्या की थी। उस समय, ब्रिटिश कब्ज़े में फ़लस्तीन था और उनका मानना था कि जितने ज्यादा अंग्रेजों के शव लंदन पहुंचते हैं, उनकी आजादी का दिन उतना करीब आएगा।

इंडोनेशिया के स्कूल में नमाज पढ़ रहे छात्रों पर गिरी छत, 1 की मौत 65 मलबे में दबे

सिदोअर्जो। इंडोनेशिया में सिदोअर्जो के ईस्ट जावा कस्बे में अल खोजिनी इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल अचानक दर्दभरा हादसा हो गया। इस स्कूल में सभी छात्र दोपहर की नमाज पढ़ रहे थे तभी अचानक छत का एक हिस्सा ढह गया, इसमें एक छात्र की मौत हो गई जबकि 65 छात्र मलबे में दब गए। प्रशासन राहत एवं बचाव कार्य में जुटा हुआ है। घटना के 8 घंटे से अधिक समय बाद पुलिस, सैन्यकर्मी और बचावकर्मी आठ घायलों को बाहर निकालने में सफल रहे। बचावकर्मियों को इस दौरान और शव भी दिखे, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। प्रांतीय पुलिस के प्रवक्ता जूल्स अब्राहम अबास्ट ने बताया कि छात्र उस इमारत में दोपहर की नमाज अदा कर रहे थे। इमारत का अनधिकृत विस्तार किया जा रहा था, तभी अचानक वह गिर गई। इस निर्माण कार्य को लेकर जांच की जाएगी और उसके आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। अधिकारियों ने बताया कि सिदोअर्जो के ईस्ट जावा कस्बे में अल खोजिनी इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल स्थित है। इसकी इमारत ढहने की सूचना मिलने के बाद बचावकर्मी, पुलिस और सैन्यकर्मी पूरी रात राहत व बचावकार्य में जुटे रहे। रिपोर्ट के मुताबिक, स्कूल की इमारत जर्जर हालत में थी। घटना के 12 घंटे से भी अधिक समय बाद मंगलवार सुबह छात्रों को बाहर निकालने के प्रयास जारी रहे।

अब दिनेश कार्तिक डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 में शारजाह वॉरियर्ज़ के लिए खेलते नजर आएंगे

शारजाह,30 सितंबर (एजेंसियां)।

पूर्व भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 में अब शारजाह वॉरियर्ज़ के लिए खेलते नजर आएंगे। कार्तिक को टीम में श्रीलंका के कुसल मेंडिस की जगह शामिल किया गया है। टीम के मुख्य कोच जेपी डुमिनी ने कार्तिक के आने को बड़ा फायदा बताया है।

कार्तिक का क्रिकेट करियर दो दशकों से भी लंबा रहा है। वह आईपीएल 2013 विजेता मुंबई इंडियंस टीम का हिस्सा रहे और भारतीय टीम के साथ 2007 टी20 विश्व कप और 2013 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीत चुके हैं। हाल ही में वे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाजी कोच के तौर पर भी जुड़े थे और 2025 में टीम की पहली आईपीएल ट्रॉफी जीत में योगदान दिया।

तमिलनाडु के रहने वाले कार्तिक अपने फिनिशिंग अंदाज़ और आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। वह अक्सर टी20 मैचों के अंतिम ओवरों में बड़े शॉट लगाने और तेज़ रन बनाने में माहिर माने जाते हैं। अब तक खेले गए 412 टी20 मुकाबलों में उन्होंने 7,437 रन बनाए हैं, जिनमें 35 अर्धशतक शामिल हैं। उनका स्ट्राइक रेट 136.66 रहा है। भारत की जर्सी में उन्होंने 60 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 686 रन बनाए, स्ट्राइक रेट 142.61 के साथ।

शारजाह वॉरियर्ज़ में कार्तिक का साथ उनके पूर्व आरसीबी साथी टिम डेविड, जिम्बाब्वे के सिकंदर रज़ा, कप्तान टिम साउदी, जॉनसन चार्ल्स, टॉम कोहलर-कैडमोर और सौरभ नेत्रवलकर देंगे।

दिनेश कार्तिक ने कहा, मैं शारजाह वॉरियर्ज़ से जुड़कर बेहद उत्साहित हूं। यह एक युवा टीम है और बड़े लक्ष्य हासिल करना चाहती है। शारजाह स्टेडियम में खेलना हमेशा से एक सपना रहा है और अब यह सपना पूरा हो रहा है।

कोच जेपी डुमिनी ने कहा - दिनेश कार्तिक एक अनुभवी और बेहद इनोवेटिव खिलाड़ी हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और अनुभव हमारी टीम के लिए बड़ी संपत्ति साबित होंगे। खासकर युवा खिलाड़ियों को उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।

सीओओ क्षेमल वैनगंकर ने कहा, हम दिनेश कार्तिक जैसे महान खिलाड़ी का स्वागत करके बहुत खुश हैं। उनकी कार्यशैली, सकारात्मक ऊर्जा और तेज़ी से रन बनाने की क्षमता शारजाह वॉरियर्ज़ को और मज़बूत बनाएगी।

न्यूज़ ब्रीफ

ऐश्वर्या पिस्से ने रचा इतिहास, डबल्यू2आरसी पुर्तगाल में जीत दर्ज करने वाली एशिया और भारत की पहली महिला बनीं

पुर्तगाल। बेंगलुरु की ऐश्वर्या पिस्से ने इतिहास रचते हुए एशिया और भारत की पहली महिला बनने का गौरव हासिल किया है, जिन्होंने बीपी अल्टिमेट रैली-रेड पुर्तगाल 2025 (एफआईएम वर्ल्ड रैली-रेड चैंपियनशिप - डबल्यू2आरसी) के चौथे राउंड में अपनी श्रेणी में जीत दर्ज की। रैली2 - विमेंस कैटेगरी में प्रतिस्पर्धा करते हुए ऐश्वर्या ने न केवल अपनी श्रेणी में बाजी मारी, बल्कि अंतरराष्ट्रीय दिग्गज राइडर्स से भरे मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल 27वां स्थान भी हासिल किया। दुनिया की सबसे कठिन रैली-रेड श्रृंखला में निजी प्रतिभागी (प्राइवेटियर) के तौर पर उतरकर जीत दर्ज करना भारतीय और एशियाई मोटरस्पोर्ट्स के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। टीवीएस रेसिंग और अपने सहयोगी साझेदारों के मजबूत समर्थन के साथ ऐश्वर्या ने धैर्य, आत्मनिर्भरता और उत्कृष्टता का प्रतीक बनकर वैश्विक मंच पर पहचान बनाई है। अपनी ऐतिहासिक जीत पर ऐश्वर्या ने कहा,यह जीत मेरे लिए बेहद खास है। एशिया और भारत की पहली महिला के रूप में इस स्तर पर जीतना सिर्फ मेरा निजी माइलस्टोन नहीं है, बल्कि हर उस लड़की के लिए संदेश है जो सपनों की उड़ान भरना चाहती है। मैं टीवीएस रेसिंग और अपने सभी सहयोगियों की आभारी हूं, जिनकी बदौलत यह पल संभव हो पाया।

बिली जीन किंग कप प्ले-ऑफ के लिए महिला टीम की घोषणा, मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने 14 से 16 नवंबर तक बेंगलुरु के एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में होने वाले 2025 बिली जीन किंग कप प्ले-ऑफ के लिए भारतीय महिला टीम की घोषणा कर दी है। यह पहली बार होगा जब भारत इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के प्ले-ऑफ की मेजबानी करेगा। टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलेगा। इसमें सहजा यमालापल्ली, श्रिवल्ली भामिदिपत्य, अंकिता रैना, रिया भाटिया और प्रार्थना थोम्बरे शामिल हैं। वैदेही चौधरी को रिज़र्व खिलाड़ी के रूप में चुना गया है। टीम की कप्तानी विशाल उप्पल करेंगे जबकि राधिका कानिटकर कोच की भूमिका निभाएंगी। टीम 4 नवंबर से बेंगलुरु में अभ्यास शिविर शुरू करेगी, जिसमें ज़ील देसाई और श्रुति आहलावत भी शामिल होंगी। वहीं, युवा खिलाड़ी माया राजेश्वरन, जो क्वालिफिकेशन राउंड में रिज़र्व टीम का हिस्सा थीं, को इस बार अंतिम टीम में जगह नहीं मिली है।

कनाडा सुपर 60 में खेलेंगे सुरेश रैना टोरंटो सिक्सर्स से जुड़े

वैंकूवर। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना कनाडा सुपर 60 लीग में खेलते हुए नज़र आएंगे। यह

टूर्नामेंट 8 से 13 अक्टूबर तक वैंकूवर के बीसी प्लेस में आयोजित होगा। रैना टोरंटो सिक्सर्स की ओर से मैदान पर उतरेंगे। उनके शामिल होने से इस लीग को बड़ा बढ़ावा मिलने की उम्मीद है और दर्शकों में रोमांच भी बढ़ेगा। लेफ्ट-हैंड बल्लेबाज रैना अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और शानदार फील्डिंग के लिए मशहूर रहे हैं। इस बार वह एलेक्स हेल्स, जेसन रॉय और आंद्रे फ्लेचर जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के साथ खेलते नजर आएंगे। टोरंटो सिक्सर्स से जुड़ने को लेकर सुरेश रैना ने एक बयान में कहा, मैं कनाडा सुपर 60 का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। यह उद्घाटन संस्करण है और पहले से ही खास महसूस हो रहा है। टोरंटो सिक्सर्स की टीम संतुलित है जिसमें बड़े अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और कनाडाई प्रतिभाएं शामिल हैं। मैं उनके साथ खेलकर टीम की सफलता में योगदान देने के लिए तत्पर हूं। कनाडा सुपर 60 के संस्थापक और चेयरमैन अभिषेक शाह ने कहा, हमें खुशी है कि सुरेश रैना इस प्रतियोगिता में शामिल हो रहे हैं। उनका अनुभव और स्टार वैल्यू युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत प्रेरणादायी होगी। वहीं, टोरंटो सिक्सर्स के सीईओ सामी फरीदी ने कहा, हमारे लिए सुरेश रैना का टीम में होना सम्मान की बात है। वह वर्ल्ड कप विजेता रहे हैं और दुनिया के बड़े टूर्नामेंटों में खेल चुके हैं। छोटे प्रारूप में उनका अनुभव हमारी टीम के लिए बड़ा लाभ होगा। टोरंटो सिक्सर्स का पहला मुकाबला 8 अक्टूबर को ब्रैम्पटन ब्लिट्ज के खिलाफ होगा।

हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट 7 से 9 नवम्बर तक होगा, इस बार 12 अंतरराष्ट्रीय टीमें हिस्सा लेंगी

नई दिल्ली,30 सितंबर (एजेंसियां)।

हांगकांग के कॉनराड होटल में एक समारोह में बहुप्रतीक्षित हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट का औपचारिक रूप से ऐलान किया गया। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का 2025 संस्करण 7 से 9 नवम्बर तक टिन क्वोंग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में खेला जाएगा। इस बार 12 अंतरराष्ट्रीय टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें विश्व की नंबर एक टीम भारत, नंबर दो टीम ऑस्ट्रेलिया और टीम हांगकांग, चाइना शामिल हैं।

यह टूर्नामेंट पूरी दुनिया में होने वाले किसी भी अन्य क्रिकेट आयोजन से पूरी तरह से अलग है। अपनी अनोखी शैली के लिए प्रसिद्ध इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट की शुरुआत 33 वर्ष पहले की गई थी। भविष्य के सितारों से सजा यह टूर्नामेंट इस वर्ष और भी खास होने जा रहा है, जिसमें वीकेंड पर कम्युनिटी फैन पार्क भी शामिल किया गया है।

इसके बारे में बात करते हुए क्रिकेट हांगकांग, चीन के चेयरपर्सन बुरजी श्रॉफ ने कहा, हांगकांग सिक्सेस हमारे लिए केवल क्रिकेट का एक मंच नहीं बल्कि, हमारी सामुदायिक भावना और खेल के प्रति साझा जुनून का प्रतीक है। यह टूर्नामेंट हर वर्ग के लोगों, प्रशंसकों व खिलाड़ियों के बीच आपसी भाईचारे को मजबूत करता है। यह न केवल खिलाड़ियों की प्रतिभा, बल्कि हमारे खूबसूरत शहर की जीवंत संस्कृति और समृद्ध विरासत को भी दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा, हम आभारी हैं कि सरकार ने लगातार दूसरे वर्ष हमें 'एम' मार्क स्टेटस और मेजर स्पोर्ट्स इवेंट्स कमेटी से फंडिंग सहयोग प्रदान किया है।

चर्चा को आगे बढ़ते हुए मेजर स्पोर्ट्स इवेंट्स कमेटी के चेयरमैन विलफ्रेड एनजी ने कहा, हम क्रिकेट हांगकांग, चाइना के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल के आयोजन ने भागीदार बनकर काफी खुशी महसूस कर रहे हैं। यह टूर्नामेंट स्थानीय खिलाड़ियों को घरेलू मैदान पर खेलने का अवसर देता है और जनता को उच्च स्तरीय प्रतियोगिताएं देखने का मौका प्रदान करता है। इससे खेल संस्कृति और सामुदायिक गौरव को बढ़ावा मिलता है तथा हांगकांग को प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के केंद्र के रूप में स्थापित करने के हमारे उद्देश्य को और मजबूत करता है।

क्रिकेट हांगकांग, चाइना के मार्केटिंग और कमर्शियल निदेशक अनुराग भटनागर ने कहा, 12 अंतरराष्ट्रीय टीमों में क्रिकेट दिग्गजों और युवा सितारों की मौजूदगी से इस बार प्रतिभा का स्तर अभूतपूर्व होगा। हमें उम्मीद है कि खेल की गुणवत्ता और रोमांच अपने चरम पर रहेगा। यह सिर्फ एक बड़ा क्रिकेट आयोजन नहीं, बल्कि हमारे शहर को पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर भी है।

अरीवा स्पोर्ट्स के सह-संस्थापक और वाणिज्यिक साझेदार रजनीश चोपड़ा ने कहा, सिक्सेस ऐसा आयोजन है जिसे हम वर्षों से देखते आ रहे हैं। हम हमेशा से किसी अलग तरह के अंतरराष्ट्रीय आयोजन पर काम करना चाहते थे और सिक्सेस ऐसा टूर्नामेंट है जिसमें परंपरा भी है और खेल को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने की क्षमता भी। हम इसका हिस्सा बनकर बेहद उत्साहित हैं।

इवेंट का आधिकारिक साझेदार हांगकांग जॉकी क्लब है, जिसके साथ मिलकर जॉकी क्लब हांगकांग क्रिकेट सिक्सेस कम्युनिटी प्रोग्राम आयोजित किया जाएगा, जो स्थानीय लोगों में क्रिकेट को बढ़ावा देगा। इसमें मास्टरक्लास, अन्य खेल व सांस्कृतिक स्टॉल्स भी शामिल होंगे। पहली बार क्रिकेट हांगकांग, चाइना ने सांस्कृतिक बूथ और मिनी क्रिकेट अनुभव को प्रदर्शनी के रूप में टूर्नामेंट स्थल पर शामिल किया है। यहां चार बूथ लगाए जाएंगे जहां जनता खेल का अनुभव ले सकेगी। इस कार्यक्रम के तहत दिव्यांग और वंचित समुदाय के लिए निःशुल्क टिकट भी दिए जाएंगे ताकि उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले एम मार्क इवेंट का आनंद लेने का समान अवसर मिल सके।

प्रतियोगिता का प्रारूप

इस बार 12 अंतरराष्ट्रीय टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें विश्व की नंबर एक टीम भारत, नंबर दो टीम ऑस्ट्रेलिया और टीम हांगकांग, चाइना शामिल हैं।

पूल एः दक्षिण अफ्रीका (ए1), अफगानिस्तान (ए2), नेपाल (ए3)**पूल बीः** ऑस्ट्रेलिया (बी1), इंग्लैंड (बी2), यूएई (बी3)**पूल सीः** भारत (सी1), पाकिस्तान (सी2), कुवैत (सी3)**पूल डीः** श्रीलंका (डी1), बांग्लादेश (डी2), हांगकांग, चाइना (डी3)

पूल स्टेज के बाद हर ग्रुप की शीर्ष 2 टीमें क्वार्टर फाइनल में जाएंगी। क्वार्टर फाइनल के विजेता कप सेमीफाइनल खेलेंगे और हारने वाली टीमें प्लेट सेमीफाइनल में उतरेंगी। प्रत्येक ग्रुप की सबसे निचली टीम बाउल प्रतियोगिता खेलेगी। तीन दिनों में कुल 29 मैच खेले जाएंगे। प्रत्येक मैच 6 ओवर का होगा, हर टीम में 6 खिलाड़ी होंगे और हर गेंदबाज एक ओवर डालेगा (विकेटकीपर को छोड़कर), एक गेंदबाज 2 ओवर फेंक सकता है।

आर्चरी प्रीमियर लीग मेरे ओलंपिक सपनों की राह का पुल साबित हो सकती है- दीपिका कुमारी

नई दिल्ली,30 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत की स्टार तीरंदाज और पूर्व विश्व नंबर-1 दीपिका कुमारी ने आने वाली आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) को भारतीय तीरंदाजी के लिए ऐतिहासिक कदम बताया है। दीपिका का मानना है कि यह पेशेवर फ्रेंचाइज़ी-आधारित प्रतियोगिता उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका देगी, जो लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 में पदक जीतने की उनकी तैयारी में अहम भूमिका निभाएगी। दीपिका, जो संभवतः अपने करियर का पाँचवाँ और अंतिम ओलंपिक 2028 में खेलेंगी, ने कहा कि एपीएल जैसी प्रतियोगिता उनके खेल को निखारने और अल्टीमेट टारगेट हासिल करने के लिए बेहद ज़रूरी है। उन्होंने एक बयान में कहा, मेरे लिए लॉस एंजेलिस 2028 सबसे बड़ा लक्ष्य है। मैंने हमेशा ओलंपिक पोडियम पर खड़े होने का सपना देखा है और मुझे विश्वास है कि आर्चरी प्रीमियर लीग उस सपने तक पहुँचने की ताकत बनेगी। यह लीग हमें वही दबाव और माहौल देगी, जो ओलंपिक में महसूस होता है—भरे स्टेडियम, हर तीर की अहमियत और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला। ऐसे माहौल में खेलना मुझे और मज़बूत बनाएगा। भारत में तीरंदाजी का चेहरा मानी जाने वाली दीपिका पिछले एक दशक से लगातार देश का परचम लहरा रही हैं। जमशेदपुर से अंतरराष्ट्रीय मंच तक का उनका सफर अनगिनत युवाओं के लिए प्रेरणा रहा है। कई बार विश्व नंबर-1 रैंकिंग हासिल करने वाली दीपिका ने वर्ल्ड कप में कई पदक जीते हैं। वह पद्मश्री और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित हो चुकी हैं। दीपिका ने कहा कि एपीएल में अमेरिकी दिग्गज और कई बार के ओलंपिक पदक विजेता ब्रैडी एलिसन जैसे सितारों के साथ खेलने से अपार अनुभव मिलेगा। उन्होंने कहा, जब भारतीय और अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज एक ही टीम में होंगे, तो हम प्रशिक्षण पद्धतियाँ, रणनीतियाँ और मानसिकता साझा करेंगे। यही तरीका स्तर को ऊँचा उठाने का है। मैं उत्साहित हूँ कि हम एक-दूसरे को कैसे बेहतर बनाएंगे।, अपने व्यक्तिगत लक्ष्य से आगे बढ़कर दीपिका ने ज़ोर दिया कि एपीएल जमीनी स्तर की प्रतिभाओं के लिए भी क्रांतिकारी साबित होगी। उन्होंने कहा, तीरंदाजी महंगा खेल है। गाँवों में कई प्रतिभाशाली बच्चे होते हैं, लेकिन वे उपकरण और अकादमी का खर्च नहीं उठा पाते।

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में योगेश कथुनिया ने पुरुष डिस्कस F56 इवेंट में जीता रजत

नई दिल्ली। भारतीय पैरा एथलीट योगेश कथुनिया ने यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रहे वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में मंगलवार को पुरुष डिस्कस थ्रो इवेंट में रजत पदक जीता। योगेश ने अपने दूसरे प्रयास में 42.49 मीटर का थ्रो किया, जो केवल ब्राजील के क्लाउडिनी बस्टिस्टा के 45.67 मीटर के थ्रो से पीछे था, जिन्होंने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। ग्रीस के कोंस्टेंटिनोस ज़ोनिस ने 39.97 मीटर की दूरी के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। यह योगेश का लगातार तीसरा रजत पदक हैं, उन्होंने इसे 2023 और 2024 में फ्रांस और जापान में आयोजित प्रतियोगिताओं में भी जीता था। भारत ने इस प्रतियोगिता में अब तक कुल छह पदक जीते हैं, जिनमें दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य शामिल है ।

हेरिटेज एक्सपेरिएंशल लर्निंग स्कूल ने ड्रीम डैश 2025 नेशनल फिनाले में जीते 10 पदक, उसैन बोल्ट ने बढ़ाया उत्साह

नई दिल्ली,30 सितंबर (एजेंसियां)।

गुरुग्राम स्थित हेरिटेज एक्सपेरिएंशल लर्निंग स्कूल के होनहार खिलाड़ियों ने ड्रीम डैश 2025 नेशनल फिनाले में शानदार प्रदर्शन करते हुए सोमवार को कुल 10 पदक अपने नाम किए। देशभर के बेहतरीन प्रतिभागियों के बीच मुकाबले में स्कूल के खिलाड़ियों ने अनुशासन, जज्बे और उत्कृष्टता का परिचय देते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया।

ड्रीम डैश, जो भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय स्कूल एथलेटिक्स कार्यक्रम है, में 15 शहरों के 400 से अधिक स्कूलों के 7,000 से ज्यादा विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कई महीनों तक चले शहर-स्तरीय क्वालिफायर मुकाबलों के बाद दिल्ली-एनसीआर में आयोजित राष्ट्रीय फिनाले में हेरिटेज एक्सपेरिएंशल स्कूल के एथलीट्स ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया और सबसे सफल दलों में शामिल रहे। इस प्रतियोगिता की खासियत रही ओलंपिक चैम्पियन और विश्व एथलेटिक्स के दिग्गज उसैन बोल्ट की मौजूदगी, जिनकी उपस्थिति ने खिलाड़ियों का उत्साह दोगुना कर दिया। उनके साथ मुलाकात युवा एथलीट्स के लिए जीवनभर की प्रेरणा बन गई। स्कूल की पदक सूची का नेतृत्व प्रत्युष नायक और शुभ मंत्रि ने किया, जिन्होंने 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ में डबल गोल्ड जीते। नंदिका जैन ने 200 मीटर में स्वर्ण और 100 मीटर में रजत हासिल किया, जबकि रिनायरा दलाल ने 100 मीटर में रजत अपने नाम किया। अवनी अग्रवाल ने 200 मीटर में कांस्य पदक जीता और सेहर अरोड़ा सुवर्णा ने भी अपने वर्ग में कांस्य पदक दिलाया। वहीं, आयान नथानी ने 200 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतकर कुल पदकों की संख्या 10 पर पहुंचाई।

दिग्गज ओलंपियन कार्ल लुईस बने वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 2025 के इंटरनेशनल इवेंट एम्बेसडर

नई दिल्ली,30 सितंबर (एजेंसियां)।

वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 2025, जिसे प्रोकेम इंटरनेशनल प्रमोट कर रहा है, ने इस वर्ष इतिहास के महानतम एथलीटों में से एक कार्ल लुईस को इंटरनेशनल इवेंट एम्बेसडर बनाया है। नौ बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता कार्ल लुईस 12 अक्टूबर को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से प्रतिष्ठित दौड़ का उद्घाटन करेंगे।

कार्ल लुईस का शानदार करियर आज भी खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने चार ओलंपिक खेलों में भाग लिया और कुल नौ स्वर्ण पदक जीते, जो आधुनिक ओलंपिक इतिहास में किसी भी ट्रैक और फील्ड एथलीट द्वारा जीते गए सबसे अधिक स्वर्ण पदक हैं।

1984 के लॉस एंजेलिस ओलंपिक में लुईस ने अपने प्रदर्शन से वैश्विक ख्याति हासिल की। उन्होंने 100 मीटर (9.99 सेकंड), 200 मीटर (19.8 सेकंड), लंबी कूद (8.54 मीटर) और 4म100 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीतकर जेस्सी ओवेन्स के 1936 बर्लिन ओलंपिक कारनामे के समान इतिहास रचा। यह उपलब्धि उन्हें ओलंपिक इतिहास के केवल तीसरे एथलीट बनाती है जिन्होंने एक ही खेलों में चार स्वर्ण पदक जीते।

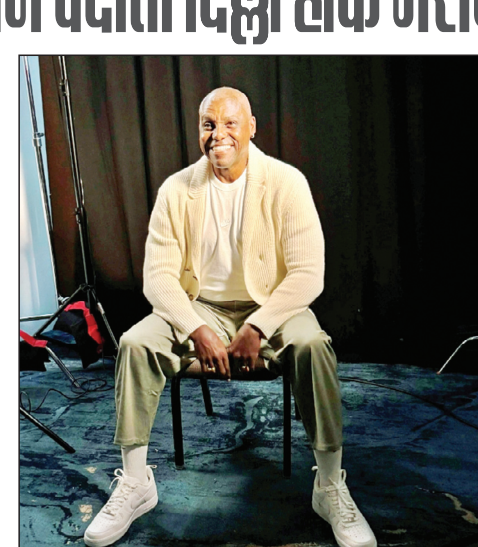

इसके बाद उन्होंने 1988 सियोल ओलंपिक में 100 मीटर फाइनल में विश्व रिकॉर्ड समय और 1992 बार्सिलोना में लंबी कूद में 8.67 मीटर तथा 4×100 मीटर रिले (37.40 सेकंड) में विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया। उन्होंने अपने करियर का समापन 1996 एटलांटा ओलंपिक में लगातार चौथा लंबी कूद स्वर्ण जीतकर किया। कार्ल लुईस केवल तीन ओलंपियनों में से एक हैं जिन्होंने एक ही व्यक्तिगत इवेंट में चार बार स्वर्ण जीता। उनके रिकॉर्ड मानव क्षमता और उत्कृष्टता का प्रतीक हैं।

कार्ल लुईस ने एक बयान में कहा, दौड़ना संभावना और प्रगति की सार्वभौमिक भाषा है। वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन जैसी प्रतियोगिताएं साबित करती हैं कि खेल केवल रिकॉर्ड और पदक तक सीमित नहीं हैं; यह जीवन बदलता है, समुदाय बनाता है और सपनों को प्रेरित करता है। मैं इस यात्रा का हिस्सा बनकर खुश हूँ, यह जानते हुए कि हर धावक, चाहे वह पहली बार दौड़ रहा हो या प्रतिष्ठित एथलीट, बाधाओं को तोड़ने, प्रेरित करने और नई सीमाओं को पार करने की शक्ति रखता है। आइए हम सिर्फ गति के लिए नहीं, बल्कि उस आत्मा के लिए दौड़ें जो हमें हर दिन आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

वेदांता लिमिटेड की गैर-कार्यकारी निदेशक प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने कहा, हमारे इंटरनेशनल इवेंट एम्बेसडर के रूप में दिग्गज कार्ल लुईस का स्वागत करना हमारे लिए गर्व की बात है। उनकी यात्रा असीम मानव क्षमता का उदाहरण है, जो वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन की प्रेरणा से मेल खाती है। हर किलोमीटर हमें एक मजबूत और स्वस्थ भारत के करीब ले जाता है।

प्रोकेम इंटरनेशनल के संयुक्त प्रबंध निदेशक विवेक सिंह ने कहा, कार्ल केवल अपनी उपलब्धियों से ही महान नहीं हैं, बल्कि उनके खेल में विश्वास से भी प्रेरित करते हैं। उनकी भागीदारी भारत के हर धावक के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत है। वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन दृढ़ संकल्प और प्रगति का प्रतीक है, और कार्ल जैसे आइकन के साथ, हम आशा करते हैं कि हर प्रतिभागी अपने सपनों को पूरा करने और अपनी खुद की विरासत बनाने का साहस पाए।

एडीबी का अनुमान- वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 फीसदी की दर से बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली,30 सितंबर (एजेंसियां)।

एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। एडीबी ने कहा कि भारतीय सामानों पर अमेरिकी टैरिफ का दूसरी तिमाही में असर पड़ेगा, जिससे गति में गिरावट आएगी।

एडीबी ने मंगलवार को जारी अपने ताजा एशियन डेवलपमेंट आउटलुक (एडीओ) में कहा कि पहली तिमाही में 7.8 फीसदी की मजबूत विकास दर के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान है। एडीबी का कहना है कि भारतीय निर्यात पर अमेरिकी शुल्क का प्रभाव विशेष रूप से दूसरी छमाही की संभावनाओं को कम करेगा। इससे पहले अप्रैल में एडीबी ने अपने एशियन डेवलपमेंट आउटलुक में भारत की जीडीपी 7 फीसदी की दर से बढ़ोने का अनुमान जताया था। इसे भारत से निर्यात होने वाले माल पर अमेरिका के 50 फीसदी शुल्क लगाए जाने की चिंता के कारण जुलाई की अपनी रिपोर्ट में आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.5 फीसदी कर दिया था। एशियन डेवलपमेंट बैंक ने अपने एडीओ में कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में बेहतर खपत और सरकारी व्यय के कारण जीडीपी में 7.8 फीसदी की मजबूत वृद्धि हुई है, लेकिन भारतीय निर्यात पर अतिरिक्त अमेरिकी शुल्क से विकास दर में कमी आएगी। खासकर चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही और वित्त वर्ष 2026-27 मेंज। एशियन डेवलपमेंट आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार शुल्क लागू होने के कारण निर्यात में कमी का असर चालू वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 दोनों में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर पड़ेगा। इसके परिणामस्वरूप शुद्ध निर्यात अप्रैल में पहले के अनुमान से अधिक तेजी से घटेगा। इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया है कि कर राजस्व वृद्धि में कमी के कारण राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 4.4 फीसदी के बजट अनुमान से अधिक रहने की संभावना है।

न्यूज ब्रीफ

त्योहारी सीजन में जीएसटी कटौती से बाजार में उछाल, बिक्री दोगुनी तक पहुंची

नई दिल्ली। देशभर में जीएसटी दरों में कटौती के बाद त्योहारी सीजन में खरीदारी का उछाल देखने को मिला है। नवरात्रि के दौरान कार, दोपहिया वाहन, टीवी, फ्रिज, और प्रीमियम घड़ियों की बिक्री में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। कारोबारियों के मुताबिक कई श्रेणियों में बिक्री दोगुनी से अधिक हो गई है। मारुति सुजुकी, ह्यूंडई, और टाटा मोटर्स जैसी कंपनियों की कारों की बिक्री नवरात्रि में 100 से 133 प्रतिशत तक बढ़ी है। त्योहारी मांग केवल शहरी इलाकों तक सीमित नहीं रही, बल्कि ग्रामीण बाजारों में भी प्रीमियम उत्पादों की खरीदारी में तेजी देखी गई है। अच्छे मानसून और त्योहारी ऑफर्स की वजह से ग्रामीण क्षेत्र के ग्राहक भी महंगे उत्पादों को खरीदने लगे हैं। ट्रैक्टर की बिक्री में भी 30 से 40 प्रतिशत तक वृद्धि की उम्मीद है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। वहीं त्योहारी सीजन में ई-कॉमर्स क्षेत्र की बिक्री में 27 प्रतिशत की तेजी की उम्मीद जताई जा रही है। इस दौरान ई-कॉमर्स कंपनियां लगभग 1.2 लाख करोड़ रुपये के उत्पाद बेचेंगी। क्विक कॉमर्स के ऑर्डर में 85 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जो तेज डिलीवरी की बढ़ती मांग को दर्शाता है। यह क्विक कॉमर्स को त्योहारी सेल का एक प्रमुख विकास चालक बना रहा है। त्योहारी सीजन के दौरान सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) की कर्ज मांग 35-40 प्रतिशत बढ़कर 3.45 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। इससे पता चलता है कि कारोबारियों को विस्तार के लिए वित्तीय मदद की जरूरत अधिक हो रही है।

रिलायंस पावर ने इंडोनेशिया की 5 सहायक कंपनियां 12 मिलियन डॉलर में बेचीं

मुंबई। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर ने इंडोनेशिया में स्थित अपनी 5 सहायक कंपनियों को 12 मिलियन डॉलर में बेचने की घोषणा की है। यह ट्रांजेक्शन सोमवार को हुआ, जिसके बाद कंपनी के शेयरों में करीब 3 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। बीएसई में रिलायंस पावर का शेयर 44.94 रुपये के स्तर पर खुला और इंट्रा-डे हाई 46 रुपये तक पहुंच गया। रिलायंस पावर ने इंडोनेशिया की पांच कंपनियों पीटी अवनिश कोल रिसोर्सज, पीटी हेरामबा गोयल, पीटी सुमुखा व अन्य को बेचने का फैसला किया है। यह डील रिलायंस पावर नीदरलैंड्स बीवी और रिलायंस नेचुरल रिसोर्सेज (सिंगापुर) के माध्यम से की गई है। इन पांचों कंपनियों की कुल नेट वर्थ 16909 लाख रुपये है, जो रिलायंस पावर के कुल नेट वर्थ का मात्र 0.53 प्रतिशत है। कंपनी ने बताया कि इन सहायक कंपनियों से वित्त वर्ष 2025 में कोई भी आय नहीं हुई है। खरीदार कंपनी प्रमोटर ग्रुप से संबंधित नहीं है और रिलायंस ग्रुप के साथ इनका कोई संबंध नहीं है। इस डील के पूरा होने की उम्मीद 30 दिसंबर तक है। रिलायंस पावर के शेयरों में डील की खबर के बाद सकारात्मक तेजी आई है। कंपनी के शेयरों ने पिछले एक साल में 3.93 प्रतिशत की गिरावट झेली है, जबकि पांच वर्षों में 1468 प्रतिशत का आकर्षक रिटर्न दिया है।

भारत का केबल और वायर उद्योग: तेजी से बढ़ती मांग और मजबूत भविष्य

नई दिल्ली। भारत का केबल और वायर (सीएंडडब्ल्यू) उद्योग वर्तमान में जबरदस्त विकास के दौर से गुजर रहा है। तेजी से बढ़ रहे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, रिन्यूएबल एनर्जी में निवेश, इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या में वृद्धि और मजबूत रियल एस्टेट सेक्टर इस उद्योग की मांग को बढ़ावा दे रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, निवेशकों की चिंताओं के बावजूद, इस सेक्टर के लंबे समय तक बढ़ने के कारण सुरक्षित हैं। हालांकि नए खिलाड़ियों के आने से प्रतिस्पर्धा बढ़ने का डर था, लेकिन अभी तक बाजार में स्थिति संतुलित है। नए प्रोजेक्ट बड़े पैमाने पर शुरू नहीं हुए हैं और मजबूत घरेलू मांग अतिरिक्त सप्लाई को सहन कर रही है। कच्चे माल जैसे कॉपर और एल्यूमिनियम की बढ़ती कीमतों का असर कंपनियां ग्राहकों पर डाल पा रही हैं, जिससे रेवेन्यू ग्रोथ पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है। वित्त वर्ष 20 से भारत सीएंडडब्ल्यू का नेट एक्सपोर्टर बन गया है। वित्त वर्ष 17 से वित्त वर्ष 25 के बीच निर्यात लगभग 19 फीसदी सालाना दर से बढ़ा है। अमेरिका और यूएई जैसे बाजारों में निर्यात तेजी से बढ़ा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जस्टिस डिलेड ...

प्रत्येक न्यायाधीश को प्रतिदिन सैकड़ों मामलों का सामना करना पड़ता है। कभी-कभी तो 1,000 से भी ज्यादा। केवल पांच घंटे काम करने पर, यानि प्रति मामले एक मिनट से भी कम समय। व्यवहारिक तौर पर देखें तो कई मामलों की सुनवाई ही नहीं होती।

वकीलों का कहना है कि जमानत याचिका या बेदखली स्थगन जैसे जरूरी मामलों की सुनवाई पहले की जाती है, जिससे पुराने मामले सूची में नीचे खिसक जाते हैं। वरिष्ठ वकील कहते हैं कि अदालतें अक्सर जरूरी मामलों में अंतरिम या अस्थायी आदेश जारी करती हैं। लेकिन एक बार तत्काल जरूरत पूरी हो जाने के बाद, नए मामलों के ढेर लग जाने से मामला लटक जाता है। सेवानिवृत्त न्यायाधीश अमर सरन कहते हैं कि बढ़ते लंबित मामलों ने न्यायाधीशों को सरल दृष्टिकोण अपनाने पर मजबूर कर दिया है।

अभी हाल ही, अदालत को 40 साल से ज्यादा समय से लंबित एक बलात्कार और हत्या के मामले में फैसला सुनाते समय अपनी देरी की गंभीरता का सामना करना पड़ा। फैसला सुनाए जाने तक, पांच दोषियों में से चार की मृत्यु हो चुकी थी। एकमात्र जीवित बचे दोषी को आत्मसमर्पण करने का आदेश देते हुए, अदालत ने स्वीकार किया कि उसे पहले फैसला न सुना पाने का पछतावा है। लंबित मामलों के कारण कानूनी कार्रवाई भी हुई है। इस साल की शुरुआत में, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के वकीलों के एक समूह ने और अधिक न्यायिक नियुक्तियों की मांग करते हुए कहा था कि न्यायाधीशों की कमी के कारण अदालत पंगु हो गई है, जिसके कारण मामले सालों तक लटके रहते हैं।इस संकट ने भारत की सर्वोच्च अदालत का ध्यान खींचा है। जनवरी में, सर्वोच्च न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में मामलों की सूची के अप्रत्याशित होने को चिंताजनक बताया था और कहा था कि व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। अनिश्चित सुनवाई की तारीखें लोगों को, खासकर विशाल उत्तर प्रदेश में, बहुत प्रभावित करती हैं। कई लोग अपनी सुनवाई के लिए बस कुछ ही दिनों की सूचना पर सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा करके प्रयागराज पहुंचते हैं, जहां अदालत स्थित है।बाबू राम राजपूत कानपुर के रहने वाले हैं, जो प्रयागराज से 200 किलोमीटर (125 मील) दूर है। हर बार जब उनका मामला सूचीबद्ध होता है, तो उन्हें लगभग चार घंटे का सफर तय करना पड़ता है। फिर भी उन्हें कभी यकीन नहीं होता कि उनकी सुनवाई होगी भी या नहीं। वे कहते हैं, मेरी उम्र 70 से ज्यादा है। मुझे अक्सर कुछ दिन पहले ही पता चलता है कि मेरा मामला सूचीबद्ध है, जिससे सफर करना मुश्किल हो जाता है। वे कहते हैं कि कई बार उनके मामले की सुनवाई नहीं हो पाती क्योंकि दूसरे मामले पूरा दिन ले लेते हैं।वकील लंबे समय से अदालत से राज्य के पश्चिमी हिस्से में एक और पीठ स्थापित करने का आग्रह कर रहे हैं। पहुंच आसान बनाने और सुनवाई में तेजी लाने के लिए किसी दूसरे शहर खास तौर पर मेरठ या गाजियाबाद में उच्च न्यायालय की एक और शाखा जरूरी है। वर्तमान में, लखनऊ शहर में एक अतिरिक्त पीठ मौजूद है। 1985 में एक सरकारी आयोग ने भी इसी तरह की सिफ़ारिश की थी, लेकिन उसे अभी तक लागू नहीं किया गया है।इस साल की शुरुआत में, राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय से एक और पीठ स्थापित करने का आग्रह किया था, लेकिन बाद में अज्ञात कारणों से पत्र वापस ले लिया गया। अधिक पीठों की मांग केवल उत्तर प्रदेश तक ही सीमित नहीं है। 2009 की विधि आयोग की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि सभी राज्यों को अतिरिक्त उच्च न्यायालय शाखाओं से लाभ होगा। हालांकि नई पीठें दीर्घकालिक रूप से मददगार हो सकती हैं, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि अधिक न्यायाधीशों की नियुक्ति जैसे त्वरित समाधान की आवश्यकता है।लेकिन यह प्रक्रिया धीमी और जटिल है। उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश पहले उम्मीदवारों की सूची बनाते हैं, फिर राज्य और संघीय सरकारें, और भारत के मुख्य न्यायाधीश, उस सूची की समीक्षा करते हैं। इसके बाद, सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश नियुक्ति के लिए अंतिम सूची संघीय सरकार को भेजते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सही उम्मीदवारों का चयन अक्सर चुनौतीपूर्ण होता है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश गोविंद माथुर का कहना है कि अक्सर राज्य के बाहर से नियुक्त मुख्य न्यायाधीश स्थानीय वकीलों या न्यायाधीशों को नहीं जानते होंगे, जिससे सिफारिशें जटिल हो जाती हैं। नामों को किसी भी स्तर पर अस्वीकार किया जा सकता है और सर्वोच्च न्यायालय द्वारा उन्हें सरकार को भेजे जाने तक गोपनीय रखा जा सकता है।

पिछले साल, सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के लिए केवल एक नियुक्ति की सिफारिश की थी, जबकि लगभग आधी सीटें खाली थीं। इस साल 40 नए न्यायाधीशों की नियुक्ति के बाद कुछ प्रगति हुई, जिनमें से 24 की नियुक्ति पिछले हफ़्ते हुई। लेकिन लंबित मामलों की संख्या अभी भी बनी हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि लंबित मामलों की संख्या इतनी ज्यादा है कि पूरी क्षमता होने पर भी, प्रत्येक न्यायाधीश 7,000 से ज्यादा लंबित मामलों को संभालेगा।

अप्रैल से दिसंबर 2023 के बीच राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) को बच्चों से जुड़े अपराधों की करीब एक लाख शिकायतें मिलीं। इनमें सबसे अधिक 39,500 शिकायतें उपेक्षित, दिव्यांग और हाशिए पर पड़े बच्चों की देखभाल से जुड़ी थीं। बाल श्रम और संकटग्रस्त बच्चों से जुड़े लगभग 20 हजार मामलों में से 19,645 अब भी लंबित हैं। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीस-ीआर) को पिछले साल अप्रैल से दिसंबर के बीच बाल अपराधों से जुड़ीं लगभग एक लाख शिकायतें मिलीं। इसमें सर्वाधिक 39,500 मामले किशोर न्याय और उपेक्षित, हाशिए पर पड़े या दिव्यांग बच्चों की देखभाल से संबंधित थीं। वहीं, बाल श्रम और संकटग्रस्त बच्चों से संबंधित शिकायतों की कुल संख्या लगभग 20 हजार थी। इसमें से 2024 के अंत तक 19,645 मामले लंबित थे।

महिला और बाल विकास मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, एनसीपीसीआर ने अपर्याप्त पुनर्वास सेवाएं, बाल देखभाल संस्थानों की खराब स्थिति और दिव्यांग बच्चों के लिए सीमित सहायता जैसे मुद्दे सबसे अधिक रिपोर्ट किए। शिकायतों की सबसे बड़ी श्रेणी किशोर न्याय और उपेक्षित, दिव्यांग बच्चों की देखभाल से संबंधित थी। इसमें 39,500 से अधिक केस दर्ज किए गए। इनमें से 18,954 का 2024 के अंत तक समाधान कर दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, बाल स्वास्थ्य, देखभाल और विकास की श्रेणी में 18,500 से अधिक शिकायतें दर्ज की गईं। शिक्षा संबंधी शिकायतों के 8,200 से अधिक मामले थे। वहीं पॉक्सो अधिनियम के तहत 6,800 से अधिक शिकायतें दर्ज की गईं। इसमें यौन शोषण, शोषण और बाल संरक्षण कानूनों के उल्लंघन के मामले शामिल थे। इसके अलावा, बाल तस्करी की 46 शिकायतें मिलीं।

संशोधन के बाद...

मुजफ्फरपुर से 282845, गोपालगंज से 310363, सीवान से 221711, सारण से 273223, वैशाली से 225953, समस्तीपुर से 283955, बेगू-सराय से 167756, खगड़िया से 79551, भागलपुर से 244612, बांका से 117346, मुंगेर से 74916, लखीसराय से 48824, शेखपुरा से 26256, नालंदा से 138505, पटना से 395500, भोजपुर से 190832, बक्सर से 87645, कैमूर (भभुआ) से 73940, रोहतास से 156148, अरवल से 30180, जहानाबाद से 53089, औरंगाबाद से 159980, गया से 245663, नवादा से 126450 और जमुई से 91882 मतदाताओं का नाम हटा दिया गया है। सूची प्रारूप में इनके नाम नहीं हैं।

वांगचुक की ...

करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) ने भी केंद्र से बातचीत न करने की घोषणा की। केडीए नेता सज्जाद करगिली ने गिरफ्तार लोगों की रिहाई की मांग की है।लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और क्षेत्र की पहचान को कायम रखने के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपाय करने की मांग को लेकर आंदोलन जारी है। इसका नेतृत्व कर रहे लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) ने पुलिस गोलीबारी की न्यायिक जांच शुरू होने और सोनम वांगचुक सहित सभी कार्यकर्ताओं को बिना शर्त रिहा किए जाने तक बातचीत में शामिल नहीं होने की घोषणा की। एलएबी ने कहा कि अगर सरकार सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में न्यायिक जांच का आदेश देने और सभी कैदियों को रिहा करने की मांगें मान लेती है तो वह बैठक में शामिल नहीं होने के अपने फैसले पर विचार करेगी और 6 अक्टूबर को वार्ता में शामिल होगी। दोनों नेताओं ने कहा, हम गृह मंत्रालय और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन से आग्रह करेंगे कि वे वहां व्याप्त भय, गम और आक्रोश के माहौल को दूर करने के लिए कदम उठाएं।फबातचीत का बहिष्कार करने की घोषणा प्रदर्शन में हुई हिंसा के दौरान मारे गए चौथे मृतक का कर्फ्यूग्रस्त लद्दाख की राजधानी में भारी सुरक्षा के बीच अंतिम संस्कार किए जाने के कुछ घंटों बाद की गई। मृतक पूर्व सैनिक था।गृह मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि सरकार लद्दाख मामलों पर एलएबी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के साथ बातचीत के लिए हमेशा तैयार है। इसमें कहा गया, हम लद्दाख पर उच्चाधिकार प्राप्त समिति या ऐसे किसी भी मंच के माध्यम से लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के साथ चर्चा का स्वागत करते रहेंगे। बयान में क्षेत्र में विकास और रोजगार लाने वाले पिछले नतीजों की ओर इशारा किया गया। इसके मुताबिक, लद्दाख को लेकर संवाद करने के लिए गठित तंत्र से अब तक अच्छे परिणाम मिले हैं, जैसे लद्दाख की अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण में वृद्धि, एलएएचडीसी में महिलाओं के लिए आरक्षण प्रदान करना और स्थानीय भाषाओं को संरक्षण प्रदान करना। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में 1800 सरकारी पदों पर भर्ती की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। हमें विश्वास है कि निरंतर बातचीत से निकट भविष्य में सही नतीजे हासिल होंगे।एबीएल ने लद्दाखियों पर लगे राष्ट्र-विरोधी ठप्पे और सोनम वांगचुक समेत सभी गिरफ्तार लोगों को जेल से रिहा करने की मांग की है। एबीएल का आरोप है कि सोनम वांगचुक को एबीएल में शामिल होने के बाद निशाना बनाया गया। एबीएल राजनीतिक और धार्मिक समूहों का प्रतिनिधित्व करता है। यह संगठन लद्दाख के लिए छठी अनुसूची के तहत सुरक्षा उपायों और राज्य के दर्जे की मांग कर रहा है। एबीएल के सह-अध्यक्ष चेरिंग दोरजे लाक्रुक ने कहा कि हमें राष्ट्र-विरोधी बताना हमारी देशभक्ति पर एक धब्बा है। उन्होंने आगे कहा कि हम बंदूक की नोक पर बातचीत नहीं कर सकते।लद्दाख के प्रतिनिधियों ने मांग की है कि प्रदर्शनकारियों के मौत की जांच सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज करें। इसके साथ ही प्रतिनिधियों ने सरकार से सोनम वांगचुक और सभी गिरफ्तार लोगों को रिहा करने की भी मांग की है। इन्हीं मांग को लेकर प्रतिनिधियों ने सरकार से 6 अक्टूबर को होने वाली बातचीत से इनकार कर दिया है।

95% क्षेत्र नियंत्रण...

अभियान चलाया जा रहा है। बलोच लड़ाके युद्ध में अनुभवी हैं और उन्हें बलोच लोगों का पूरा समर्थन प्राप्त है। इसके विपरीत पाकिस्तानी सैनिकों को बलोच धरती पर विदेशी कब्जाधारी के तौर पर देखा जाता है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। पाकिस्तान ने क्षेत्रों में टैंक, बख्तरबंद काफिले, एसएसजी कमांडो और नियमित सेना की दो पूर्ण पैदल सेना इकाइयां भेजी हैं। दोनों पक्षों के बीच विभिन्न हिस्सों में भीषण झड़पें जारी हैं।

बलूच नेता ने मीर यार बलूच ने सोशल मीडिया पर लिखा कि बलूचिस्तान गणराज्य की कानून प्रवर्तन एजेंसियों, सीमा सुरक्षा बलों और रक्षा बलों ने बलूचिस्तान के संप्रभु क्षेत्र में तैनात अवैध और विदेशी पाकिस्तानी आतंकवादी मिलिशिया इकाइयों को निशाना बनाकर सफलतापूर्वक अभियान चलाया है। इस मुठभेड़ के दौरान, पाकिस्तानी आतंकी घुसपैठियों के वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और उन्होंने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि वे बलूच राष्ट्रीय सेना द्वारा किए गए सटीक हमले से बाल-बाल बच गए। यह अभियान रक्षा के अधिकार का उपयोग करके अपनी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा और अपनी धरती पर विदेशी सैन्य उपस्थिति को समाप्त करने के लिए गणराज्य की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।मीर यार बलूच ने कहा कि बलूचिस्तान गणराज्य के खुजदार जिले के जहरी और आसपास के इलाके में, पाकिस्तानी आतंकवादी मिलिशिया बलों ने बलूच नागरिकों के खिलाफ बिना किसी उकसावे के हिंसक हमला किया। लगातार बमबारी ने इस क्षेत्र को तबाह कर दिया है। फसलों को बुलडोजर से नष्ट कर दिया गया है। बिजली आपूर्ति प्रणाली को नष्ट कर दिया गया है, ट्रांसफार्मर और सौर पैनलों को जानबूझकर गोली मारकर नष्ट कर दिया गया है। मोरेन्की के निवासियों को अपने घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है, जबकि दश्त कोलपुर के 50 से ज्यादा बलूच नागरिकों को जबरन गायब कर दिया गया है।उन्होने कहा कि पाकिस्तानी हमलावर बलों की ये हरकतें सैन्य आक्रमण से कहीं आगे जाती हैं। आम लोगों को उनकी सम्पत्ति और आजीविका से वंचित करने के लिए बल प्रयोग करके, और बंदूक की नोक पर नागरिकों को आतंकित करके, वे अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन कर रहे हैं। नागरिक बुनियादी ढांचे को नष्ट करना, आबादी को जबरन विस्थापित करना और अपहरण करना ऐसे अपराध हैं जो बलूचिस्तान के लोगों पर किए जा रहे व्यवस्थित उत्पीड़न को उजागर करते हैं।बलूच राष्ट्रवादी नेता हिर्बयार मरी का एक साक्षात्कार भी वायरल हुआ है। उन्हें बलूचिस्तान मुक्ति आंदोलन का अग्रदूत माना जाता है। उनका कहना है कि बलूचिस्तान की आजादी स्थायी शांति लाएगी और दुनिया के इस हिस्से में पाकिस्तान के दशकों पुराने आतंकवाद का अंत करेगी। बलूचिस्तान देश राष्ट्रों और आस्थाओं के बीच की खाई को पाटने में भूमिका निभाएगा। पाकिस्तानी आक्रमण से पहले स्वतंत्र बलूचिस्तान के पहले वित्त मंत्री एक हिंदू थे। यह सिद्ध है कि बलूचिस्तान और भारत महान सभ्यताएं थीं।उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली को एक दीर्घकालिक नीति बनानी चाहिए और पश्तूनों, बलूचों, सिंधी, गिलगित और मुहाजिर जातियों के नेतृत्व के साथ गठबंधन करना चाहिए और उन्हें पाकिस्तान और चीन की नापाक योजनाओं का मुकाबला करने के लिए भारत आमंत्रित करना चाहिए। 1948 में पंजाबी मुस्लिम सेना ने बलूचिस्तान पर कब्जा कर लिया था। आक्रमण के बाद, कलात के बलूच राजा खान को दशकों तक पंजाब की जेल में रखा गया था। मोहम्मद अली जिन्ना ने एक वकील और बलूचिस्तान के मित्र के वेश में बलूच शासक खान कलात को धोखा दिया।

थिएटर कमांड पर...

तीनों सेनाओं की जरूरतों और क्षमताओं को शामिल किया जाएगा।

सेना से जुड़ी रिक्तियों और पाठ्यक्रमों में भी फेरबदल किया जा रहा है ताकि तीनों सेनाओं के कर्मी एक साथ प्रशिक्षण ले सकें, योगदान दे सकें और एक-दूसरे से सीख सकें। तीनों सेनाओं के संचार नेटवर्क को भी निर्बाध संचार और डेटा-शेयरिंग के लिए विस्तारित करने की योजना है। सभी स्तरों पर इंटर-सर्विस नियुक्तियों में वृद्धि की जानी है। इसके साथ ही, उपकरणों और प्लेटफार्मों के मानकीकरण के प्रयास भी चल रहे हैं ताकि अंतर-संचालन सुनिश्चित हो सके, आपूर्ति श्रृंखलाओं और पुर्जों के प्रबंधन को सुव्यवस्थित किया जा सके। सूत्रों के अनुसार, वार्षिक गोपनीय रिपोर्टों के प्रारूप में भी बदलाव पर विचार किया जा रहा है ताकि वे सेवा-विशिष्ट और तीनों सेनाओं की आवश्यकताओं को प्रतिबिंबित कर सकें।भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना को एक छतरी के नीचे लाने की कोशिशें अब जोर पकड़ रही हैं। थिएटराइजेशन, यानि थिएटर कमांड्स की स्थापना से पहले, ये तीनों सेनाएं आपस में घुलमिल रही हैं ताकि जंग के मैदान में सब एक साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ सकें। पहले हर सेना अपने-अपने तरीके से काम करती थी, लेकिन अब संसाधनों का सही इस्तेमाल और तेज कार्रवाई के लिए सब कुछ साझा हो रहा है। कोलकाता में हाल ही में हुई संयुक्त कमांडर्स कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री ने खुद हिस्सा लिया, जहां बड़े फैसले हुए। जैसे, एक एकीकृत त्रि-सेवा शिक्षा कोर बनाना और पहले चरण में तिरुवनंतपुरम, विशाखापत्तनम व गांधीनगर में तीन संयुक्त सैन्य स्टेशन खोलना। ये कदम सेनाओं को मजबूत बनाने के लिए हैं, जहां उपकरणों को एक जैसा करना, खरीदारी का साझा चेन बनाना, ज्वाइंट ट्रेनिंग बढ़ाना और अफसरों की आपसी पोस्टिंग ज्यादा करना शामिल है। सोशल मेलजोल बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है ताकि सब एक-दूसरे की कार्य संस्कृति समझें।थिएटर कमांड आने से पहले, तीनों सेनाओं को एक-दूसरे की ताकत और कमजोरियां अच्छे से समझनी पड़ रही हैं। किसी भी ऑपरेशन की प्लानिंग से ही त्रि-सेवा जरूरतों को शामिल किया जा रहा है। लेकिन अभी भी थिएटर कमांड्स की स्ट्रक्चर पर तीनों सेनाओं में सहमति नहीं बनी है। ये समझ बढ़ाने से भविष्य में गलतियां कम होंगी और सब मिलकर बेहतर रणनीति बना सकेंगे। पड़ोसी देशों जैसे चीन और पाकिस्तान की बढ़ती सैन्य हलचल ने इसकी जरूरत और ज्यादा महसूस कराई है। अमेरिकी मॉडल से प्रेरित ये कॉन्सेप्ट लंबे समय से चर्चा में है, लेकिन अब एक्शन मोड में आ गया है।अब जोर संयुक्त ट्रेनिंग पर है, ताकि हर अफसर और जवान एक-दूसरे के हथियारों और मशीनों से वाकिफ हो जाएं। जैसे आर्मी का अफसर नेवी के जहाज चलाने की ट्रिक सीखे, या एयर फोर्स वाला ग्राउंड ऑपरेशन समझे। इसके लिए कुछ कोर्सेज में सीटें बढ़ाई जा रही हैं और सिलेबस में बदलाव हो रहा है, जहां तीनों सेनाओं के लोग साथ-साथ पढ़ेंगे। ये बदलाव सेनाओं को इंटर ऑपरेबल बनाएंगे, यानि सबका सामान एक-दूसरे के साथ आसानी से जुड़ेगा। कहा जाता है कि जिस स्तर पर तीनों सेनाओं के बीच कम्युनिकेशन होना चाहिए, वो अभी भी सीमित है। लेकिन इसे बड़ा करने की योजना है ताकि डेटा शेयरिंग बिना रुकावट हो। कुछ पुरानी परंपराओं को धीरे-धीरे खत्म या स्टैंडर्डाइज किया जा रहा है। सोशल इंटरैक्शन बढ़ाने से अफसर एक-दूसरे की कामकाजी स्टाइल समझ रहे हैं। सभी लेवल पर क्रॉस-पोस्टिंग बढ़ेगी, उपकरण स्टैंडर्ड होंगे, सप्लाई चेन सरल बनेगी और स्पेयर पार्ट्स का मैनेजमेंट आसान होगा। कोलकाता कॉन्फ्रेंस में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, एक राष्ट्र, एक सेना का कॉन्सेप्ट साकार करने के लिए एकता जरूरी है। अफसरों की सालाना गोपनीय रिपोर्ट्स का फॉर्मेट बदलने पर विचार हो रहा है। अब इसमें सिर्फ अपनी सेना के काम नहीं, बल्कि त्रि-सेवा अनुभव और जरूरतें भी शामिल होंगी। पिछले कुछ सालों में क्रॉस-पोस्टिंग, जॉइंट लॉजिस्टिक्स नोड्स बनाना, ट्रेनिंग और रिक्रूटमेंट में कोऑर्डिनेशन बढ़ा है। ये सब एक कॉमन माइंडसेट, शेयर्ड स्ट्रैटेजी और इंटीग्रेटेड सिस्टम बनाने के लिए हैं।

भारी तादाद में...

लिए किया जा रहा था। दुबई और दुनिया भर के विभिन्न स्थानों पर यूएसडीटी हस्तांतरण की सुविधा के लिए क्रिप्टो वॉलेट के माध्यम से आंगडिया सेवाओं के उपयोग का पता चला है। इसके अलावा, कई खच्चर खातों की पहचान, जुए की जीत को जमा करने और निकालने के लिए किए जाने के रूप में की गई थी, जिन्हें बाद में विदेशों में विभिन्न व्यक्तियों को हस्तांतरित कर दिया गया था।इसके अलावा, कार्रवाई के दौरान 90 लाख रुपए से अधिक मूल्य की यूएसडीटी सहित विभिन्न क्रिप्टोकरेंसी बरामद की गईं। ईडी ने उन्हें फ्रीज कर दिया है। आपराधिक दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य जब्त किए गए हैं, जिनसे फेमा प्रावधानों के उल्लंघन के साथ-साथ सीमा पार हवाला/क्रिप्टो लेनदेन से संबंध स्थापित होते हैं। केस में आगे की जांच जारी है।

सांस्कृतिक एकता और अखण्डता को जोड़ने का पर्व है दशहरा

सत्य पर असत्य की जीत का सबसे बड़ा त्यौहार दशहरा 2 अक्टूबर को मनाया जायेगा। विजयदशमी का त्योहार पूरे देश में बहुत धूमधाम के साथ मनाया जाता है। आज के दिन अस्त्र-शस्त्र का पूजन और रावण दहन के बाद बड़ो के पैर छूकर आशीर्वाद लेने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार वैदिक पंचांग के अनुसार, आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 01 अक्टूबर को शाम 07:01 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 02 अक्टूबर को शाम 07:10 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार दशहरा का त्योहार इस साल 2 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस दिन जगह जगह रावण दहन किया जाता है। कहा जाता है कि रावण के पुतले को जला हर इंसान अपने अंदर के अहंकार, क्रोध का नाश करता है। इस दिन मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन भी किया जाता है। ऐसी मान्यता है कि रावण का वध करने कुछ दिन पहले भगवान राम ने आदि शक्ति मां दुर्गा की पूजा की और फिर उनसे आशीर्वाद मिलने के बाद दशमी को रावण का अंत कर दिया।

दशमी को ही मां दुर्गा ने महिषासुर नामक राक्षस का वध किया था। इसलिए इसे विजयदशमी के रूप में मनाया जाता है। देशभर में अलग-अलग जगह रावण दहन होता है और हर जगह की परंपराएं बिल्कुल अलग हैं। इस दिन शस्त्रों की पूजा भी की जाती है। इस दिन शमी के पेड़ की पूजा भी की जाती है। इस दिन वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम, सोना, आभूषण नए वस्त्र इत्यादि खरीदना शुभ होता है। दशहरे के दिन नीलकंठ भगवान के दर्शन करना अति शुभ माना जाता है। इस दिन माना जाता है कि अगर आपको नीलकंठ पक्षी के दर्शन हो जाए तो आपके सारे बिगड़े काम बन जाते हैं। नीलकंठ पक्षी को भगवान का प्रतिनिधि माना गया है। दशहरे पर नीलकंठ पक्षी के दर्शन होने से पैसों और संपत्ति में बढ़ोतरी होती है। मान्यता है कि यदि दशहरे के दिन किसी भी समय नीलकंठ दिख जाए तो इससे घर में खुशहाली आती है और वहीं, जो काम करने जा रहे हैं, उसमें सफलता मिलती है।

रावण ज्योतिष का प्रकांड विद्वान था। अपने पुत्र को अजेय बनाने के लिए इन्होंने नवग्रहों को आदेश दिया था कि वह उनके पुत्र मेघनाद की कुंडली में सही तरह से बैठें। शनि महाराज ने बात नहीं मानी तो उन्हें बंदी बना लिया। रावण के दरबार में सारे देवता और दिग्पाल हाथ जोड़कर खड़े रहते थे। हनुमान जी जब लंका पहुंचे तो इन्हें रावण के बंधन से मुक्त करवाया।रावण के अशोक वाटिका में एक लाख से अधिक अशोक के पेड़ के अलावा दिव्य पुष्प और फलों के वृक्ष थे। यहीं से हनुमान जी आम लेकर भारत आए थे। रावण एक कुशल राजनीतिज्ञ, सेनापति और वास्तुकला का मर्मज्ञ होने के साथ-साथ ब्रह्म ज्ञानी तथा बहु-विद्याओं का जानकार था। उसे मायावी इसलिए कहा जाता था कि वह इंद्रजाल, तंत्र, सम्मोहन और तरह-तरह के जादू जानता था। उसके पास एक ऐसा विमान था, जो अन्य किसी के पास नहीं था। इस सभी के कारण सभी उससे भयभीत रहते थे।

दशहरा तिथि

दशमी तिथि का आरंभ: 01 अक्टूबर को शाम 07:01 मिनट

तिथि का समापन: 02 अक्टूबर को शाम 07:10 मिनट पर

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा.अनीष व्यास ने बताया पंचांग के अनुसार ऐसे में दशहरा 2 अक्तूबर 2025 को मनाया जाएगा। दशहरा के दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 04:38 बजे से सुबह 05:26 बजे तक रहेगा। इस दिन दोपहर के समय पूजन का मुहूर्त दोपहर 01:21 बजे से दोपहर 03:44 बजे तक रहेगा

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

शुभ संयोग

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार विजयदशमी के दिन श्रवण नक्षत्र का होना बहुत शुभ होता है, और इस साल इसका संयोग बन रहा है। दशहरा के दिन सुकर्मा और धृति योग रहेगा। इस दिन रवि योग पूरे दिन रहेगा। हिंदू धर्म में यह ग्रह संयोग अत्यंत शुभ मंगलकारी माना गया है।

पान देता है आरोग्य

विजयादशमी पर पान खाने, खिलाने तथा हनुमानजी पर पान अर्पित करके उनका आशीर्वाद लेने का महत्त्व है। पान मान-सम्मान, प्रेम एवं विजय का सूचक माना जाता है। इसलिए विजयादशमी के दिन रावण, कुम्भकर्ण और मेघनाद दहन के पश्चात पान का बीणा खाना सत्य की जीत की ख़ुशी को व्यक्त करता है। वहीं शारदीय नवरात्रि के बाद मौसम में बदलाव के कारण संक्रामक रोग फैलने का खतरा बढ़ जाता है इसलिए स्वास्थ्य की दृष्टि से भी पान का सेवन पाचन क्रिया को मज़बूत कर संक्रामक रोगों से बचाता है।

शुभ दिन है मांगलिक कार्यों के लिए

विजयादशमी सर्वसिद्धिदायक है इसलिए इस दिन सभी प्रकार के मांगलिक कार्य किए जा सकते हैं। मान्यता है कि इस दिन जो कार्य शुरू किया जाता है उसमें सफलता अवश्य मिलती है। यही वजह है कि प्राचीन काल में राजा इसी दिन विजय की कामना से रण यात्रा के लिए प्रस्थान करते थे। इस दिन जगह-जगह मेले लगते हैं, रामलीला का आयोजन होता है और रावण का विशाल पुतला बनाकर उसे जलाया जाता है।

इस दिन बच्चों का अक्षर लेखन, दुकान या घर का निर्माण, गृह प्रवेश, मुंडन, अन्न प्राशन, नामकरण, कारण छेदन, यज्ञोपवीत संस्कार आदि शुभ कार्य किए जा सकते हैं। परन्तु विजयादशमी के दिन विवाह संस्कार निषेध माना गया है। क्षत्रिय अस्त्र-शास्त्र का पूजन भी विजयादशमी के दिन ही करते हैं।

दशहरा पर किया जाता है शस्त्र पूजन

दशहरा के दिन शस्त्र पूजन करने की परंपरा सदियों पुरानी है। आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी को शस्त्र पूजन का किया जाता है। नवरात्रि के नौ दिनों तक मां दुर्गा के पूजन के बाद दशहरे का त्योहार मनाया जाता है। विजयदशमी पर मां दुर्गा का पूजन किया जाता है। मां दुर्गा शक्ति का प्रतीक हैं।

भारत की रियासतों में शस्त्र पूजन धूम-धाम से मनाया जाता था। अब रियासतें तो नही रहीं लेकिन परंपराएं शाश्वत हैं। यही कारण है कि इस दिन आत्मरक्षार्थ रखे जाने वाले शस्त्रों की भी पूजा की जाती है। हथियारों की साफ-सफाई की जाती है और उनका पूजन होता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किए जाने वाले कामों का शुभ फल अवश्य प्राप्त होता है। यह भी कहा जाता है कि शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने के लिए इस दिन शस्त्र पूजा करनी चाहिए।

नीलकंठ का दिखना क्यों शुभ है?

जब श्रीराम रावण का वध करने जा रहे थे। उसी दौरान उन्हें नीलकंठ के दर्शन हुए थे। इसके बाद श्रीराम को रावण पर विजय मिली थी। यही वजह है कि नीलकंठ का दिखना शुभ माना गया है।

इस दिन सभी अपने शस्त्रों का पूजन करते है। सबसे पहले शस्त्रों के ऊपर जल छिड़क कर पवित्र किया जाता है फिर महाकाली स्तोत्र का पाठ कर शस्त्रों पर कुंकुम, हल्दी का तिलक लगाकर हार पुष्पों से श्रृंगार कर धूप-दीप कर मीठा भोग लगाया जाता है।

शाम को रावण के पुतले का दहन कर विजया दशमी का पर्व मनाया जाता है। इसी तरह की कई और बातें हैं जो दशहरा के दिन की जाती है। इनमें से एक है, आज के दिन पान का बीड़ा हनुमानजी के चढ़ाना और उसके बाद इसे खाना। पान हनुमाजी को बहुत पसंद है।

हमारे समाज में तमाम बुराइयां हैं जिनका वध बहुत जरूरी

रावण दहन के साथ करे सामाजिक बुराइयों का वध

आज हर तरफ फैले भ्रष्टाचार और अन्याय रूपी अंधकार को देखकर मन में हमेशा उस उजाले की चाह रहती है जो इस अंधकार को मिटाए। कहीं से भी कोई आस ना मिलने के बाद हमें हमारी संस्कृति के ही कुछ पन्नों से आगे बढ़ने की उम्मीद मिलती है। हम सबने रामायण को किसी ना किसी रुप में सुना, देखा और पढ़ा ही होगा। रामायण हमें यह सीख देती है कि चाहे असत्य और बुरी ताकतें कितनी भी ज्यादा हो जाएं पर अच्छाई के सामने उनका वजूद एक ना एक दिन मिट ही जाता है। अंधकार के इस मार से मानव ही नहीं भगवान भी पीड़ित हो चुके हैं लेकिन सच और अच्छाई ने हमेशा सही व्यक्ति का साथ दिया है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है दशहरा। नौ दिन मां दुर्गा को समर्पित करने के बाद दशमी के दिन बुराई पर जीत के रूप में विजयदशमी मनाई जाती है। इस दिन श्रीराम ने लंका के राजा रावण का वध करके अन्याय पर न्याय की स्थापना की थी। इसके अलावा इस दिन मां दुर्गा ने महिषासुर का संहार भी किया था इसलिए भी इसे विजयदशमी के रुप में मनाया जाता है। 2 अक्तूबर को दशहरा पर्व मनाया जाएगा। दशहरा के दिन रावण के पुतले का दहन किया जाता है।

हिंदू पंचांग के अनुसार वैदिक पंचांग के अनुसार, आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 01 अक्टूबर को शाम 07:01 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 02 अक्टूबर को शाम 07:10 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार दशहरा का त्योहार इस साल 2 अक्टूबर को मनाया जाएगा।रावण सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, बल्कि तमाम बुराइयों का प्रतीक है, जिसका हर दशहरे पर वध किया जाता है। आज के दौर में हमारे समाज में तमाम बुराइयां हैं जिनका वध बहुत जरूरी है।

एक नजर कलयुग के 10 रावणों पर

बलात्कार – देश में हर रोज बलात्कार की घटनाएं होती हैं, जिनमें हर चौथी पीड़िता नाबालिग बालिका होती है। ये डराने वाले आंकड़े बताते हैं कि हम इनसान से शैतान होते जा रहे हैं। कलियुग में इस बुराई रूपी रावण का वध करने के लिए हमें ही पहल करनी होगी।

गंदगी– स्वच्छता को लेकर व्यापक स्तर पर अभियान चलाने के बावजूद गंदगी से हमारा पीछा नहीं छूट रहा है। इसके लिए जिम्मेदार भी हम ही हैं। देश में हर रोज एक लाख मीट्रिक टन कचरा निकलता है। इसके प्रबंधन की समुचित व्यवस्था नहीं है।

भ्रष्टाचार–भ्रष्टाचार के मुद्दे पर हम नेताओं को बुरा-भला कहते रहते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल 45 फीसदी भारतीयों ने अपना काम निकलवाने के लिए रिश्वत का सहारा लिया।

प्रदूषण–दुनिया के 20 सबसे प्रदूषित शहरों में से 14 भारत में हैं। प्रदूषक कण पीएम 2.5 का स्तर तेजी से बढ़ रहा है। इस दशहरे हमें इस रावण को हर हाल में खत्म करना होगा।

अशिक्षा–अगर समाज शिक्षित नहीं होगा तो उसका विकास भी नहीं होगा। वर्तमान में भारत में 25 फीसदी लोग शिक्षा के अधिकार से वंचित हैं। आने वाली पीढ़ी को शिक्षित करके ही बेहतर समाज की नींव रखी जा सकती है।

गरीबी–गरीबी रूपी अभिशाप से पीछा छुड़ाना आसान नहीं है। भारत की 30 फीसदी आबादी गरीबी रेखा के नीचे जिंदगी बसर करने को मजबूर है। हम इस रावण को रोजगार रूपी हथियार से ही खत्म कर पाएंगे।

अंधविश्वास : आज भी जादू-टोने पर विश्वास

हम भले ही 21वीं सदी में पहुंच गए हैं, लेकिन अंधविश्वास रूपी रावण का अंत नहीं हो पाया है। हाल ही में 20 बाबा ब्लैकलिस्ट हो चुके हैं। फिर भी लोगों का जादू-टोने की शरण में जाना बंद नहीं हुआ है।

रावण की जीवन सीख

रामायण के अनुसार जब रावण अपने अंतिम समय में था, तो राम ने लक्ष्मण को अपने पास बुलाया। राम ने लक्ष्मण से कहा कि रावण नीति, राजनीति और शक्ति का महान ज्ञाता है। ऐसे समय में जब वह संसार से विदा ले रहा है, तुम उसके पास जाकर जीवन की कुछ शिक्षा ले। राम की बात मानकर जब लक्ष्मण रावण के पास गए, तो रावण ने उन्हें तीन बातें बताईं

शुभस्य शीघ्रम –रावण ने लक्ष्मण को शिक्षा दी कि शुभ कार्य करने में कभी देरी नहीं करनी चाहिए। जैसे ही किसी शुभ कार्य का चिंतन हो या मन में विचार आए उसे तुरंत कर ड़ालना चाहिए। इसके अलावा अशुभ को जितना टाल सकते हो उसे टाल दो।

शत्रु छोटा नहीं –लक्ष्मण को रावण ने जो दूसरी सीख दी वह यह थी कि कभी भी अपने प्रतिद्वंद्वी या शत्रु को खुद से छोटा या कमतर नहीं समझना चाहिए। रावण ने स्वीकारा कि यह उसकी सबसे बड़ी भूल थी। रावण ने वानर और भालू सेना को कमतर आंका और अपना सब कुछ नष्ट कर बैठा।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

रहस्य न बताओ –महाज्ञानी रावण ने लक्ष्मण को तीसरा ज्ञान यह दिया कि अपने रहस्य कभी किसी को नहीं बताने चाहिए। रावण ने लक्ष्मण से कहा कि मेरे मृत्यु से जुड़ा रहस्य यदि में किसी को नहीं बताता तो आज मेरी मृत्यु नहीं होती। लेकिन मैने यह रहस्य अपने भाई को भरोसा कर बताया जिसके कारण आज में मृत्यु शैया पर पड़ा हूं।सभी लोग ये मानते हैं कि रावण श्रीराम के अलावा कभी किसी से नहीं हारा। ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि लेकिन बहुत कम लोग ये जानते हैं रावण श्रीराम के अलावा भी अन्य 4 शक्तिशाली योद्धाओं से हारा था।

सहस्त्रबाहु अर्जुन से भी हारा रावण

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि वाल्मीकि रामायण के अनुसार, जब राक्षसराज रावण ने सभी राजाओं को जीत लिया, तब वह महिष्मती नगर (वर्तमान में महेश्वर) के राजा सहस्त्रबाहु अर्जुन को जीतने की इच्छा से उनके नगर गया। रावण ने सहस्त्रबाहु अर्जुन को युद्ध के लिए ललकारा। नर्मदा के तट पर ही रावण और सहस्त्रबाहु अर्जुन में भयंकर युद्ध हुआ। अंत में सहस्त्रबाहु अर्जुन ने रावण को बंदी बना लिया। जब यह बात रावण के पितामह (दादा) पुलस्त्य मुनि को पता चली तो वे सहस्त्रबाहु अर्जुन के पास आए और रावण को छोड़ने के लिए निवेदन किया। सहस्त्रबाहु अर्जुन ने रावण को छोड़ दिया और उससे मित्रता कर ली।

शिवजी से रावण की हार

रावण बहुत शक्तिशाली था और उसे अपनी शक्ति पर बहुत ही घमंड था। रावण इस घमंड के नशे में शिवजी को हराने के लिए कैलाश पर्वत पर पहुंच गया था। रावण ने शिवजी को युद्ध के लिए ललकारा, लेकिन महादेव तो ध्यान में लीन थे। रावण कैलाश पर्वत को उठाने लगा। तब शिवजी ने पैर के अंगूठे से ही कैलाश का भार बढ़ा दिया, इस भार को रावण उठा नहीं सका और उसका हाथ पर्वत के नीचे दब गया। इस हार के बाद रावण ने शिवजी को अपना गुरु बनाया था।

राजा बलि के महल में रावण की हार

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि धर्म ग्रंथों के अनुसार, पृथ्वी व स्वर्ग की जीतने के बाद रावण पाताल लोक को जीतना चाहता था। उस समय दैत्यराज बलि पाताल लोक के राजा थे। एक बार रावण राजा बलि से युद्ध करने के लिए पाताल लोक में उनके महल तक पहुंच गया था। वहां पहुंचकर रावण ने बलि को युद्ध के लिए ललकारा, उस समय बलि के महल में खेल रहे बच्चों ने ही रावण को पकड़कर घोड़ों के साथ अस्तबल में बांध दिया था। इस प्रकार राजा बलि के महल में रावण की हार हुई।

जब बालि से हारा रावण

रावण परम शक्तिशाली थी।अन्य योद्धाओं को हरा कर वह स्वयं को सर्वशक्तिमान साबित करना चाहता था। जब रावण को पता चला कि वानरों का राजा बालि भी परम शक्तिशाली है तो वह उससे लड़ने किष्किंधा पहुंच गया। बालि उस समय पूजा कर रहा था। रावण ने बालि को युद्ध के लिए ललकारा तो बालि ने गुस्से में उसे अपनी बाजू में दबा लिया और समुद्रों की परिक्रमा करने लगा। रावण ने बालि के बाजू से निकलने की बहुत कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हो पाया। पूजा के बाद जब बालि ने रावण को छोड़ तो वह निढाल हो चुका था। इसके बाद रावण को बालि को अपना मित्र बना लिया।

दशहरे का महत्व–ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि दशहरा संस्कृत के दो शब्दों से मिलकर बना है। दश यानी बुराई और हरा यानी खत्म करना। इस तरह दशहरे का अर्थ हुआ बुराई का नाश करके अच्छाई की पुर्नस्थापना करना। विश्वविख्यात भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि विजयदशमी वर्ष के श्रेष्ठ मुहूर्त बसंत पंचमी और अक्षय तृतीया की तरह ही शुभ माना गया है। विजयदशमी के दिन कोई भी अनुबंध हस्ताक्षर करना हो गृह प्रवेश करना हो नया व्यापार आरंभ उतरना हो या किसी भी तरह का लेनदेन का कार्य करना हो तो उसके लिए श्रेष्ठ फलदाई माना गया है। दशहरे का पर्व साल के सबसे पवित्र और शुभ दिनों में से एक माना गया है। यह तीन मुहूर्त में से एक है, साल का सबसे शुभ मुहूर्त - चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, अश्विन शुक्ल दशमी, वैशाख शुक्ल तृतीया। यह अवधि किसी भी चीज की शुरूआत करने के लिए उत्तम है।

दशहरा बौद्ध धर्म के लिए भी बहुत महत्व रखता है। कहा जाता है इसी दिन से मौर्य शासन की शुरुआत हुई थी और अशोक ने अंहिसा को त्याग बौद्ध धर्म अपना लिया था। आज सत्य पर असत्य की जीत का सबसे बड़ा त्योहार दशहरा मनाया जा रहा है। विजयदशमी का त्योहार पूरे देश में बहुत धूमधाम के साथ मनाया जाता है। आज के दिन अस्त्र-शस्त्र का पूजन और रावण दहन के बाद बड़ो के पैर छूकर आशीर्वाद लेने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। इस दिन माना जाता है कि अगर आपको नीलकंठ पक्षी के दर्शन हो जाए तो आपके सारे बिगड़े काम बन जाते हैं। नीलकंठ पक्षी को भगवान का प्रतिनिधि माना गया है। दशहरे पर नीलकंठ पक्षी के दर्शन होने से पैसों और संपत्ति में बढ़ोतरी होती है। मान्यता है कि यदि दशहरे के दिन किसी भी समय नीलकंठ दिख जाए तो इससे घर में खुशहाली आती है और वहीं, जो काम करने जा रहे हैं, उसमें सफलता मिलती है।

हर रोज करिए 15 मिनट योग, कभी नहीं होंगे डिप्रेशन के शिकार

बोस्टन, एजेंसी। हफ्ते में दो बार योग और प्राणायाम करने से अवसाद के लक्षणों से उबरने में मदद मिलती है। इसका असर अवसाद की दवा लेने या नहीं लेने वाले पर समान रूप से होता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, अध्ययन से इस तथ्य को बल मिलता है कि योग, अवसाद का दवाओं से इलाज का विकल्प हो सकता है। इतना ही नहीं दवाओं से इलाज के साथ-साथ योग की पद्धतियां अपनाकर उपचार को और कारगर बनाया जा सकता है।

अमेरिका के बोस्टन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के एसोसिएट प्रोफेसर क्रिस स्ट्रीटर ने कहा कि अवसाद के विकार को दूर करने में योग या प्राणायाम काफी मददगार होता है। जर्नल ऑफ ऑल्टरनेटिव एंड कॉम्पिमेंटरी मेडिसिन में प्रकाशित अध्ययन में आयंगर योग (योग का एक रूप) का इस्तेमाल किया गया, जिसमें आसन एवं श्वसन नियंत्रण में बारीकियों पर ध्यान दिया जाता है।

भारतीय परमाणु वैज्ञानिकों ने बनाई कैंसर की आयुर्वेदिक दवा

भाभा आण्विक अनुसंधान केंद्र (बार्क) के परमाणु ऊर्जा वैज्ञानिकों ने कैंसर रोगियों के लिए आयुर्वेदिक दवा का आविष्कार किया है। यह दवा फेफ ?ों और त्वचा के कैंसर के लिए बहुत असरकारी साबित हुई है। जैव कार्बनिक विभाग के वैज्ञानिक डॉ. वीएस पात्रो ने सोमवार को बताया कि बार्क में करीब तीन दशकों से आयुर्वेदिक औषधियों से कैंसर के उपचार पर शोध चल रहा है। इसमें कैंसर को लेकर दो महत्वपूर्ण दवाओं को खोजने में सफलता हासिल हुई है। एक दवा कीमोथैरेपी के दुष्प्रभावों और पी ?ा को कम करने के लिए है, जबकि दूसरी दवा रेडियोथेरेपी के दुष्प्रभावों को कम करती है। इसके अलावा बार्क के वैज्ञानिकों ने परमाणु दुर्घटना की स्थिति में अतिशय विकिरण के शिकार रोगियों के उपचार के लिए भी एक आयुर्वेदिक दवा तैयार की है।

मामूली कीमत पर मिलेगी दवा : डॉ. पात्रो ने बताया कि दुनिया में पहली बार खाने वाली गोली की शक्ल में कैंसर की औषधियां तैयार की गई हैं। इन सभी दवाओं की कीमत बहुत मामूली होगी।

पालन-पोषण

बच्चों को खाना खिलाने अपनाएं ये तरीके

छोटे बच्चों को बाजार की चीजें अधिक पसंद होती हैं। अक्सर बच्चे प्लेट में चावल, दाल, रोटी सब्जी देखकर खाने से मना कर देते है। ऐसे में उन्हें खाना परोसने और उनके लिए खाना बनाने में ये तरीके अपनाने चाहिए। बच्चे के खाने को आकर्षक तरीके से परोसें। ऐसा करने से आपकी बेहद साधारण डिश को भी बच्चा पूरे उत्साह के साथ खाएगा। बच्चों को रंग पसंद होते हैं।

कोशिश करें कि उनके खाने में तरह-तरह के रंग शामिल हों। साथ ही उन्हें तरह-तरह के शेप में बना डिश परोसें। अपने बच्चे के ऐसे दोस्तों को खाने पर घर बुलाएं जो खाने के मामले में नखरेबाज नहीं हैं। अपने दोस्तों को खाता देखकर आपका बच्चा भी अपने नखरे कम कर देगा। अगर आपका बच्चा हेल्दी और फिट है। उसकी लंबाई और वजन उम्र के हिसाब से ठीक है, तो खाने की उसकी आदतों की वजह से आप चिंता करना बंद कर दें। आप उसे किसी चीज को खाने के लिए जितना ज्यादा कहेंगी, वह उस खाने से उतना ही दूर भागता जाएगा।

खाना खाने के अनुभव को अपने बच्चे के लिए मजेदार बनाएं ताकि वह इस वक्त का बेसब्री से इंतजार करे। आप उसे खाने से जुड़ी कोई मजेदार कहानी सुना सकती हैं या फिर उसे बता सकती हैं कि आपको कोई चीज बचपन में पसंद नहीं थी, तो आपकी मां ने आपको वह डिश खिलानी कैसे शुरू की। पूरा परिवार एक साथ खाना खाए, इसे घर का नियम बनाएं। सबसे जरूरी यह है कि आप खुद हेल्दी खाना खाएं ताकि बच्चा आपको देखकर खुद में अच्छी आदतें विकसित कर सके।

इस बात का ध्यान रखें कि बच्चे को वही खाना दिया जाए, जो डाइनिंग टेबल पर दूसरे लोग खा रहे हैं। अगर बच्चे के सामने आप विकल्प रखेंगी, तो वो नखरे ज्यादा करेगा। बच्चे को कोई खास चीज खाने की आदत न डलवाएं। शुरुआत में तो आपको परेशानी नहीं होगी, पर कुछ दिनों बाद देखेंगी कि बच्चा कोई और चीज खाने के लिए तैयार ही नहीं हो रहा है। खाने के मामले में उसके नखरों को शुरुआत से ही ज्यादा महत्व नहीं देना चाहिए।

युवाओं में बढ़ा शॉपिंग का फैशन

मानते है इससे कम होता है तनाव

आजकल युवा ऑनलाइन शॉपिंग से लेकर मॉल या बाजार में जाकर अपनी पसंद की चीजों की खरीददारी करते हैं। अक्सर उनका मानना होता है कि शॉपिंग, तनाव को दूर करने का कारगर टूल होता है। ऐसे में तनाव को दूर करने के लिए युवाओं में शॉपिग करने की प्रवृत्ति बढ़ी है। हालांकि कई मामलों में शॉपिंग तनाव करने का काम करने करती है, लेकिन अगर ये लत बन जाए, तो तनाव को कम करने के बजए बढ़ा सकती है। शॉपिंग करने से तनाव कम कैसे होता है, इसके बारे में मनोविज्ञानियों की राय है कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हमारे पास खुद के लिए समय ही नहीं होता। धीरे-धीरे हमारा सामाजिक दायरा खत्म होता जाता है। शॉपिंग अप्रत्यक्ष रूप से किसी व्यक्ति को समाज से जोड़ती है, ऐसे में लोगों को ऐसा लगने लगता है कि शॉपिंग स्ट्रेस बस्टर है।

माहौल में बदलाव

प्रायः लोगों के साथ ऐसा होता है कि रोजमर्रा की जीवनशैली बहुत उकताऊ सी हो जाती है। ऑफिस, रूटीन काम और फिर वापस घर। इसलिए शॉपिंग लोगों के माहौल में बदलाव लाती है। वह बाहरी दुनिया से जुड़ते हैं। साथ ही उनका ध्यान भी कुछ देर के लिए रोजना की उबाऊ जिंदगी से हट जाता है।

अधिकांश लोगों के साथ ये समस्या होती है कि वे बदलते जमाने से कदमताल नहीं कर पाते। उन्हें बाहर के बारे में जो भी जानकारी मिलती है, वह भी अखबार, मैगजीन या इंटरनेट के द्वारा। ऐसे में वह हीन-भावना से ग्रसित हो जाता है, क्योंकि चीजों के बारे में जानकारी न होने के कारण लोगों के बीच में बैठने से कतराने लगता है।

» शॉपिग आत्मविश्वास बढ़ाने में भी कारगर साबित होती है। शॉपिंग के दौरान प्राय मनपसंद चीज की खरीदारी तनावमुक्त करती है। वह किसी को बीती बातों व कड़वी स्मृतियों से मुक्त करती है। अपनों को करीब लाने लिए की गई खरीदारी आपको उनके और करीब लाती है। उपहार खरीदकर देना संबंधित व्यक्तियों से भावनात्मक रूप से जोड़ता है और आपके संबंधों का मजबूत बनाता है।

» महिलाएं प्राय समूह में खरीदारी करने जाती हैं। वे खूब मोलभाव करती हैं, वेरायटी देखती हैं और चीजों को चुनने में अधिक समय लगाती हैं। इस बीच वे आपसी सुख-दुख और घर-परिवार के हालात पर भी चर्चा करती रहती हैं। एक दूसरे से बातें करने से तनाव कम होता है। आज के दौर में न्यूक्लियर फैमिली का चलन बढ़ा है। जिसकी वजह से अकसर लोग अकेलापन महसूस करते हैं। शॉपिंग उनके लिए लोगों से मिलने और उनके सुख-दुख में शामिल होने का माध्यम भी बन जाती है।

» मनोवैज्ञानिकों का ये मानना है कि जिन लोगों की कोई हॉबी नहीं होती, अक्सर उनके लिए शॉपिंग तनाव दूर करने का प्रमुख माध्यम बन जाती है। मनोवैज्ञानिक यह भी सलाह देते हैं कि अपनी हॉबी जरूर बनाएं, भले ही वह बागवानी हों, किताबों या म्यूजिक का कलेक्शन करना या फिर कोई वाद्ययंत्र बजना ही क्यों न हो।

» अनावश्यक वस्तुओं का संग्रह करना भी एक बीमारी है। यह एक ऐसी बीमारी है, जो किसी को भी हो सकती है। इस बीमारी को इंपल्स कंट्रोल डिसॉर्डर कहते हैं। यह क्लिप्टोमेनिया या पाइरोमेनिया जैसी बीमारियों की तरह ही होती है। इस रोग में लोग अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाते हैं।

» कई बार देखा गया है कि लोग दिखावे में ज्यादा खरीदारी कर जाते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि आमतौर पर कई लोग शॉपिग के इस फोबिया के शिकार हो जाते हैं। वह दूसरे की खरीदारी को देखकर अवसाद या डिप्रेशन की स्थिति में आ जाते हैं। वह अमुक व्यक्ति से खरीदारी के मामले में तुलना करने लगते हैं।

» वर्तमान में आम आदमी क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल पर्सनल मनी फ्रेंड के तौर पर करता है। ऐसे में आम आदमी बिना इस बात की चिंता किए कि जेब में पैसा हैं या नहीं, वह खरीदारी करता रहता है। इसकी वजह से लोग अपनी आर्थिक स्थिति से ज्यादा खरीदारी कर जाते हैं। बाद में ज्यादा बिल आने पर लोगों के लिए डिप्रेशन का कारण बन जाता है।

» अक्सर लोग कुछ देर की संतुष्टि के लिए शॉपिंग करते हैं, लेकिन बाद में उन्हें एहसास होता है कि उन्होंने उम्मीद से ज्यादा खरीदारी कर ली है और वह इसे लेकर आत्मग्लानि का शिकार हो जाते हैं। वह कहते हैं कि जरूरी है कि आप ध्यान, व्यायाम करें और साथ ही अनावश्यक खरीदारी की आदत पर स्वयं नियंत्रण रखे।

पैरेंटिंग टिप्स

नहीं है फ्रिज तो भी खराब नहीं होगी ये चीजें

मौसम बदल गया है और गर्मी के मौसम में सबसे ज्यादा टैंशन तब हो जाती है जब फ्रिज अचानक खराब हो जाए। इसके लिए परेशान करने वाली बात यह है कि फ्रिज में रखा खाना या और जरूरी चीजों को खराब होने से कैसे बचाया जाए। गर्मियों में तो कोई भी खाने की चीज फ्रिज के बिना नही रखी जा सकती। ऐसे में कुछ स्मार्ट टिप्स अपना कर इन चीजों को सही तरह से रख सकते हैं।

1. **दूध :** फ्रिज के बिना दूध को ठीक रखना है तो इसे उबाल कर रखें। उबाल कर रखा हुआ दूध जल्दी खरीब नहीं होता। जिस जगह पर दूध रख रहे हैं वहां पर पंखा चला दें।
2. **दही :** फ्रिज के बिना दही खट्टा हो जाता है। इसके बैक्टीरिया और भी जल्दी पनपने लगते हैं,जिससे स्वाद खराब हो जाता है। इसके लिए दही में 2-3 चम्मच शहद डाल दें। इसके बाद बिना फ्रिज के भी खराब नहीं होगा।
3. **जैम और सॉस :** फ्रिज में जगह की कमी के कारण जैम और सॉस की बोतल रखने की जगह नहीं रहती। इसके लिए आसान उपाय है कि कि जैम की बोतल को ठंडे पानी में रखें। जिससे यह खराब नहीं होगे।
4. **आटा :** कई बार टाइम की कमी के कारण हम ज्यादा आटा गूंथ लेते हैं। इसे फ्रिज में रखें बिना खराब हो जाता है। आप आटे को पॉलीथीन में अच्छे से कवर कर लें और इसे ठंड़े पानी में रख दें। ध्यान रखें कि पानी आटा के बीच में न जाए।

खान-पान

परीक्षा देने जाने से पहले खाएं केला

अक्सर कहा जाता है कि परीक्षा देने जाने से पहले दही खाना चाहिए। लेकिन परीक्षा देने से पहले अगर आप केले का सेवन करते है तो आपके लिए यह बहुत मददगार होगा। आयुर्वेद के जानकारों का ऐसा मानना है कि केले में ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जिसके आधार पर ऐसा दावा किया जा रहा है। ऐसा माना जाता है कि केले में याददाश्त को दुरुस्त करने वाले जबरदस्त ताकत पाई जाती है। आयुर्वेद के जानकार केला में एक दर्जन से अधिक पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं जो आपके शरीर को मजबूती के साथ-साथ दिमाग को भी तंदुरुस्त रखते है। इसके इस्तेमाल से ब्लडप्रेशर कंट्रोल में रहता है और गला भी कम ही सूखता है। इसलिए प्यास भी नहीं के बराबर लगती है। परीक्षा से पहले केला खाना अच्छा होता है। क्योंकि इसमें पाए जाने वाला पोटैशियम दिमाग को चुस्त और अलर्ट रखता है।

ऊर्जा के साथ-साथ, याददाश्त रहेगी मजबूत

» पोटैशियम की प्रचूरता की वजह से यह ब्लड प्रेशर को भी कंट्रोल रखता है।

» केला विटामिन बी6 का बढ़िया स्त्रोत है, जो नर्वस सिस्टम को मजबूत करता है। याददाश्त और दिमाग को तेज करता है। इसमें ट्राईप्टोफान एमिनो एसिड होता है, जो हार्मोन उत्पन्न करता है। इससे तनाव दूर रहता है और मूड अच्छा रहता है। केला खाने से खून में हीमोग्लोबीन बढ़ता है। इसलिए एनीमिया के रोगियों को केला अवश्य खाना चाहिए। केले में 100 कैलोरी और दूध में 80 कैलोरी पाई जाती है। इसलिए वजन कम करने के लिए इसका इस्तेमाल जरुरी है। इसमें थाईमिन, रिबोफ्लेविन, नियासिन, फोलिक एसिड, विटामिन ए, बी, बी6, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटैशियम पाए जाते हैं, जो शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाता है ओर शरीर में ताकत प्रदान करता है।

बिना सलाह न लें सप्लीमेंट्स

बरतें सावधानियां

अक्सर युवा जिम जाने पर ए सप्लीमेंट्स लेना शुरू कर देते हैं, पर क्या वाकई उन्हें इन सप्लीमेंट्स की जरूरत होती है। ऐसे सप्लीमेंट्स आपके लिए कितने उचित हैं और क्या आप सप्लीमेंट्स संबंधी आवश्यक सावधानी बरतते हैं?

जिम जाने का उद्देश्य

सबसे पहले इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि जिम जाने का उद्देश्य क्या है। आप फिट रहने के लिए जिम जा रहे हैं, पतला होने के लिए जिम जा रहे हैं, वहां जाकर तनाव कम करना चाहते हैं या प्रोफेशनल बॉडी बिल्डिंग के लिए जिम जाने का निर्णय लिया है? यदि आप प्रोफेशनल बॉडी बिल्डिंग के लिए जिम जा रहे हैं, तभी आपको सप्लीमेंट्स लेने की जरूरत है अन्यथा आप केवल अच्छा आहार लेकर प्राकृतिक खान-पान से भी सप्लीमेंट्स की जरूरत पूरी कर सकते हैं।

प्रशिक्षक की सलाह

किसी को देख कर या किसी की होड़ में सप्लीमेंट्स का सेवन न करें। अगर आप किसी को देख कर सप्लीमेंट्स लेने के लिए उत्साहित होते भी हैं तो सबसे पहले अपने प्रशिक्षक की सलाह अवश्य लें, ताकि वह आपका सही मार्गदर्शन कर सकें।

भरोसेमंद से लें सलाह

यह भी गौर करना बहुत जरूरी है कि आप सप्लीमेंट्स के बारे में किससे सलाह ले रहे हैं। क्या वह वाकई में आपकी सेहत को ध्यान में रख कर सलाह दे रहा है। कोशिश करें कि सप्लीमेंट्स लेने के बारे में उसी व्यक्ति की बात मानें, जो भरोसेमंद हो।

बिल अवश्य लें

वर्कआउट वंडर्स जिम के प्रमुख व कोच जोगिन्दर सिंह सलूजा बताते हैं कि आजकल नकली सप्लीमेंट्स भी बहुत मिलते हैं, इसलिए सस्ते के चक्कर में ऐसे सप्लीमेंट्स भूल से भी न लें। सप्लीमेंट्स अच्छी दुकान से खरीदें और उनका बिल भी जरूर लें।

इम्पोर्टेड सप्लीमेंट्स

हमारे देश में इम्पोर्टेड सप्लीमेंट्स काफी मिलते हैं। सलूजा के मुताबिक, अगर युवा ऐसे सप्लीमेंट्स लेते हैं तो ध्यान दें कि जितनी मात्रा का सेवन उसमें लिखा हो, उसका तीस प्रतिशत कम मात्रा में सेवन करें, क्योंकि विदेश का मौसम और भारत के मौसम में बहुत फर्क होता है। यहां के मौसम के अनुसार सप्लीमेंट्स की मात्रा लें। इसके लिए संबंधित विशेषज्ञ से सलाह जरूर ले लें।

स्विमिंग के दौरान बालों की शाईन को यूं रखें बरकरार

स्विमिंग करना हमारे शरीर के लिए बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। वहीं यदि स्विमिंग के दौरान हम अपने बालों की केयर नहीं करते तो हमें बालों की कई समस्याओं से जूझना पड़ सकता है। क्योंकि पानी में होने वाली गंदगी और बैक्टीरिया को खत्म करने के लिए क्लोरीन की काफी मात्रा स्विमिंग पूल में मिलाई जाती है। यह एक तरफ पानी को शुद्ध करने का काम करता है, तो वहीं काफी लंबे समय तक इसके पानी में रहने से पानी खराब भी हो जाता है। आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएगें जिन्हें अपनाकर आप अपने बालों को खराब होने से बचा सकते हैं।

स्विमिंग करने से पहले-

1. स्विमिंग करने से पहले आपको अपने बालों की सुरक्षा के लिए शॉवर जरूर लेना चाहिए। इससे बाल पहले ही शॉवर के पानी से गीले हो जाएंगे और फिर स्विमिंग के दौरान क्लोरीन युक्त पानी से आपके बाल खराब होने से भी बच जाएगें।
2. स्विमिंग पूल में जाने से पहले आप अपने बालों में स्विमिंग कैप भी पहन सकते हैं।
3. आप अपने बालों में कंडीश्नर लगाएं। इससे आपके बाल कमजोर होकर टूटेंगे नहीं और साथ ही क्लोरीन युक्त पानी का असर भी बालों पर नहीं हो पाएगा।
4. यदि आपने अपने बालों पर कलर किया हुआ है तो ऐसे में आप अपने बालों पर किसी अच्छे से तेल की मसाज करके ही स्विमिंग करें क्योंकि स्विमिंग पूल में क्लोरीन आपके बालों को नुकसान पहुंचा सकता है।

स्वीमिंग के बाद-

1. स्विमिंग पूल से निकलने के बाद आप फिर दोबारा से शॉवर लें। इससे क्लोरीन के अंश पूरी तरह से आपकी त्वचा और बालों से निकल जाएगें।
2. स्विमिंग के पानी का असर खत्म करने के लिए आप किसी अच्छे शैम्पू का उपयोग कर क्लोरीन के असर को खत्म कर सकते हैं। आप इसकी जगह बेकिंग सोडा या सेब साइडर सिरके से भी बालों को धो सकते हैं। ये बालों की जड़ों की गदंगी को पूरी तरह से साफ कर देता है।
3. बालों को साफ करने के बाद आप या तो बालों को कंडीश्नर करें या फिर तेल की मसाज करें। अगर हो सके तो आप अपने बालों में ऐलोवेरा जेल भी लगा सकते हैं।

रेसिपी

रिबन पकौड़ा

- » 1 कप चावल का आटा
- » 2 चम्मच बेसन
- » 2 चम्मच चना दाल पाऊडर
- » 1/2 चम्मच अचवाइन
- » 1 चम्मच लाल मिर्च पाऊडर
- » नमक स्वादानुसार
- » तेल आवश्यकतानुसार

विधि

1. सबसे पहले एक कटोरे में चावल का आटा, नमक, बेसन, चना दाल पाऊडर, अजवाइन, लाल मिर्च पाऊडर और 2 चम्मच तेल डाल कर अच्छी तरह मिला लें।
2. अब थोड़ा थोड़ा पानी मिलाकर चकली के आटे की तरह गूथ लें।
3. इसके बाद कड़ाही में तेल गर्म करें। अब चकली मशीन में रिबन पको?ा बनाने वाला साचे को सेट करें। फिर उसमे आटे को भर कर गरम तेल में मशीन को हाथ से दबाते हुए लम्बा लम्बा गुमते हुए रिबन पको़ड़ा बनाएं।
4. पकौड़ों को दोनों तरफ से गोल्डन ब्राउन होने तक तल लें।
5. आपका रिबन पकौड़ा तैयार है।

होममेड मसाला ओट्स

» 2 कप ओट्स » 1/2 प्याज » 1 चम्मच अदरक लहसुन पेस्ट » 1/2 चम्मच राई » 4 कढ़ी पत्ते » 2 हरी मिर्च » 1 टमाटर » 1 चुटकी हल्दी » 1 चम्मच गर्म मसाला » 2 गाजर » 100 ग्राम बींस »1/2 शिमला मिर्च » 1 चम्मच तेल » नमक स्वादानुसार

विधि

1. एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें राई, कढ़ी पत्ते भूनें। 2. फिर प्याज हल्का ब्राउन होने तक भूनें। 3. इसके बाद अदरक लहसुन पेस्ट डाल कर 3 मिनट पकाएं। 4. एक अलग पैन में गाजर, बींस, शिमला मिर्च थोड़ा पानी और तेल डालकर गलने तक पकाएं। 5. अब प्याज भूने हुए पैन में कटे टमाटर, नमक, हल्दी और गर्म मसाला पाउडर डालें। 6. फिर इसमें पकी हुई सब्जियां पानी से छानकर डालें और अच्छे से हिलाएं। 7. इसमें ओट्स डाल कर ऊपर से सब्जियों का पानी डालें। 8. सारे मिक्सचर को अच्छे से हिलाते हुए 1 से 2 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। 9. मसाला ओट्स तैयार हैं आप इसे हरे धनिए सो गार्निश करके सर्व कर सकते है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

तनाव से बचने के लिए मधुर संगीत का सहारा लें। चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आज आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी।इस राशि के छात्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक्कतें आ सकती हैं। आज आप अपना कीमती समय दोस्तों के चक्कर में बर्बाद कर सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। घर में रस्म-रिवाज़ आदि होगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। अगर आपके जीवनसाथी की सेहत कर चलते किसी से मिलने की योजना रद्द करनी पडेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। सहकर्मियों के साथ काम करते वक़्त युक्ति और चतुरता की ज़रूरत होगी। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। अगर हाल में आप व आपका जीवनसाथी बहुत ख़ुश महसूस नहीं कर रहे थे, तो आज हालात बदल सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

भले ही आप उत्साह से लबरेज़ हों, फिर भी आज आप किसी ऐसे की कमी महसूस करेंगे जो आज आपके साथ नहीं है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस-पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे। अत: बाहरी लोंगों के कहने पर अमल करना ठीक नहीं होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी, हालाँकि आपके ख़र्चे बढ़ सकते हैं। उदार बनें और ईमानदारी से तारीफ़ करें। आपकी थकी और उदास ज़िन्दगी आपके जीवन-साथी को तनाव दे सकती है। आपको पता लग सकता है कि आपके बॉस आपसे इतने रूखेपन से क्यों बात करते हैं। वजह जानकर आपको वाक़ई तसल्ली होगी। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। ख़ुद तनावग्रस्त होने की झल्लाहट आप बेवजह अपने जीवनसाथी पर निकाल सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। आपके जीवन-साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। किसीकी दख़लअंदाज़ी के चलते आपके और आपके प्रिय के रिश्ते में दूरियाँ आ सकती हैं। पेशेवर तौर पर आज का दिन सकारात्मक रहेगा। इसका भरपूर उपयोग करें। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास ख़याल रखें। आपका कोई भी ग़लत निर्णय न केवल उनपर ख़राब असर डालेगा, बल्कि आपको भी मानसिक तनाव देगा। आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। ज़िंदगी के उतार-चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। यात्राओं से व्यवसाय के नए मौक़े मिलेंगे। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। परिवार वालों का हँसी-मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का-फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ उन लोगों में दिलचस्पी पैदा करेगा, जो आप पर नज़दीकी से ग़ौर करते हैं। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर, गुरुद्वारे या किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपके ऑफिस का कोई सहकर्मी आपकी कीमती वस्तु चुरा सकता है इसलिए आज आपको अपना सामान ध्यान से रखने की जरुरत है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र के किसी काम में खराबी की वजह से आज आप परेशान रह सकते हैं और इस बारे में सोचकर अपना कीमती वक्त बर्बाद कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। अपनी उपयोगिता की ताक़त को सकारात्मक सोच और बातचीत के ज़रिए विकसित करें, ताकि आपके परिवार के लोगों को लाभ हो। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना था। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई पुराना मित्र आज आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। आज कुछ ऐसा दिन है जब चीजें उस तरह नहीं होंगी, जैसी आप चाहते हैं। मुमकिन है कि आपके माता-पिता आपको कुछ शानदार आशीर्वाद दें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। यह वह दिन है जब आपको अपनी अहम योजनाओं पर रोशनी डालने के लिए ख़ास और बड़े लोगों से मिलना चाहिए। आपका खाली वक्त आज किसी गैरजरुरी काम में खराब हो सकता है। आपकी भागदौड़ भरी दिनचर्या के कारण आपका जीवनसाथी ख़ुद को दरकिनार महसूस कर सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 01 अक्टूबर 2025, बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन, शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 07:02 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढा प्रातः 08:07 तक
योग : अतिगंड रात्रि 12:34 तक
करण : बालव प्रातः 06:40 तक
चन्द्रराशि : धनु दोपहर 02:28 तक
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:04 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:09 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:02 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 05:56 (विजयवाडा

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : महा नवमी पूजन

※ पाण्डित्य विषय मे सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, तेलं-गाना.9246159232, 9866165126
Chidamber011@gmail.com

नवरात्रि में नौ दिनों में शरीर से अधिक मन और आत्मा की शुद्धि होती है : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। शारदीय नवरात्रि में जब पूरा देश देवी मां की भक्ति में लीन है, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस अवसर को एक आध्यात्मिक साधना और आत्म-अनुशासन के रूप में अपनाया है। मुख्यमंत्री न केवल व्रत कर रहे हैं, बल्कि उन्होंने पिछले आठ माह से अन्न का पूरी तरह से त्याग कर रखा है। नवरात्रि के दौरान वे सिर्फ नींबू पानी और नारियल पानी के सहारे पूरे दिन रहते हैं।जहां आम लोग व्रत में एक बार फलाहार या मिठाई से भूख शांत करते हैं, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का व्रत पूर्णतः संयम और साधना से जुड़ा हुआ है। उनके अनुसार, इन नौ दिनों में शरीर से अधिक मन और आत्मा की शुद्धि होती है। यह उनके लिए आत्म-अनुशासन का पर्व है, न कि केवल धार्मिक रस्म।मुख्यमंत्री के रोज़मर्रा के भोजन में भी अन्न नहीं है। वे फलाहार, उबली हुई सब्जियाँ, नींबू पानी, नारियल पानी, चाय और गाय का दूध लेते हैं। साथ ही योग, ध्यान और नियमित वॉक उनकी दिनचर्या का अहम हिस्सा हैं। वे मानते हैं कि स्वस्थ शरीर और शांत मन ही किसी भी सेवा कार्य की नींव हैं। नवरात्रि के इन पावन दिनों में भी मुख्यमंत्री ने अपना प्रशासनिक दायित्व नहीं छोड़ा। जानकारी के अनुसार, उन्होंने अब तक 42 से अधिक कार्यक्रमों में भागीदारी, उद्घाटन, अवलोकन और शिलान्यास किए हैं। इनमें से लगभग 18 बार वे जयपुर से बाहर दौरे पर । यह दर्शाता है कि उनका व्रत, उनकी कार्यक्षमता में बाधा नहीं बल्कि ऊर्जा का स्रोत बन चुका है।मुख्यमंत्री का स्पष्ट कहना है कि व्रत केवल आस्था नहीं, बल्कि आत्म-अनुशासन की तपस्या है। यह केवल भूख सहने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि मन और आत्मा की साधना है। उन्होंने अपने जीवन को एक प्रेरक उदाहरण बनाकर दिखाया है कि राजनीति में रहते हुए भी अध्यात्म और सेवा दोनों को संतुलित किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री का मानना है कि यह शक्ति उपासना उन्हें मां दुर्गा की प्रेरणा और आशीर्वाद से ही संभव हो रही है। वे कहते हैं कि यह उपवास केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि एक गहन आध्यात्मिक तपस्या है, जो उन्हें आत्मबल और मन की एकाग्रता प्रदान करती है।

पुलिस हिरासत में युवक की तबीयत बिगड़ने के बाद मौत

बांसवाड़ा/डूंगरपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

डूंगरपुर जिले के दोवड़ा कस्बे में पुलिस हिरासत में एक युवक की तबीयत बिगड़ने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। मामले ने तूल पकड़ लिया है और प्रशासन से लेकर जनप्रतिनिधियों तक सक्रिय हो गए हैं। कलेक्ट्रेट में बैठक जारी है, जिसमें कलेक्टर अंकित कुमार सिंह, एसपी मनीष कुमार, विधायक गणेश घोगरा, विधायक उमेश डामोर, विधायक अनिल मीणा सहित आदिवासी समाज के लोग मौजूद हैं। बैठक स्थल पर बाहरी लोगों का प्रवेश रोका गया है।

जानकारी के अनुसार, दोवड़ा थाना पुलिस ने चोरी के मामले में देव सोमनाथ कलारिया निवासी दिलीप अहारी को गिरफ्तार किया था। आरोप है कि पूछताछ के दौरान पुलिस ने उसके साथ मारपीट की, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। हालत गंभीर होने पर उसे उदयपुर एमबी अस्पताल रेफर किया गया। सोमवार शाम उसकी मौत की अफवाह फैलने पर दोवड़ा कस्बे में तनाव व्याप्त हो गया और स्थिति बिगड़ने पर पुलिस की गाड़ी पर पथराव तक हुआ।तनाव की स्थिति के बीच सांसद राजकुमार रोत और आसपुर विधायक उमेश डामोर देर रात तक कलेक्टर कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे रहे। वहीं, उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत ने मंगलवार को एमबी अस्पताल पहुंचकर दिलीप अहारी की स्थिति के बारे में चिकित्सकों से जानकारी ली। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से इस घटना की न्यायिक जांच की मांग की है और इसे दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। सांसद मन्नालाल रावत ने कहा कि इस प्रकरण की जांच निष्पक्ष होनी चाहिए। उन्होंने प्रमुख मांगों में निर्दोष लोगों पर कार्रवाई न होने, दोषी पुलिसकर्मियों पर कठोर कदम उठाने और मृतक के परिवार को अधिकतम मुआवजा व एक परिजन को नौकरी देने की बात कही।

झालावाड़ पुलिस की सर्जिकल स्ट्राइक – हिस्ट्रीशीटर हेमराज सुमन गैंग धराशायी 1 महिला सहित 13 गिरफ्तार

झालावाड़, 30 सितंबर (एजेंसियां)। संगठित अपराधों पर नकेल कसने के लिए चली मुहिम में झालावाड़ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। महीनों से निगरानी में चल रहे हेमराज सुमन गैंग का भंडाफोड़ करते हुए 1 महिला सहित 13 बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरोह बीमा धोखाधड़ी से लेकर हनीट्रैप, जबरन वसूली और अवैध कारोबार तक में सक्रिय था।गुप्त सूचना से खुला जाल पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि 24 सितम्बर को आसुचना अधिकारी कोतवाली ने एक गोपनीय परिवाद पेश किया था। जिसके अनुसार कुछ आपराधिक व्यक्तियों द्वारा गिरोह बना रखा है, जो ट्रेक्टर व अन्य बडे वाहनो को फाईनेंस पर उठाकर कुछ दिनों बाद ही खुर्द बुर्द करते हुए झूठे चोरी के मुकदमे दर्ज करवाकर लाखो में बीमा राशि उठा लेते है। थाना सारोला का हिस्ट्रीशीटर हेमराज सुमन अपने कुछ साथियो व कुछ यूपी के बदमाश लडको के साथ मिलकर उक्त अवैध काम कर रहे है। पुलिस ने तुरंत रणनीति बनाकर कार्रवाई का प्लान तैयार किया।एसपी कुमार और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजीलाल मीणा के निर्देशन में करीब 20 टीमों ने एक साथ झालावाड़, झालरापाटन, सारोला और कोटा में दबिश दी और मुख्य सरगना हेमराज सुमन और उसके साथियों को रंगे हाथों पकड़ा गया।

खांसी के सिरप से सात बच्चे बीमार

बांसवाड़ा, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान में खांसी की दवा डेक्स्ट्रोमेथोर्फन हाइड्रोब्रोमाइड सिरप के दुष्प्रभाव का मामला लगातार बढ़ता जा रहा है। भरतपुर, जयपुर और सीकर के बाद अब बांसवाड़ा में भी इसके असर से बच्चे बीमार होने लगे हैं। जिले के महात्मा गांधी राजकीय चिकित्सालय में बीते पखवाड़े में सात बच्चों को भर्ती करना पड़ा। स्थिति को देखते हुए सरकारी अस्पतालों और चिकित्सा केंद्रों पर इस दवा की आपूर्ति रोक दी गई है।जानकारी के अनुसार, सर्दी-खांसी से पीड़ित बच्चों को यह सिरप चिकित्सकों द्वारा लिखी जा रही थी। लेकिन इसके सेवन के बाद कई बच्चों की हालत बिगड़ने लगी। जिला अस्पताल में भर्ती कराए गए सात बच्चों को उपचार की जरूरत पड़ी।

भरतपुर में डॉ. दिगंबर सिंह जयंती पर कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ

भरतपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने मंगलवार को लुधावई टोल सेवर स्थल पर आयोजित डॉ. दिगंबर सिंह जयंती समारोह में श्रद्धांजलि सभा और प्रो कबड्डी प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर पूर्व आमेर विधायक सतीश पूनियां, डीग-कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश सिंह, जिला अध्यक्ष श्रीमती शिवानी दायमा, पूर्व महापौर शिवसिंह भोंट सहित कई अन्य गणमान्य अतिथियों ने डॉ. दिगंबर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।राज्य मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि कबड्डी जैसे स्वदेशी खेल हमारी सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक हैं। ये खेल शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करने के साथ-साथ युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें शुभकामनाएं दी।पूर्व आमेर विधायक सतीश पूनियां ने कहा कि यह प्रतियोगिता ग्रामीण युवाओं में जोश और उत्साह का संचार करेगी। उन्होंने राज्य में खेलों को बढ़ावा देने के लिए बनाए जा रहे स्टेडियम, अकादमी और प्रशिक्षण केंद्रों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं, जो पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात है। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. दिगंबर सिंह ने चिकित्सक और राजनेता के रूप में समाज सेवा, शिक्षा और राजनीति में अमूल्य योगदान दिया।

चुनाव जीतने के लिए झूठ और वोट चोरी का सहारा लेती है भाजपा : डॉ अजय सिंह चौटाला

चंडीगढ़, 30 सितंबर (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला ने कहा है कि चुनाव जीतने के लिए भाजपा झूठा प्रचार और वोट चोरी का सहारा लेती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के चुनावों में साफ देखा गया कि कैसे वोट चोरी करके पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को हराया गया। अजय चौटाला ने कहा कि दिल्ली में रातों-रात वोट काटे गए और नई दिल्ली में बीजेपी की जीत भाजपा के वोट चोरी के खेल को साफ दर्शाती है। इतना ही नहीं भाजपा चुनाव प्रचार के दौरान जात-पात की बातें करके जनता को गुमराह करती है। वे मंगलवार को महेंद्रगढ़ में जेजेपी जिला स्तरीय बैठक के दौरान पत्रकारों से रूबरू थे। बैठक में जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संगठन मजबूती पर फोकस करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं को मूलमंत्र दिए।डॉ अजय सिंह चौटाला ने कहा कि जेजेपी का निरंतर जनसंपर्क अभियान जारी है। उन्होंने कहा कि सभी 22 जिलों में पार्टी के जिला स्तरीय बैठकों के कार्यक्रम हो रहे है और इसके बाद हलका स्तरीय कार्यक्रम भी किए जाएंगे। अजय चौटाला ने कहा कि युवाओं को जेजेपी से जोड़ने के लिए दिग्विजय चौटाला मैदान में उतरे हुए है। सभी 22 जिलों और 90 हलकों में युवा जोड़ो अभियान के बाद अब युवा योद्धा अभियान के कार्यक्रम शुरू हो गए है। डॉ चौटाला ने यह भी कहा कि आज भाजपा सरकार की खराब नीतियों के चलते प्रदेश में जंगल राज है। उन्होंने प्रदेश की खराब कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि सरकार जनता की सुरक्षा व्यवस्था में पूरी तरह विफल साबित हुई है। एक सवाल के जवाब में अजय चौटाला ने कहा कि जब तक पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला थे, तब तक इनेलो-जजपा के एक होने की संभावना थी, लेकिन अब ये संभव नहीं है।

बैठक में जेजेपी के वरिष्ठ नेता डॉ केसी बांगड़, पूर्व चेयरमैन राजेंद्र लितानी व अन्य नेताओं ने भी पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान अनेक लोगों ने जेजेपी ज्वाइन की।

स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार और सशक्त भारत की नींव : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आंगनवाड़ी ढांचे को नई मजबूती प्रदान करते हुए आज 15 करोड़ रुपये की लागत से 500 नवीनीकृत आंगनवाड़ी भवनों का लोकार्पण तथा 9 करोड़ रुपये की लागत से बने 64 नए आंगनवाड़ी केंद्रों का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बच्चों और महिलाओं के पोषण, स्वास्थ्य तथा प्रारंभिक शिक्षा से जुड़े सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री ने दुर्गा अष्टमी की बधाई देते हुए कि आज दुर्गा अष्टमी के अवसर पर महिलाओं के लिए धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर पोषण माह की 8वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय समारोह के आयोजन का अत्यंत महत्व है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए पूरे देश में पोषण माह का आयोजन वर्ष 2018 से किया जा रहा है। परिवार के प्रति समर्पण भाव में महिलाएं इतना व्यस्त हो जाती हैं कि वे अपनी सेहत का ख्याल नहीं रख पाती। इसी समर्पण भाव को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महसूस किया कि महिलाओं की सेहत और स्वास्थ्य की जिम्मेदारी सरकार की भी है। उन्होंने 8 मार्च, 2018 को राजस्थान के झुंझुनू जिले से देशव्यापी पोषण अभियान की शुरुआत की थी। इस अभियान के 8 साल हो गए हैं। यह पोषण माह महिलाओं के स्वास्थ्य की रक्षा और बच्चों को कुपोषण से मुक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

कांग्रेस विधायक दल का नेता बनाए जाने पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने हाई कमान का किया शुक्रिया

चंडीगढ़, 30 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कांग्रेस हाईकमान, खासतौर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि फिर से विधायक दल का नेता चुनकर पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, उसपर वो खरा उतरने की भरपूर कोशिश करेंगे। जनता जनार्दन के मुद्दों को उठाने, सकारात्मक व संघर्षशील विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए कांग्रेस पूरी तरह तैयार है।भूपेंद्र सिंह हुड्डा पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि 11 साल से सत्ता में होने के बावजूद बीजेपी के पास ना गिनवाने के लिए कोई उपलब्धि है और ना ही दिखाने के लिए कोई काम। 2014 से पहले जो हरियाणा प्रति व्यक्ति, आय प्रति व्यक्ति निवेश और विकास में नंबर वन था, आज वह विकास के हर एक पैमाने पर पिछड़ गया है।भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने नए प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह को भी हार्दिक बधाई दी है।

बिहार में शुद्ध मतदाता सूची पर किसी को कोई एतराज नहीं होना चाहिए : अनिल विज

चंडीगढ़, 30 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस द्वारा विपक्ष का नेता चुनने में लगभग एक वर्ष लगाने व उभरती गुटबाजी पर अपने अंदाज में तंज कसते हुए गुनगुनाया इब्तिदा-ए-इश्क है रोता है क्या, आगे आगे देखिये होता है क्या। टी-20 एशिया कप में विजेता भारतीय टीम द्वारा पाकिस्तान के एसीसी अध्यक्ष मोहसीन से ट्राफी नहीं लेने पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि किसी भी मैच की सबसे बड़ी शील्ड वो होती है जो लोग देते हैं। सारे मैच हराकर और एशिया कप को जीतकर 144 करोड़ भारतीयों ने जो दिल की भावनाओं से शील्ड दी उसके मुकाबले वो शील्ड कुछ नहीं है। नापाक व खून से रंगे हाथों से तीर्थ यात्रियों पर हमला करने वाले हाथों से खिलाड़ी शील्ड कैसे ले सकते हैं। हम खुश हैं कि हम जीतें है और हमारे खिलाड़ियों ने बिना शील्ड लिए ही जीत का जश्न खेल के मैदान में मनाना शुरू किया।

बिहार में नई मतदाता सूची के प्रश्न पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि बिहार में शुद्ध मतदाता सूची जारी की जा रही है जिस पर किसी को कोई एतराज नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐ-तराज करने के लिए नियमों के तहत प्रा-वधान एक माह पहले दिया गया था, उसके बाद ही मतदाता सूची जारी की गई है और इस पर चुनाव सबको करवा लेना चाहिए।विज आज पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किस पार्टी का कौन बनेगा, किसको क्या दायित्व दिया जाएगा इससे हमारा कोई लेना देना नहीं। मगर एक बात है कि निर्णय लेने में इन्होंने लगभग एक साल लगा दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कभी सत्ता में आए ऐसा तो होना नहीं है, मगर यदि यह सत्ता में हो और देश में पाकिस्तान से हमला हो जाए तो इनके फैसला लेते-लेते पाकिस्तान की सेना दिल्ली में घुस जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने एक साल लगाया है विपक्ष नेता चुनने में। यह देश की जिम्मेवार पार्टी नहीं है, यह देश के दायित्वों का, देश की जिम्मेवारियों का, विपक्ष के नेता का यह दायित्व पूरा नहीं कर सके।

श्रद्धालुओं के जयकारों से गूंज उठा बेगूसराय

मुजफ्फरपुर में महागौरी देवी की पूजा के लिए उमड़ी भीड़

बेगूसराय/मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। बिहार के बेगूसराय में माता दुर्गा का पट खुलते ही ङ्गजय माता दीङ्ख, ङ्गजय मां दुर्गेङ्ख और अन्य भक्ति नारों के जयकारों से पूरा जिला गूंज उठा। माता दुर्गा के जागरण के साथ ही शहर का माहौल श्रद्धा और भक्ति से सराबोर हो गया। पंडाल में श्रद्धालुओं और भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। मध्यरात्रि में माता का पट खुलते ही हर ओर जयकारों की गूंज फैल गई।

माता के पट खुलने के साथ ही महिला श्रद्धालुओं का खोईचा भरने की पारंपरिक रस्म भी आरंभ हो गई। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से मां कालरात्रि की पूजा-अर्चना की, जिससे हर ओर अद्भूत आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। जिले के बखरी, तेघरा, बलिया, भगवानपुर, बेगूसराय शहर, बिशनपुर सहित हर ओर भक्ति का माहौल देखने को मिला।

माता दुर्गा के आकर्षक पंडाल श्रद्धालुओं के मन मोह रहे हैं। बेगूसराय जिला प्रशासन भी अलर्ट मोड पर है। चौक-चौराहों पर पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है। ट्रैफिक सुचारू बनाए रखने के लिए जगह-जगह ट्रैफिक पुलिस को तैनात किया गया है। इस प्रकार बेगूसराय नवरात्र का महाउत्सव भव्य तरीके से मनाया जा रहा है।

जिले के बखरी, शहर के बीएनपी 8, बिशनपुर, लाखो, तेघरा, मंझौल, खोदाबंदपुर, नावकोठी, साहेबपुरकमाल सहित अन्य जगहों पर सज-धज कर तैयार पंडाल और रोशनी से जगमगाते मार्ग भक्तिमय वातावरण में श्रद्धालुओं को रमने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। मेले में लगे आकर्षक झूले और मीना बाजार भी श्रद्धालुओं को खूब आकर्षित कर रहे हैं। बच्चे और बुजुर्ग का उत्साह चरम पर दिखाई दे रहा है।

मुजफ्फरपुर में शारदीय नवरात्र पर्व के आठवें दिन यानी अष्टमी तिथि पर मां दुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी देवी के पूजन और दर्शन का विधान है। जिले के मंदिरों में शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के भक्तों की बड़ी भीड़ उमड़ी। नवरात्र के अष्टमी तिथि होने के कारण अन्य दिनों की तुलना में मंदिरों में अधिक भीड़ देखने को मिली।

शहर के माता संतोषी मंदिर में श्रद्धालु दर्शन और पूजन के लिए बड़ी संख्या में पहुंचे। महिला श्रद्धालुओं की संख्या भी काफी रही, जिन्होंने माता से अपनी मन्नतें मांगी। मंदिरों में भक्तों के जय-जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। महागौरी देवी के गीतों से शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिर गुलजार रहे। आज सुबह से ही भक्तों की कतारें लगी रही, और सभी माता का दर्शन-पूजन कर रहे हैं। कल शाम को ही जिले के सभी दुर्गा मंदिरों के कपाट खुलते ही श्रद्धालुओं ने दर्शन प्रारंभ कर दिए थे।

माता संतोषी मंदिर के प्रधान पुजारी पंडित रामश्रेष्ठ झा ने बताया कि नवरात्र के आठवें दिन मां महागौरी देवी का पूजन किया जाता है। यह स्वरूप कल्याण देने वाला माना जाता है। श्रद्धालु सच्चे मन से पूजन और पाठ करते हैं तो सभी दुख दूर हो जाते हैं। उपवास रखने और संयम बरतने से विशेष कृपा प्राप्त होती है। पुजारी ने कहा कि भक्तों को वाणी, विचार और आहार पर नियंत्रण रखना चाहिए, इससे माता की कृपा बरसती है और सभी प्रकार के विकारों से मुक्ति मिलती है।

रोहतास में भी लगे आई लव मोहम्मद के पोस्टर, वीडियो हुआ वायरल

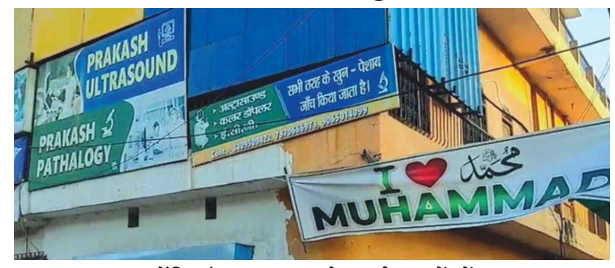

पटना (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बाद अब बिहार के कई जिलों में भी 'आई लव मोहम्मद' लिखे पोस्टर लगने लगे हैं। ताजा मामला रोहतास जिले के डेहरी ऑन सोन स्थित ईदगाह मोहल्ले से सामने आया है। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि इस मामले पर पूछे जाने पर रोहतास पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार ने कहा कि पोस्टर में ऐसा कुछ नहीं है, जैसा कि वायरल में दावा किया जा रहा है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत हर व्यक्ति को अपनी आस्था प्रकट करने और किसी भी धर्म या मजहब का पालन करने का अधिकार है, बशर्ते यह सार्वजनिक व्यवस्था और नैतिकता के खिलाफ न हो। लेकिन नवरात्र के मौके पर देश के कई राज्यों में अचानक उभर रहे इस ट्रेंड को लेकर लोग इसे किसी सोची-समझी साजिश का हिस्सा मान रहे हैं। इसे सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश के रूप में भी देखा जा रहा है।

डेहरी के ईदगाह मोहल्ले में अचानक लगे पोस्टरों से स्थानीय लोगों की चिंता और हैरानी बढ़ गई है। बता दें कि उत्तर प्रदेश के कानपुर, बरेली और लखनऊ समेत कई शहरों में ऐसे ही 'आई लव मोहम्मद' पोस्टर सामने आने के बाद जमकर बवाल मचा था। वहां पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर कई लोगों को गिरफ्तार भी किया था। इसके जवाब में हिंदू संगठनों ने 'आई लव महादेव' लिखे बैनर और पोस्टर लगाना शुरू कर दिया। इसके चलते यह पोस्टर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है और थमने का नाम नहीं ले रहा।

वित्त रहित शिक्षकों को नीतीश सरकार ने दिया दशहरा का तोहफा, डिप्टी सीएम ने दी पूरी जानकारी

पटना (एजेंसियां)। बिहार के शिक्षकों के लिए काम की खबर है। नीतीश सरकार ने वित्त रहित शिक्षकों को दशहरा का तोहफा दिया है। शिक्षा विभाग ने वेतन भुगतान और अनुदान की निगरानी के लिए समिति बनाई है।

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया पर घोषणा करते हुए कहा कि वित्त रहित शिक्षकों के लिए बड़ी खुशखबरी है। बिहार राज्य अंतर्गत वित्त अनुदानित एवं वित्त रहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों, संस्कृत विद्यालयों एवं मदरसों को स्थापना मद में दिए जाने वाले सहायक अनुदान तथा उनमें कार्यरत शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों को वेतन भुगतान से संबंधित सभी पहलुओं के सम्यक एवं नियमित समीक्षा एवं निष्पादन के लिए समिति गठित की गई। वित्त रहित शिक्षकों के लिए वेतनमान समेत सभी विषयों लागू करेगी। डिप्टी सीएम ने सभी शिक्षकों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

शिक्षा विभाग की ओर से एक पत्र भी जारी किया गया है। इसमें लिखा गया है कि राज्य के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में सहायक अनुदान, शिक्षकों और कर्मियों के वेतनमान से जुड़े मामलों की निगरानी और समाधान के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित इस समिति में विकास आयुक्त, शिक्षा विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव, बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सचिव, माध्यमिक शिक्षा और प्राथमिक शिक्षा निदेशक को सदस्य बनाया गया है। समिति हर महीने बैठक करेगी और शिक्षा संस्थानों से संबंधित मुद्दों जैसे,सहायक अनुदान का समय पर निर्गमन, वेतन या मानदेय का समय पर निर्धारण और भुगतान, तथा अन्य वित्तीय विवादों का समाधान करेगी।

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत के बाद परिजन आक्रोशित

डॉक्टरों पर ऑक्सीजन बंद करने का लगाया आरोप

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मोतिहारी जिले में सड़क हादसे में घायल युवक की मौत के बाद परिजनों ने जमकर बवाल किया। आरोप है कि निजी अस्पताल के डॉक्टरों ने इलाज के लिए डेढ़ लाख रुपये की मांग की थी। बकाया पैसे के कारण डॉक्टरों ने ऑक्सीजन और दवा देना बंद कर दिया, जिससे मरीज की मौत हो गई। पूरा मामला बंजरिया थाना क्षेत्र के सिंघिया गुमटी के पास रविवार को हुए हादसे से जुड़ा है। यहां ट्रक और ई-रिक्शा की टक्कर में छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायलों को 112 की टीम ने सदर अस्पताल पहुंचाया। इनमें हालत नाजुक होने पर रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के मंजूराहा गांव निवासी बबलू कुमार को मोतिहारी के सनराइज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

बताया जाता है कि बबलू की शादी महज एक माह पूर्व हुई थी। वह दो भाइयों में बड़ा था और ई-रिक्शा चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। मौत के बाद परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल ने पैसे न मिलने पर ऑक्सीजन और दवा बंद कर दी। आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल परिसर में तोड़फफोड़ की और शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया।

सूचना मिलते ही छतौनी थानाध्यक्ष सुनील कुमार मौके पर पहुंचे और लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उल्लेखनीय है कि रविवार को बबलू अपने पांच दोस्तों छोटू, प्रियांश, सोनू, बिक्की और एक अन्य छोटू के साथ दशहरा मेला देखने जा रहा था। इसी दौरान हादसा हुआ। घायल पांचों का इलाज जारी है।

विस चुनाव से पहले इंडो-नेपाल बॉर्डर पर बड़ी कार्रवाई

99 जिंदा कारतूस के साथ दो हथियार तस्कर गिरफ्तार

सुपौल (एजेंसियां)। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले भारत-नेपाल सीमा से सटे सुपौल जिले में सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ी सफलता हासिल की है। एसएसबी और बिहार पुलिस की संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर वीरपुर थाना क्षेत्र में छापेमारी कर एक बलेनो कार से 99 राउंड जिंदा कारतूस बरामद किया है। इस दौरान दो आर्म्स तस्करों को भी मौके से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान वीरपुर थाना क्षेत्र निवासी अनिल कुमार और जीतू भगत के रूप में हुई है।

एसएसबी 45वीं बटालियन वीरपुर के कमांडेंट गौरव सिंह ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि विधानसभा चुनाव से पहले सीमावर्ती इलाके में हथियारों की खेप पहुंचाई जाने वाली है। प्राप्त सूचना के आधार पर वीरपुर में बिहार पुलिस और एसएसबी ने संयुक्त ऑपरेशन चलाया, जिसमें तस्करों को पकड़ा गया। उनके पास से 99 राउंड कारतूस बरामद किए गए।

इधर, कमांडेंट ने कहा कि यह चुनाव के पूर्व सुरक्षा के लिहाज से बड़ी उपलब्धि है और गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ कर उनके नेटवर्क की गहन जांच की जा रही है। वहीं वीरपुर एसडीपीओ सुरेंद्र कुमार ने बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। आर्म्स और शराब तस्करी पर रोक लगाने के लिए लगातार संयुक्त अभियान चलाए जा रहे हैं।

इसी क्रम में बीती रात गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई और भारी मात्रा में कारतूस के साथ दोनों तस्करों को गिरफ्तार किया गया।

फिलहाल यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इतनी बड़ी संख्या में जिंदा कारतूस कहां से आई और कहां सप्लाई की जाने वाली थी। तस्करों के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक की जांच भी जारी है।

मेला में युवक की पुरानी रंजिश में पीट-पीटकर हत्या

गोपालगंज (एजेंसियां)। बिहार के गोपालगंज जिले में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां मेला देखने आए एक युवक की थाने से कुछ ही दूरी पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना को पुरानी रंजिश से जोड़ा जा रहा है। पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है और मामले की छानबीन में जुट गई है।

यह घटना नगर थाना क्षेत्र के वीएम फील्ड के पास हुई। मृतक की पहचान गोपालगंज जिले के मांझा थाना क्षेत्र के छितौनी गांव निवासी राज कुमार के पुत्र सुनील कुमार के रूप में हुई है।

सुनील कुमार मेला देखने आया था, तभी कुछ लोगों ने पुरानी रंजिश के चलते उस पर हमला कर दिया और पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की गहनता से छानबीन शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश में जुट गई है। इस वारदात से इलाके में दहशत का माहौल फैल गया है।

पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाना पड़ा भारी, पूर्णिया में युवक को थाने में करवाई गई उठक-बैठक

पूर्णिया (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के दौरान व्हाट्सएप ग्रुप पर पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लिखना पूर्णिया के एक युवक को भारी पड़ गया।

मामले ने तूल पकड़ा तो पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए युवक को हिरासत में लिया, जहां सार्वजनिक माफी के तौर पर उससे थाने में उठक-बैठक करवाई गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसके बाद लोग युवक के इस कृत्य की कड़ी निंदा कर रहे हैं। यह घटना सहायक खजांची थाना क्षेत्र की है।

अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद के मनोज कुमार मोनू ने बताया कि पूर्णिया एमआर ग्रुप नामक एक व्हाट्सएप ग्रुप में शौकत नाम के युवक ने पाकिस्तान की टीम का समर्थन करते हुए खुले तौर पर पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लिख दिया।

इस देश विरोधी कमेंट के वायरल होते ही ग्रुप से जुड़े लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए युवक की तत्काल गिरफ्तारी की मांग शुरू कर दी। साइबर पुलिस ने किया ट्रेस, थाने में गलती कबूल मामले की गंभीरता को

देखते हुए सहायक खजांची थाना पुलिस और साइबर टीम तुरंत हरकत में आई।

पुलिस ने युवक की आईडी ट्रेस कर उसे कुछ ही देर में धर दबोचा। थाने लाए जाने पर युवक शौकत के अकल ठिकाने आए और उसने अपनी गलती स्वीकार की। उसने दोबारा ऐसी कोई हरकत न करने का आश्वासन भी दिया।

मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने युवक को केवल माफी पर छोड़ने का विरोध किया। उनकी मांग पर, युवक से सार्वजनिक तौर पर गलती मानते हुए माफीनामा लिखवाया गया और थाने के परिसर में ही उससे उठक-बैठक करवाई गई। इस पूरे घटनाक्रम को कुछ लोगों ने अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। सार्वजनिक माफी मांगने और दोबारा गलती न दोहराने का वादा करने के बाद युवक को छोड़ दिया गया।

वायरल वीडियो में युवक को उठक-बैठक करते हुए देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर इस वीडियो के आने के बाद लोग देश विरोधी नारे लगाने वाले इस युवक की जमकर आलोचना कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com